



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 46]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 14, 1998/कार्तिक 23, 1920

No. 46]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 14, 1998/KARTIKA 23, 1920

इस भाग में मिश्र पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

केंद्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India  
(Other than the Ministry of Defence)

कार्मिक लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय  
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)  
नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1998

MINISTRY OF PERSONNEL,  
PUBLIC GRIEVANCES & PENSIONS  
(Department of Personnel & Training)  
New Delhi, the 28th October, 1998

का. आ. 2226.—केंद्रीय सरकार एतद्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों तथा अधिकारिता का विस्तार सम्पूर्ण हरियाणा स्थाना कैथल सिटी में दिनांक 10-03-1998 को प्रथम सूचना रिपोर्ट 129 के अन्तर्गत पंजीकृत, भारतीय दंड संहिता की धारा 420 के साथ पठित धारा 120-ख के अन्तर्गत दण्डनीय अपराधों तथा इसी तरह के कार्यों के सम्बन्ध में अथवा उक्त अपराधों से जुड़े अथवा इसी तरह के तथ्यों से उत्पन्न होने वाले तथा किसी अन्य कानून के अन्तर्गत दण्डनीय अपराधों की जांच करने के लिए करती है।

S.O. 2226.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government, do hereby extends the Powers and Jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Haryana for investigation of offences punishable under Sections 120-B read with 420 of Indian Penal Code registered at Police Station, Kaithal City vide FIR No. 129, dated 10-3-98 and for any other offence in relation to or in connection with the said offences committed in the course of same transaction or arising out of the same facts and punishable under any other law.

[सं. 228/38/98-ग.वी.डी.-II]  
हरि सिंह, अवर सचिव

[No. 228/38/98-AVD-II]  
HARI SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1998

का. आ. 2227.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित अपराधों को दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा अन्वेषित किए जाने वाले अपराधों के रूप में विनिर्दिष्ट करती है, नामतः—

- (क) भारतीय दंड संहिता 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की धारा 477 के अधीन दंडनीय अपराध ।
- (ख) उपर्युक्त अपराध से संबंधित प्रयत्न, दुष्प्रेरण और षडयंत्र तथा उसी संव्यवहार के अनुक्रम में किया गया अथवा किए गए अथवा उन्हीं तथ्यों से उद्भूत कोई अन्य अपराध ।

[सं. 228/48/98-ए.वी.डी.—II]

हरि सिंह, अवसर सचिव

New Delhi, the 28th October, 1998

S.O. 2227.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act, No. 25 of 1946), the Central Government hereby specifies the following offences as the offences which are to be investigated by Delhi Special Police Establishment namely :—

- (a) Offences punishable under Section 477 of Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860).
- (b) Attempts, abetments and conspiracy in relation to, or in connection with the offences mentioned above and any other offence or offences committed in the course of the same transaction of arising out of the same facts.

[No. 228/48/98-AVD-II]

HARI SINGH, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1998

का. आ. 2228.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन आदेश फा. सं. 673/10/98-सी. शु.-8 दिनांक 24-3-1998 को यह विशेष जारी किया था कि

श्री के. सीनी मोहम्मद, पुत्र सर्वे. श्री खादर मोहिदीन, (i) 12.328 भागवथ सिंह मार्ग, प्रमाकुडी, जिला रामनाद, (ii) मै. अल अमीन मैनसियन, 12/408, एस. पी. टी. सी. मार्ग, प्रमाकुडी, जिला रामनाद को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, मादुराई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा के संवर्धन के प्रतिकूल कार्य करने से रोका जा सके ।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिसमें उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके ;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर कमिशनर आफ पुलिस, मादुराई के समक्ष हाजिर हों ।

[फा. सं. 673/10/98-सी. शु.-VIII]

प्रकाश चन्दरा, अवसर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 29th October, 1998

S.O. 2228.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange & Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/10/98-Cus. VIII dated 24-3-1998 under the said sub-section directing that Shri K. Seenj Mohammed S/o Late Shri Khader Mohaideen, Address (i) 12.328 Bhagavath Singh Road, Paramakudi, Ramnad District (ii) M/s. Al-Ameen Mansion, 12/408, MPTC Road, Paramakudi, Ramnad District be detained and kept in custody in the Central Prison, Madurai with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed,

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Madurai within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/10/98-Cus. VIII]  
PRAKASH CHANDRA, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1998

का. आ. 2229.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण

अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन आदेश फा. सं. 673/11/98-सी.शु.-8 दिनांक 24-3-1998 को यह निदेश जारी किया था कि श्री के. असरव अली पुत्र श्री खान मोहम्मद, पता-12/276-सी टी. के. नागू आदर गली, पामाकुडी तालुक, रामनाथपुरम, जिला, तमिलनाडु को निगड़ कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, मादुराई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा के संबंधन के प्रतिकूल कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर कमीशनर आफ पुलिस, मादुराई के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/11/98-सी.शु.-VIII]

प्रकाश चन्दरा, अव्वर सचिव

### ORDER

New Delhi, the 29th October, 1998

S.O. 2229.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange & Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/11/98-Cus. VIII dated 24-3-1998 under the said sub-section directing that Shri K. Asarab Ali s/o Shri Khan Mohamed, Address 12/276 C. T. K. Nagu Iyer Street, Paramakudi Taluk, Ramanathapuram District, Tamil Nadu be detained and kept in custody in the Central Prison, Madurai with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Madurai within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/11/98-Cus. VIII]

PRAKASH CHANDRA, Under Secy.

### आदेश

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2230.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन आदेश फा.सं. 673/16/98-सी.शु.-8 दिनांक 9-6-1998 को यह निदेश जारी किया कि श्री मुनीश सुनेजा, उर्फ गोल्डी, पुत्र श्री हरी शरन सुनेजा निवासी 14-ए/76, डब्ल्यू.ई.ए. करोल बाग, नई दिल्ली को निगड़ कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, तिहाड़, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा के संबंधन के प्रतिकूल कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर कमीशनर आफ पुलिस, नई दिल्ली के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/16/98-सी.शु.-VIII]

प्रकाश चन्दरा, अव्वर सचिव

### ORDER

New Delhi, the 29th October, 1998

S.O. 2230.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange & Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/16/98-Cus. VIII dated 9-6-1998 under the said sub-section directing that Shri Muncesh Suneja @ Goldy S/o Shri Hari Sharan Suneja, Address 14A/76, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi be detained and kept in custody in the Central Prison, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police New Delhi within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/16/98-Cus. VIII]

PRAKASH CHANDRA, Under Secy

## आदेश

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2231.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन आदेश फा. सं. 673/57/98-सी.शु. 8 दिनांक 27-8-1998 को यह निदेश जारी किया था कि श्री भेरचंद टिकाजी बोरा, उर्फ भारत उर्फ भेरमल, उर्फ डिम्पल, उर्फ देयाभार्थ, (i) 76/51, नई मुनिसिपल कारपोरेशन भवन, शुकलाजी गली, मुम्बई-8 (ii) में धरमानी स्टील इम्पेक्स, 46/50, कीका गली, पहली मंजिल, कमरा नं. 16, मुम्बई-4 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार मुम्बई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा के संवर्धन के प्रतिकूल कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर कमीशनर आफ पुलिस, मुम्बई के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/57/98-सी.शु.-VIII]

प्रकाश चन्द्रा, अव्वर सचिव  
ORDER

New Delhi, the 29th October, 1998

S.O. 2231.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange & Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/57/98-Cus. VIII dated 27-8-98 under the said sub-section directing that Shri Bherchand Tikaji Bora @ Bharat @ Bhermal @ Dimple @ Dhaya Bhai, Address (i) 76/51, New Municipal Corpn, Bldg., Shuklaji Street, Mumbai-8 (ii) M/s. Dharmani Street Impex, 46/50, Kika Street, 1st Floor, Room No. 16, Mumbai-4 be detained and kept in custody in the Central Prison, Mumbai with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself that the order cannot be executed, concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Mumbai within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/57/98-Cus. VIII]

PRAKASH CHANDRA, Under Secy.

## आदेश

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2232.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन आदेश फा. सं. 673/23/97-सी.शु. 8 दिनांक 11-2-1997 को यह निदेश जारी किया था कि श्री बलवीर कुमार, पुत्र श्री मोहिन्द पाल, निवासी गली नं. 3 मुभास नगर, फगवाड़ा (पंजाब) गांव पेंदी, पुलिस स्टेशन गोरया, को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, कपूरथला (पंजाब) में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा के संवर्धन के प्रतिकूल कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर कमीशनर आफ पुलिस, जालंधर के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/23/97-सी.शु.-VIII]

प्रकाश चन्द्रा, अव्वर सचिव

## ORDER

New Delhi, the 29th October, 1998

S.O. 2232.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange & Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/23/97-Cus. VIII dated 11-2-1997 under the said sub-section directing that Shri Balbir Kumar S/o Shri Mohinder Paul, Address Street No. 3 Subhash Nagar, Phagwara (Punjab), (Village Paddi, P. S. Goraya) be detained and kept in custody in the Central Prison, Kapurthala (Punjab) with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Jalandhar within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/23/97-Cus. VIII]

PRAKASH CHANDRA, Under Secy



## आदेश

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2233.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन आदेश फा. सं. 673/38/97-सी.शु.-8 दिनांक 23-4-1997 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री मोहरम अली, टी-414, गली नं. 20, गौतम पुरी दिल्ली, (ii) प्रिंस ट्रैवलस, पी-12, गली नं. 17, ब्रह्मपुरी को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार तिहाड़, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा के संवर्धन के प्रतिकूल कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर कमीशनर आफ पुलिस, नई दिल्ली के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/38/97-सी.शु.-8]

प्रकाश चन्दरा, अवर सचिव

## ORDER

New Delhi, the 29th October, 1998

S.O. 2233.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange & Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/38/97-Cus. VIII dated 23-4-1997 under the said sub-section directing that Shri Moharram Ali, Address : (i) T-414, Gali No. 20, Gautam Puri Delhi (ii) Prince Travel, P-12, Gali No. 17, Brahm Puri be detained and kept in custody in the Central Prison, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/38/97-Cus. VIII]

PRAKASH CHANDRA Under Secy.

## आदेश

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2234.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974

(1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन आदेश फा. सं. 673/92/97-सी.शु.-8 दिनांक 3-10-1998 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री सतबिन्दर सिंह मदान, पुत्र श्री बसन्त सिंह, निवासी एफ/12, तीसरी मंजिल, कीर्ति नगर, नई दिल्ली को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार तिहाड़, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा के संवर्धन के प्रतिकूल कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर कमीशनर आफ पुलिस, नई दिल्ली के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/92/97-सी.शु.-8]

प्रकाश चन्दरा, अवर सचिव

## ORDER

New Delhi, the 29th October, 1998

S.O. 2234.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange & Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/92/97-Cus. VIII dated 3-10-1998 under the said sub-section directing that Shri Satbinder Singh Madan S/o Shri Basant Singh, Address, F/12, 3rd Floor, Kirti Nagar, New Delhi be detained and kept in custody in the Central Prison, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police New Delhi within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/92/97-Cus. VIII]

PRAKASH CHANDRA, Under Secy

(सेंट्रल इकोनॉमिक इन्टेलीजेंस ब्यूरो)

## आदेश

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2235.—अतः संयुक्त सचिव, भारत सरकार जिन्हें विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अन्तर्गत विशेष रूप में शक्ति प्रदान की गई है, ने उक्त उप-धारा

के अधीन आदेश फाइल सं. 673/17/98-सी.यू. एस.-VIII दिनांक 29-4-98 जारी किया और यह निर्देश दिया कि श्री पूर्ण सिंह सुपुत्र श्री धारा सिंह पता : सी-153, पुष्पांजली एन्क्लेव, पीतम पुरा, दिल्ली को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, तिहाड़, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए जिससे कि उन्हें भविष्य में चीजों की तस्करी करने से रोका जा सके।

2. अतः केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या स्वयं को छिपा रखा है जिससे कि यह आदेश निष्पादित नहीं किया जा सकता।

3. अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पूर्वोक्त व्यक्ति को यह निर्देश देती है कि वह शासकीय राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, दिल्ली के सम्मुख उपस्थित हो।

[फा. सं. 673/17/98-सी यू एस-VIII]  
एम. एस. नेगी, अवर सचिव

(Central Economic Intelligence Bureau)

#### ORDER

New Delhi, the 28th October, 1998

S.O. 2235.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange & Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/17/98-Cus. VIII dated 29-4-98 under the said sub-section directing that Shri Puran Singh S/o Sh. Dhara Singh R/o C-153, Pushpanjali Enclave, Pitampura, Delhi, be detained and kept in custody in the Central Prison, Tihar, New Delhi, with a view to preventing him from smuggling goods in future;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or has been concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Delhi within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/17/98-Cus VIII]  
M. S. NEGI, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2236.—अतः संयुक्त सचिव, भारत सरकार जिन्हें विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अंतर्गत विशेष रूप से शक्ति प्रदान की गई है, ने उक्त उप-धारा के अधीन आदेश फाइल सं. 673/51/98-सी.यू.एस. VIII

दिनांक 6-8-98 जारी किया और यह निर्देश दिया कि श्री जे०एस०आनन्द सुपुत्र श्री टी.पी.एस. आनन्द पता : डी-14-ए/1, मॉडल टाउन-II, दिल्ली-9 को निरुद्ध कर लिया जाए और तिहाड़ कारागार, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए जिससे कि उन्हें भविष्य में चीजों की तस्करी करने से रोका जा सके।

2. अतः केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या स्वयं को छिपा रखा है जिससे कि यह आदेश निष्पादित नहीं किया जा सकता।

3. अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पूर्वोक्त व्यक्ति को यह निर्देश देती है कि वह शासकीय राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, दिल्ली के सम्मुख उपस्थित हो।

[फा.सं. 673/51/98/सीयूएस-VIII]  
एम. एस. नेगी, अवर सचिव

#### ORDER

New Delhi, the 28th October, 1998

S.O. 2236.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange & Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/51/98-Cus. VIII dated 06-08-98 under the said sub-section directing that Shri J. S. Anand @ Billa S/o Sh. T.P.S. Anand, R/o D-14-A/1, Model Town-II, Delhi-110009 be detained and kept in custody in the Central Prison Tihar, New Delhi with a view to preventing him from Smuggling goods in future;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or has been concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Delhi within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/51/98-Cus. VIII]  
M. S. NEGI, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2237.—अतः संयुक्त सचिव, भारत सरकार जिन्हें विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा- (1) के अंतर्गत विशेष रूप से शक्ति प्रदान की गई है, ने उक्त उप-धारा के अधीन आदेश फाइल सं. 673/51/98-सी-यू-एस-VIII दिनांक 25-3-98 जारी किया और यह निर्देश दिया कि

श्री गुरप्रीत सिंह मारवाहा गुपुक्ष स्व. श्री मनजीत सिंह पता : 4085/45, रेगारपुरा, कारोल बाग, नई दिल्ली का निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, तिहार नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए जिससे कि उन्हें भविष्य में शीशों की तस्करी करने से रोक जा सके।

2. अतः केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या स्वयं को छिपा रखा है जिससे कि यह आदेश निष्पादित नहीं किया जा सकता।

3. अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पूर्वोक्त व्यक्ति को यह निर्देश देती है कि वह शासकीय राज-पत्र में इस आदेश के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, दिल्ली के सम्मुख उपस्थित हो।

[फा.सं. 673/9/98-सी-यू-एस-VIII]

एम.एस. नेगी, अवर सचिव

#### ORDER

New Delhi, the 30th October, 1998

S.O. 2237.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange & Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/9/98-Cus. VIII dated 25-3-98 under the said sub-section directing that Shri Gurpreet Singh Marwaha S/o Late Shri Manjit Singh R/o 4085/45, Regar Pura, Karol Bagh, New Delhi, be detained and kept in custody in the Central Prison, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from smuggling goods in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or has been concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Delhi within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

IF. No. 673/9/98-Cus. VIII

M. S. NEGI, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 मई, 1997

(आयकर)

फा. अ. 2238.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "चीफ मिनिस्टर्स अर्थक्वैक रिलीफ फण्ड, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1998-2000 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रखते हुए, उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(i) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(ii) कर-निर्धारिता उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों के संबंध पूर्वोक्त वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक दान अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, पर्तियर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे उभा नहीं करवा सकेगा ;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10347/पा म. 197/46/97-

आयकर ति.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th May, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2238.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Chief Minister's Earthquake Relief Fund, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the object for which it is established ;

(ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc. for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;

(iii) this notification will not apply in relation to an income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10347/F. No. 197/46/97-ITA-

H. K. CHOUDHARY, Under Sec

नई दिल्ली, 12 मई, 1997

(आयकर)

का. आ. 2239—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "मध्य प्रदेश कौंसिल फॉर चार्टर्ड वेलफेयर, भोपाल," को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् ;

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वेलर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 10349/फा. सं. 197/30/97—

आयकर नि.—1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th May, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2239.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23 C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Madhya Pradesh Council for Child Welfare, Bhopal" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant

to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10348/F. No. 197 30/97-ITA-I]

JL K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 मई, 1997

(आयकर)

का. आ. 2240.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "सोसायटी आफ मिस्टर्स आफ चैरिटी आफ सेन्ट वी. केपिटानियो एण्ड सेन्ट वी. जेरोस, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1998-99 से 2000-2001 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वेलर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 10349/फा. सं. 197/ /97—

आयकर नि.—1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th May, 1997

## (INCOME TAX)

S.O. 2240.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Society of Sisters of Charity of Saint B. Capitanio and Saint V. Gerosa, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1998-99 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10349/F. No. 197/40/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 मई, 1997

## (आयकर)

का. आ. 2241.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप-खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "होमी भाभा फेलोशिप्स काउंसिल, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1999-2000 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिमान के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे

कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10366/फा. सं. 197/58/97-

आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 20th May, 1997

## (INCOME TAX)

S.O. 2241.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Homi Bhabha Fellowships Council, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10366/F. No. 197/58/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 मई, 1997

## (आयकर)

का. आ. 2242.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप-खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इंस्टीट्यूट आफ रेल ट्रांसपोर्ट (रजि.), नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

इ (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10367/फा. सं. 197/56/97-

आ. का. नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 21st May, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2242.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Institute of Rail Transport (Regd.), New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10367/F. No. 197/56/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 मई, 1997

(आयकर)

का.आ. 2243 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "वेस्ट बंगाल काउन्सिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1999-2000 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रखते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यता उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों

से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवा-हिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख रखाव में स्वैच्छिक प्रशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10370/फा. सं. 197/48/97-आ.क.नि. I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 30th May, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2243.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "West Bengal Council for Child Welfare, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10370/F. No. 197/48/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 मई, 1998

(आयकर)

का.आ. 2244.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इण्डियन काउन्सिल फॉर रिसर्च आन इन्टरनेशनल इकानामिक रिलेशन्स, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1998-99 से 2000-2001 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रखते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यता उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के

दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक प्रशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10371/फा. सं. 197/36/97-आयकर नि. I]

आशुतोष चन्द्र, उप सचिव

New Delhi, the 30th May, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2244.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Council for Research on International Economic Relations, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1998-99 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10371/F. No. 197/36/97-ITA-I]

ASHUTOSH CHANDRA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 17 जून, 1997

(आयकर)

का.आ. 2245—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इन्स्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संचालन पूर्णतया तथा अनन्यता उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग से अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक प्रशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10374/फा. सं. 197/24/97-आयकर नि. I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 17th June, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2245.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Institute of Company Secretaries of India, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10374/F. No. 197/24/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 जून, 1997

(आयकर)

का.आ. 2246.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा "श्री दुर्गयाना कमेटी (रजिस्टर्ड), अमृतसर" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका

संचयन पूर्णतया तथा अनन्यता उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

- (ii) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक भ्रंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा आभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-मुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10375/फा. सं. 197/57/97-आयकर नि. I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 17th June, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2246.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Durgiana Committee (Regd.), Amritsar" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10375/F. No. 197/57/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 जून, 1997

(आयकर)

का.प्रो. 2247.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "सर. दुराबजी टाटा ट्रस्ट, मुम्बई" को

कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का हस्तमाल अथवा इसकी आय का हस्तमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यता उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक भ्रंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा आभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-मुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10376/फा. सं. 197/61/97-आयकर नि. I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 25th June, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2247.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sir Dorabji Tata Trust, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10376/F. No. 197/61/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.



नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1997

(आयकर)

का.प्रा. 2248.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1998-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यता उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाम के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में भ्रमण से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10384/फा. सं. 197/67/97-आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 31st July, 1997

## (INCOME TAX)

S.O. 2248.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Lady Tata Memorial Trust, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business unless

the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10384/F. No. 197/67/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1997

(आयकर)

का.प्रा. 2249.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के उपखंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा "दि टाटा एग्रीकल्चरल एंड रूरल ट्रेनिंग सेंटर फार दि ब्लाईंड, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1998-99 से 2000-2001 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाम के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में भ्रमण से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10385/फा. सं. 197/83/97-आयकर-नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 31st July, 1997

## (INCOME TAX)

S.O. 2249.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Tata Agricultural and Rural Training Centre for the Blind, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1998-99 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10385/F. No. 197/83/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1997

(आयकर)

का.आ. 2250.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "दि मन्चेरजी नोरोजी बजाजी इन्स्टिट्यूट होम फार दि ब्लाइंड, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से वर्ष 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :-

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है,
- (ii) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक हंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जवर-उत्पाहरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा,
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार (वे प्राप्त लाभ तथा अभिलाष के रूप में हों) जब तक कि ऐसी कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्राथमिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के

संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10386/फा० सं० 197/75/97-आयकर नि. I]

एच०के० चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 5th August, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2250.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Muncherjee Nowreejee Benajee Industrial Home for the Blind, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10386/F. No. 197/73/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1997

(आयकर)

का.आ. 2251.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "ज्याइंट प्लांट कमेटी, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :-

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान

धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलेख के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारित के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10388/फा.सं. 197/83/98-आयकर-नि. I]  
एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 5th August, 1997

### (INCOME TAX)

S.O. 2251.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Joint Plant Committee, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10388/F. No. 197/83/96-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 1997

### (आयकर)

का.आ. 2252.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा "जोइंट प्लांट कमीटी ऑफ कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1998-97 से

1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थातः—

- (i) कर-निर्धारित इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संभयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारित उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलेख के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारित के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10390/फा.सं. 197/92/97-आयकर-नि. I]  
एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th August, 1997

### (INCOME TAX)

S.O. 2252.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies National Institute of Public Finance & Policy, New Delhi for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10390/F. No. 197/92/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 1997

(आयकर)

का०आ० 2253.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) उपखंड (iv) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "हिज होलीनेस द दलाई लामा चेरिटेबल ट्रस्ट, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख रखाव में स्वैच्छिक ग्रंथदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10392/का०सं० 197/55/97-आयकर-नि०-I]

एच०के० चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th August, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2253.—In exercise of the powers conferred by sub clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "His Holiness The Dalai Lama Charitable Trust, Dharmasala, H. P." for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or

modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10392/F. No. 197/55/97-JTA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 1997

(आयकर)

का०आ० 2254.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "स्पैस्टिक्स सोसाइटी आफ ईस्टर्न इण्डिया कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1998-99 से 2000-2001 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया तथा उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक ग्रंथदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10394/का०सं० 197/85/97-आयकर-नि०-I]

एच०के० चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th August, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2254.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Spastics Society of Eastern India, Calcutta" for the purpose of the said

sub-clause for the assessment years 1989-99 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10394/F. No. 197/85/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1997

(अध्य-कर)

का.आ. 2255.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा “विक्टोरिया टेक्निकल इंस्टीट्यूट चैन्नई” वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जब-जबहिरात, फनीषर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अधिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा

ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10395/फा.सं. 197/14/97-आयकरनि.-I]

एच.के. चौधरी, अधर सचिव

New Delhi, the 19th August, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2255.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Victoria Technical Institute, Chennai” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10395/F. No. 197/14/97-ITA-II]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1997

(आयकर)

का.आ. 2256.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा “इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ फारेन ट्रेड, नई दिल्ली” को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा; जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी

अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अवधि या एक से अधिक ढंग अवधि तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अवधि उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10399/फा.सं. 197/93/97-आयकर-1]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 28th August, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2256.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Institute of Foreign Trade, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contribution received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

Notification No. 10399/F. No. 197/93/97-ITA-II  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1997

(आयकर)

का.आ. 2257.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv)

द्वारा प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "बाल सहयोग, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अवधि इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अवधि या एक से अधिक ढंग अवधि तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अवधि उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10400/फा.सं. 197/91/97-आयकर  
नि.-1]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 28th August, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2257.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bal Sahyog, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10400 F. No. 197/91/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1997

(आयकर)

का.आ. 2258.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “स्वामी नारायण अक्षरपीठ, अहमदाबाद” को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10405/का.सं. 197/106/97-आयकर नि-1]

एच. के. चौधरी, प्रवर सचिव

New Delhi, the 5th September, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2258.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Swaminarayan Akshar-pith, Ahmedabad” for the purpose of the said sub-

clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other-wise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10405 F. No. 197/106/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1997

(आयकर)

का.आ. 2259.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “नेशनल सेंटर फार दी परफार्मिंग आर्ट्स, मुम्बई” को कर-निर्धारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों

की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10408/फा.सं. 197/13/94-आयकर नि.-I]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th September, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2259.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "National Centre for the Performing Arts, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10408/F. No. 197/13/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1997

(आयकर)

का.आ. 2260.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "रामान्ना महर्षि सेन्टर फार लर्निंग, बंगलौर" का कर-निर्धारण वर्ष 1999-2000 से 2001-2002 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक हंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10410/फा.सं./197/107/97-आयकरनि-1]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 17th September, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2260.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Ramana Maharshi Centre for Learning, Bangalore" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1999-2000 to 2001-2002 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10410/F. No. 197/107/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1997

(आयकर)

का.आ. 2261.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "द ट्रिब्यून ट्रस्ट, चण्डीगढ़" को कर-निर्धारण वर्ष 1998-99 से 2000-01 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक



वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वेयर-जवाहिरात, पनीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक व्ययदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10414/फा.सं. 197/77/97-आयकर नि.-I]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 19th September, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2261.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Tribune Trust, Chandigarh" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1998-99 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10414/F. No. 197/77/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1997

(आयकर)

का.आ. 2262.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "हार्जियन सेवक संघ, दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1999-2000 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अधीन रखते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संघन पूँजी तथा अन्योन्यता उन

उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;

- (2) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से सगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वेयर-जवाहिरात, पनीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक व्ययदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10421/फा.सं. 197/115/97-आयकर नि.-I]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 29th September, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2262.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Harianjan Sevak Sangh, Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10421/F. No. 197/115/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1997

(आयकर)

का. आ. 2263.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "सेक्टर फार सोसि एंड एम्प्लायरमेंट, नई दिल्ली, को कर-निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1999-

2000 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10423/फा. सं. 197/111/97-आयकर  
नि.-1]

एच. के. चौधरी, प्रवर सचिव

New Delhi, the 29th September, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2263.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Centre for Science and Environment, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10423/F. No. 197/111/97-TTA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1997

(आयकर)

का. भा. 2264:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23 ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रवृत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "जमनालाल बजाज फाउन्डेशन, नई दिल्ली" को कर निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1998-1999 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10425/फा. सं. 197-113/97-आयकर,  
नि.-1]

एच. के. चौधरी, प्रवर सचिव

New Delhi, the 29th September, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2264.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Jamnalal Bajaj Foundation, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1998-1999 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10425/F. No. 197/113/97-ITA-II]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1997

(आयकर)

का. आ. 2265.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “द एसिएटिक सोसाइटी आफ बाम्बे, मुम्बई” को कर-निर्धारण वर्ष 1997-98 से 2000-2001 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निर्धारित इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारित उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेबर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारित के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10426/फा. सं. 197-118/97-आयकर  
नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 29th September, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2265.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Asiatic Society of Bombay, Mumbai” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years

1998-99 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10426/F. No. 197/118/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1997

(आयकर)

का. आ. 2266.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “बाइल्ड लाइफ एसोसिएशन आफ साउथ इण्डिया (इंड्यू. ए. एस. आई.) बंगलौर” को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निर्धारित इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारित उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेबर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा उसे रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारित के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10427/फा. सं. 197/125/97-आयकर  
नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 29th September, 1997

## (INCOME TAX)

S.O. 2266.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Wildlife Association of South India (W.A.S.I.) Bangalore" for the purpose of the said sub-clause for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for applications, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10427/F. No. 197/125/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1997

( आयकर )

का. आ. 2267.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "नेशनल विल्ड लाइफ एसोसिएशन ऑफ साउथ इंडिया, बंगलूर" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के अन्वयार्थ अस्मिन्निष्ठ करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संकलन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से निम्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीकृत व्ययों से निम्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अस्मिन्निष्ठ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अस्मिन्निष्ठ नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में

अस्सा से लेखा-मुस्तकफ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10428/फा. सं. 197/117/97—आयकर नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव]

New Delhi, the 1st October, 1997

## (INCOME TAX)

S.O. 2267.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "National Centre for the Performing Arts, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10428/F. No. 197/117/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1997

( आयकर )

का. आ. 2268.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "राष्ट्रीय महिला कोष, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के अन्वयार्थ अस्मिन्निष्ठ करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संकलन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से निम्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीकृत व्ययों से निम्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10429/फा. सं. 197/73/97-आयकर-नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 1st October, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2268.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Rashtriya Mahila Kosh, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10429/F No. 197/73/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1997

( आयकर )

का. आ. 2269:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा "जमन लेप्रोसी रीलीफ एसोसिएशन रिहैबिलिटेशन फंड, चन्नई, को कर-निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक तंत्र अथवा तरीकों से निम्न तरीकों से इसकी निधि (जो धर-

जवाहिरात, पर्चीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वचिपक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10444/फा. सं. 197/121/97-आयकर-नि. I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 21st October, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2269.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "German Leprosy Relief Association Rehabilitation Fund, Chennai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10444/F No. 197/121/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1997

( आयकर )

का. आ. 2270:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा "जल फिरोज बलबाला वार-ए-मेहर, चन्नई" को कर निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(2) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अवधि एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-उच्चाहारात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीचिक्त अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि बारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा बारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे बारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 10445/पा. सं. 197/127/97--आयकर नि. 1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 21st October, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2270.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Jal Puroj Clubwala Dar-E-Meher, Chennai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No 10445/F No. 197/127/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1997

(आयकर)

कांआ० 2271.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "जेमिली प्लानिंग एसोसिएशन आफ इण्डिया, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है: अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका

संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(ii) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अवधि एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-उच्चाहारात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीचिक्त अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि बारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा बारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे बारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं० 10446/पा०सं० 197/133/97-आयकर नि. I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 21st October, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2271.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Family Planning Association of India, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10446/F. No. 197/133/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1997

(आयकर)

कांआ० 2272.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट नई दिल्ली" को करके निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्न-

लिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय या इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, पर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि बारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा बारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे बारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10451/पा.सं० 197/139/97-आयकर नि० I]  
एच.के. चौधरी, अधर सचिव

New Delhi, the 4th November, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2272.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sanjay Gandhi Memorial Trust, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10451/F. No. 197/139/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1997

(आयकर)

का०आ० 2273.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv)

प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इण्डियन पीपल नेचुरल कलेक्टिविटी ट्रस्ट, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों के संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, पर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि बारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा बारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे बारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10452/पा.सं० 197/120/97-आयकर नि० I]  
एच.के. चौधरी, अधर सचिव

New Delhi, the 4th November, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2273.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian People Natural Calamities Trust, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10452/F. No. 197/120/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1997

(आयकर)

the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10453/F. No. 197/132/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1997

(आयकर)

क्रा०आ० 2274—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "हिन्दु वूमैनस वेलफेयर सोसाइटी, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :-

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाष के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10453/फा०सं० 197/132/97-आयकर नि. I]

एच.के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 4th November, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2274.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Hindu Women's Welfare Society, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless

क्रा०आ० 2275—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "वालन्टरी हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली" को कर निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :-

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों के संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाष के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10454/फा०सं० 197/140/97-आयकर नि. I]

एच.के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 4th November, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2275.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Voluntary Health Association of India, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;



- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10454/F. No. 197/140/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 नवम्बर 1997

(आयकर)

फा०आ० 2276.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त क्षतियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "दी देहली पारसी अंजुमन नई, दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है।
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10435/फा०सं० 197/130/97-आयकर नि०-1]  
एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 4th November, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2276.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Delhi Parsi Anjuman, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and

maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10455/F. No. 197/130/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1997

(आयकर)

फा. आ. 2277.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23 ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त क्षतियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "मराठा मन्दिर, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (3) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिका नहीं रखी जाती है।

[अधिसूचना सं 10460/फा०सं० 197/112/97-आयकर नि०-1]  
एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 27th November, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2277.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby

notifies "Maratha Mandir, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10460/F. No. 197/112/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1997

(आयकर)

का. आ. 2278 -- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (IV) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "दि जे. आर. डी. टाटा ट्रस्ट, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है; अर्थात् :

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीकृत अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10461/फा. सं. 197/94/97-  
आयकर नि -I]

एच. के. चौधरी, अधर सचिव

New Delhi, the 27th November, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2278.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The J. R. D. Tata Trust, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10461/F. No. 197/94/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1997

(आयकर)

का. आ. 2279 -- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "दि जे. आर. डी. एंड बीमा टाटा ट्रस्ट, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर निर्धारिती उपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीकृत अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की

प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10462/फा. सं. 197/54/97--  
आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 27th November, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2279.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The J. R. D. & Thelma J. Tata Trust, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10462/F. No. 197/54/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1997

(आयकर)

फा. आ. 2280.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "एस. ओ. एस. चिल्ड्रनज विलेज आफ इण्डिया, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1998-2000 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक रूप अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेबर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त

तथा रख-रखाव में स्वीकृत अंशदान से भिन्न) का विवेक नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाम के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10465/फा. सं. 197/149/97--  
आयकर नि. --I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 9th December, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2280.—in exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "S.O.S. Children's Villages of India, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10465/F. No. 197/149/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1997

(आयकर)

फा. आ. 2281.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इन्स्टीट्यूट आफ रूल मैनेजमेंट, भानुव, गुजरात" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 10466/फा. सं. 197/151/97-  
आयकर नि. I ]  
एच. के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 9th December, 1997  
(INCOME TAX)

S.O. 2281.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Institute of Rural Management, Anand, Gujarat" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10466/F. No. 197/151/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1997  
(आयकर)

फा. आ. 2282.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री गडगे महाराज मिशन, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1999-2000

तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

(i) कर-निर्धारिती इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संवयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक ऐसी कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 10467/फा. सं. 197/128/97-  
आयकर नि.-1]  
एच. के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 9th December, 1997  
(INCOME TAX)

S.O. 2282.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Gadge Maharaj Mission, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10467/F. No. 197/128/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 1997

(आयकर)

का.आ. 2283.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (i.) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "नई तालीम समिति, सेवाग्राम, वर्धा, महाराष्ट्र" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रखते हुए, उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारित्री इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारित्री ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख रखाव में स्वीच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारित्री के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 10468/फा.सं. 197/152/97-  
आयकर नि-I]

एच.के. चौधरी, अव्वर सचिव

New Delhi the 11th December, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2283.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Nai Talim Samiti, Sevagram, Wardha, Maharashtra" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise

2866 GI/98—5

than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10468/F. No. 197/152/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1998

(आयकर)

का. आ. 2284.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सेवाग्राम आश्रम प्रतिष्ठान, सेवाग्राम (वर्धा), महाराष्ट्र को कर-निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रखते हुए, उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारित्री इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारित्री ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख रखाव में स्वीच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा, अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारित्री के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 10504/फा.सं. 197/156/97-आयकर  
नि-1]

एच.के. चौधरी, अव्वर सचिव

New Delhi, the 15th January, 1998

(INCOME TAX)

S.O. 2284.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the

Central Government hereby notifies "Sevagram Ashram Pratishthan, Sevagram (Wardha), Maharashtra" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10504/F. No. 197/156/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1998

(आयकर)

का. आ. 2285.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 'मोबाइल क्रेचेज फार वर्किंग मदर्स विल्ड्रेन, नई दिल्ली' को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिणी इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है,
- (ii) कर निर्धारिणी ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब

तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारित के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पृस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10506/फा.सं. 197/153/97-आयकर नि.-I]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 15th January, 1998

(INCOME TAX)

S.O. 2285.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Mobile Creches for Working Mothers' Children, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10506/F. No. 197/153/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1998

(आयकर)

का. आ. 2286.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "गुजरात इकोलोजिकल एज्युकेशन एण्ड रिसर्च (जी. ई. ई. आर.) फाउण्डेशन, गांधीनगर," को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिणी इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के

लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10522/फा. सं. 197/162/97-आयकर-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd February, 1998

### (INCOME TAX)

S.O. 2286.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Gujarat Ecological Education & Research (GEER) Foundation Gandhinagar" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of account are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10522/F No. 197/162/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1998

( आयकर )

का. आ. 2287.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एसद्वारा "बंगाल सोशल सर्विस लीग, कलकत्ता" को कर निर्धारण वर्ष 1998-99 से 2000-2001 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10523/फा. सं. 197/157/97-आयकर-1]  
एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd February, 1998

### (INCOME TAX)

S.O. 2287.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bengal Social Service League, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1998-99 to 2000-2001 subject to the following conditions namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture, etc.) for any period during the previous years relevant to the

assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of account are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10523/F. No. 197/157/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1998

( आयकर )

का. आ. 2288 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “आनन्दाश्रम ट्रस्ट, आनन्दाश्रम, पो. आ. कान्हागड, कासरगोड, केरल” को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अतन्वयतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिश्चित किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जवहर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीकृत अंशदान में भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 10528/फा. सं. 197/53/95—आयकर नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 1998

(INCOME TAX)

S.O. 2288.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Anandashram Trust, Anandashram P. O. Kanhangad, Kasargod, Kerala” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of account are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10528/F. No. 197/53/95-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1998

( आयकर )

का. आ. 2289 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “जल फिरोज क्लबवाला दर-ए-मेहर, चौधरी, को अधिसूचित करते हुए दिनांक 21-10-97 की अपनी अधिसूचना सं. 10445 (फा. सं. 197/127/97-आयकर नि.—1) में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

“आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 के खण्ड (23-ग) का उपखण्ड (4) “शब्दों और अंकों के स्थान पर “आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 के खण्ड (23-ग) का उपखण्ड (5)” शब्द और अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[अधिसूचना सं. 10529/फा. सं. 197/127/97—आयकर नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 1998

(INCOME TAX)

S.O. 2289.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10



of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following modification in its notification No. 10445 (F. No. 197/127/97-ITA-I), dated 21-10-97, notifying "Jal, Phiroj Clubwala Dar-E-Mehar, Chennai":—

the words and figures 'sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of Income-tax Act, 1961' shall be substituted as 'sub clause (v) of clause (23C) of section 10 of Income-tax Act, 1961'.

[Notification No. 10529/F. No. 197/127/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1998

(आयकर)

का. आ. 2290 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "दि इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट्स आफ इन्डिया, नई दिल्ली" को कर निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

(1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10530/फा.सं. 197/167/97—आयकर-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 1998

(INCOME TAX).

S.O. 2290.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Institute of Chartered Accountants of India, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10530/F. No. 197/167/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1998

(आयकर)

का. आ. 2291 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "फेडरेशन आफ इन्डियन एक्स-पर्ट अकौन्टेन्ट्स, नई दिल्ली" को कर निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त

तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसी कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10531/फा.सं. 197/69/95-आयकर-1]

एच. के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 9th February, 1998

(INCOME TAX)

S.O. 2291.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Federation of Indian Export Organisations, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10531/F. No. 197/69/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1998

(आयकर)

का.आ. 2292.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "एशियन इन्स्टीट्यूट आफ ट्रांसपोर्ट डेवलपमेंट नई दिल्ली" को कर निर्धारण वर्ष 1999-2000 से 2001-02 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के योजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है,

- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में त्रिनिदिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10536/फा.सं. 197/1/98-आयकर-1]

एच. के. चौधरी अवसर सचिव

New Delhi, the 24th February, 1998

(INCOME TAX)

S.O. 2292.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Asian Institute of Transport Development, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1999-2000 to 2001-02 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10536/F. No. 197/1/98-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1998

(आयकर)

का.आ. 2293.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “द गोविन्द भवन कार्यालय, कलकत्ता” को कर निर्धारण वर्ष 1998-99 से 2000-2001 तक के लिए निम्न लिखित शर्तों के अधीन रखते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है,
- (2) कर निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों में संगत, पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक हंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा,
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं० 10647/का.सं० 197/29/98-आईटीए-1]

समर भद्र, अवर सचिव

New Delhi, the 21st July, 1998

(INCOME TAX)

S.O. 2293.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Govind Bhavan Karyalaya, Calcutta” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1998-99 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period

during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10647/F. No. 197/29/98-JTA-I]

SAMAR BHADRA, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1998

का. आ. 2294.—राष्ट्रीय बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1980 की धारा 9 की उपधारा 3 के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, नई दिल्ली के मुख्य लेखा नियंत्रक श्री पी. जे. विसेंट को श्री डी. स्वरूप के स्थान पर तत्काल प्रभाव से और अगले आदेशों तक के लिए पंजाब एंड सिंध बैंक के बोर्ड में निदेशक नामित करती है ।

[एफ.सं. 9/9/98-बी. ओ. 1]

के. के. मंगल, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 28th October, 1998

S.O. 2294.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 read with sub-clause (1) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Schemes, 1980, the Central Government hereby nominates Shri P. J. Vincent, Chief Controller of Accounts, “Ministry of Finance, Department of Expenditure, New Delhi as a Director on the Board of Punjab & Sind Bank with immediate effect and until further orders vice Shri D. Swarup.

[F. No. 9/9/98-B.O.I]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1998

का. आ. 2295.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 9 के उपखंड (1) और (2) के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का

अर्पण एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उप-धारा 3 के खंड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा श्री एस. के. कोहली, वर्तमान महासचिव, केनरा बैंक अधिकारी परिमंड (केनरा बैंक, कनाट सर्कस शाखा, नई दिल्ली में तैनात) को 28 अक्टूबर, 1998 से और 27 अक्टूबर, 2001 तक, या केनरा बैंक के अधिकारी के रूप में सेवाएं समाप्त होने तक, जो भी पहले हो, श्री पी. के. दास के स्थान पर केनरा बैंक के बोर्ड में, निदेशक के रूप में नामित करती है। यह सम्मानित रिट याचिका सं. 4422-23/1998 (एल) में कनाटक उच्च न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधधीन होगा।

[फा. सं. 9/17/98-बी.ओ.1]

के. के. मंगल, अवसर सचिव

New Delhi, the 28th October, 1998

S.O. 2295.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of sub-section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, read with sub-clause (1) and (2) of clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby nominates Shri S. K. Kohli, presently General Secretary of the Canara Bank Officers' Association (posted at the Canara Bank, Connaught Circus Branch, New Delhi as a Director on the Board of Canara Bank with effect from 28th October, 1998 and upto 27th October, 2001 or until he ceases to be an officer of Canara Bank whichever is earlier, vice Shri P. K. Das. The nomination will be subject to the final decision of the High Court of Karnataka in Writ Petition No. 4422-23/1998(1).

[F. No. 9/17/98-B.O.I.]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1998

कां.आ. 2296 :—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिशों पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10-ख की उपधारा (1) एवं (2) के उपबन्ध, सांगली बैंक लिमिटेड पर 4 नवम्बर, 1998 से 3 फरवरी, 1999 तक की तीन माह की अवधि के लिए या नियमित अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद-भार ग्रहण करने तक, इनमें से जो भी पहले हो, लागू नहीं होंगे।

[फा. सं. 15/3/97-बी.ओ.ए. (I)]

श्रीमती प्रतिभा मोहन, निदेशक (बी.ओ.)

New Delhi, the 28th October, 1998

S.O. 2296.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India hereby declares that the provision of sub-sections (1) and (2) of Section 10B of the said Act shall not apply to the Sangli Bank Ltd. for a further period of three months from 4th November, 1998 to 3rd February, 1999 or till the appointment of a regular Chairman and Chief Executive Officer for that bank whichever is earlier.

[F. No. 15/3/97-BOA (I)]

MRS. P. MOHAN, Director (B.O.)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1998

कां.आ. 2297 :—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिशों पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10-ख की उपधारा (9) के उपबन्ध सांगली बैंक लिमिटेड पर 4 नवम्बर, 1998 से 3 फरवरी, 1999 तक अवकाश बैंक के नियमित अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उस सीमा तक लागू नहीं होंगे, जहां तक बैंक को त्वार महीने से अधिक के वास्ते अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का काम करने के लिए किसी व्यक्ति की नियुक्ति करने की छूट प्राप्त है।

[फा. सं. 15/3/97-बी.ओ.ए. (II)]

श्रीमती प्रतिभा मोहन, निदेशक (बी.ओ.)

New Delhi, the 28th October, 1998

S.O. 2297.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (9) of Section 10B of the said Act, shall not to the extent they preclude the bank from appointing a person to carry out the duties of the Chairman and Chief Executive Officer beyond a period exceeding four months, apply to the Sangli Bank Ltd. from 4th November 1998 to 3rd February 1999 or till the appointment of a regular Chairman and Chief Executive Officer for that bank, whichever is earlier.

[F. No. 15/3/97-BOA(ii)]

MRS. P. MOHAN, Director (B.O.)

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1998

कां.आ. 2298 :—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिशों पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10-ख की उप धारा (1) एवं (2) के उपबन्ध, टाडम्म बैंक लिमिटेड पर 8-10-98 से 7-1-1999 तक तीन माह

की अवधि के लिए या नियमित अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पदभार ग्रहण करने तक, इनमें से जो भी पहले हो, लागू नहीं होंगे।

[सं० 15/12/98-बी०ओ०ए० (i)]

प्रतिभा मोहन, निदेशक

New Delhi, the 28th October, 1998

S.O. 2298.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (1 of 1949), the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-sections (1) and (2) of Section 10B of the said Act, shall not apply to the Times Bank Ltd., for a period of three months from 8-10-1998 to 7-1-1999 or till the appointment of a regular Chairman and Chief Executive Officer for that bank, whichever is earlier.

[No. 15/12/98-BOA(i)]

Mrs. P. MOHAN, Director

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2299 :— बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिशों पर, एनडू द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10B की उपधारा (9) के उपबन्ध टाइम्स बैंक लिमिटेड पर 8-10-1998 से 7-1-1999 तक अथवा बैंक के नियमित अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उस सीमा तक लागू नहीं होंगे, जहां तक बैंक को चार महीने से अधिक के वास्ते अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का काम करने के लिए किसी व्यक्ति की नियुक्ति करने की छूट प्राप्त है।

[फा सं० 15/12/98-बी०ओ०ए० (ii)]

प्रतिभा मोहन, निदेशक

New Delhi, the 28th October, 1998

S.O. 2299.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on recommendations of the Reserve Bank of India hereby declares that the provisions of sub-section (9) of Section 10B of the said Act, shall not, to the extent they preclude the bank from appointing a person to carry out the duties of the Chairman and Chief Executive Officer beyond a period exceeding four months, apply to the Times Bank Ltd., from 8-10-1998 to 7-1-1999 or till the appointment of regular Chairman and Chief Executive Officer for that bank, whichever is earlier.

[F. No. 15/12/98-BOA(ii)]

Mrs. P. MOHAN, Director

2866 GI/98—6.

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1998

का. आ. 2300.—रक्षण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबन्ध) अधिनियम, 1985 (1985 का 1) की धारा 8 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एनडू द्वारा, श्री ए. ए. कपूर को 1 नवम्बर, 1998 से एवं दिसम्बर, 1998 तक की अवधि के लिए औद्योगिक तथा वित्तीय पुर्ननिर्माण बोर्ड के सदस्य के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[फा. सं. 7/17/96/बी. ओ. आई. (ii)]

सुधीर श्रीवास्तव, निदेशक

New Delhi, the 30th October, 1998

S.O. 2300.—In pursuance of the powers conferred by sub-section (2) of Section 4 read with sub-section (2) of Section 6 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985 (1 of 1985), the Central Government hereby reappoints Shri S. L. Kapur, as a Member of the Board for Industrial and Financial Reconstruction from 1st November, 1998 to 31st December, 1998.

[F. No. 7/17/96-B.O.I.(ii)]

SUDHIR SHRIVASTAVA, Director

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2301—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में वाणिज्य मंत्रालय के अन्तर्गत आने वाले निम्नलिखित कार्यालय को अधिसूचित करती है, जिसके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारिवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है :—

निर्यात निरीक्षण अधिकरण, मद्रास,

43-18-26, वेंकटराजू नगर,

विशाखापत्तनम-513016

[सं. ई.—11013/1/93—हिन्दी]

रामकुमार कलोरिया, निदेशक (राजभाषा)

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 28th October, 1998

S.O. 2301.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official purposes of the Union), Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following Office under the Ministry of Commerce whereof more than 80 per cent staff have acquired working knowledge of Hindi :—

Export Inspection Agency, Madras,  
43-18-26, Venkataraju Nagar,  
Visakhapatnam-513016.

[No. F-11013/1/93-Hindi]

R. K. SALGRIYA, Director (OI)

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय  
(सांख्यिकी विभाग)

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1998

का.आ.-2302:भारतीय सांख्यिकीय संस्थान अधिनियम (सं. 57), 1959 की धारा 8, उप धारा (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1999-2000 के लिये निम्नलिखित व्यक्तियों की एक समिति का गठन करती है:—

1. प्रो. जी.एस. भल्ला, —अध्यक्ष  
प्रोफेसर, अबकाश प्राप्त,  
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय,  
नई दिल्ली-110067
2. डा. एस.जी.के. विल्लई, —सदस्य  
चार्टर्ड इंजीनियर एवं प्रबंध परामर्शदाता,  
16-4 एवेन्यू, इन्दिरा नगर,  
चेन्नई-600020
3. प्रो. एस.के. चटर्जी, —सदस्य  
प्रोफेसर, सांख्यिकी,  
कलकत्ता विश्वविद्यालय,  
न्यू साईंस बिल्डिंग,  
कलकत्ता-19
4. प्रो. के.एल. कृष्णा, —सदस्य  
प्रोफेसर,  
दिल्ली स्कूल ऑफ इकोमिक्स,  
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
5. प्रो. एस.बी. राव, निदेशक, —सदस्य  
भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कलकत्ता,  
(भारतीय सांख्यिकीय संस्थान के मनोनीत)

6. निदेशक, —सदस्य  
केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन,  
सांख्यिकी विभाग,  
नई दिल्ली
7. वित्तीय सलाहकार एवं —सदस्य  
संयुक्त सचिव,  
सांख्यिकी विभाग,  
नई दिल्ली

8. उप वित्तीय सलाहकार तथा —सदस्य-गति  
निदेशक,  
सांख्यिकी विभाग,  
नई दिल्ली

और उक्त समिति को निम्नलिखित कार्य निर्धारित करती है:—

कार्य के सम्मन कार्यक्रम (योजनागत तथा योजनेतर दोनों) की समीक्षा करना तथा संशोधित प्राक्कलन 1998-99 में प्रदान की जाने वाली राशि के संबंध में सिफारिशें करना तथा भारतीय सांख्यिकीय संस्थान को सहायता अनुदान अदा करने के लिये 1999-2000 के लिये वित्तीय प्राक्कलनों के संबंध में भी सिफारिशें करना।

(क) वर्ष 1999-2000 के दौरान भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कलकत्ता द्वारा किये जाने वाले कार्य का कार्यक्रम (योजनागत तथा योजनेतर दोनों) दर्शाने वाले विवरण तथा इस प्रकार के कार्य के लिये सामान्य वित्तीय अनुमान तैयार करना और उसे केन्द्र सरकार के समक्ष प्रस्तुत करना, जिसके लिये केन्द्रीय सरकार निधि की व्यवस्था करती है।

(ख) कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत पत्रेखा निश्चित करना।

2. समिति अपनी रिपोर्ट सरकार को 31 मार्च, 1999 को या इससे पहले प्रस्तुत करेगी।

3. सांख्यिकी विभाग, समिति को जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा, सचिवालय सहायता प्रदान करेगा।

[सं. एस-12011/2/98-समन्वय]  
के.एस. प्रसादाराव, निदेशक

# MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION (Department of Statistics)

New Delhi, the 21st October, 1998

S.O. 2302.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 8 of the Indian Statistical Institute Act (No. 57) of 1959, the Central Government hereby constitutes a Committee for 1999-2000 consisting of:—

1. Prof. G.S. Bhalla, Chairman  
Professor Emeritus,  
Jawaharlal Nehru University,  
New Delhi-67.
2. Dr. S.G.K. Pillai, Member  
Chartered Engineer &  
Management Consultant,  
16-IV Avenue Indira Nagar,  
Chennai.

- |  |                  |
|--|------------------|
| 3. Prof. S.K. Chatterjee,<br>Prof. of Statistics,<br>Calcutta University,<br>New Science Building,<br>Calcutta-19. | Member           |
| 4. Prof. K.L. Krishna,<br>Professor,<br>Delhi School of Economics<br>University of Delhi, Delhi.                   | Member           |
| 5. Prof. S.B. Rao,<br>Director,<br>Indian Statistical Institute,<br>Calcutta (Nominee of the ISI).                 | Member           |
| 6. Director General C.S.O<br>Department of Statistics,<br>New Delhi.   | Member           |
| 7. Financial Adviser &<br>Joint Secretary,<br>Department of Statistics,<br>New Delhi.                              | Member           |
| 8. Deputy Financial Adviser &<br>Director,<br>Department of Statistics,<br>New Delhi.                              | Member-Secretary |

and assigns the following duties to the said Committee, namely:—

Review of the agreed programme of work (both Plan of Non-Plan) and make recommendations regarding the amount to be provided in the RE 1998-99 and also make recommendations regarding the financial estimates for 1999-2000 for paying grant-in-aid to the ISI.

(a) Preparation and submission to the Central Government of statement showing programmes of work (both Plan and Non-Plan) agreed to be undertaken by the Indian Statistical Institute, Calcutta, during the year 1999-2000 for which the Central Government may provide funds, as well as general financial estimates of such work.

(b) The settlement on broad lines of the programme of work.

2. The Committee shall submit its Report to the Government on or before 31st March, 1999.

3. The Department of Statistics shall render secretariat assistance to the Committee, the headquarters of which will be at New Delhi.

[No. M.12011/2/98-Coord.]

K. S. PRASADARAO, Director

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 1998

का.आ.-2303:-केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन)

अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 2 के खंड (क) के अनुसरण में भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 298 तारीख 12 जनवरी, 1996 को अधिकांत करते हुए सिवाय उन बातों के जो ऐसे अधिनियम से पूर्व की गई हैं या करने का लोप किया गया है, श्री एम. आई. पटेल, नायब कलेक्टर, अहमदाबाद को प्रतिनियुक्ति पर भारत ग्रोमान रिफाईनरीज लिमिटेड, सेंट्रल इंडिया रिफाईनरी परियोजना के गुजरात राज्य के राज्यक्षेत्र के भीतर उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कृत्यों का पालन करने के लिये प्राधिकृत करती है।

[फा.सं. आर-31015/9/98-ग्रा.आर.-II]

के.सी. कटोच, अवर सचिव

## MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 5th November, 1998

S.O. 2303.—In pursuance of Clause (a) of section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) and in supersession of the Notification of Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 298 dated 12th January, 1996 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby authorizes Shri M. I. Patel Dy. Collector, Ahmedabad on deputation to Bharat Oman Refineries Limited Central India Refinery Project, to perform, within the territory of State of Gujarat, the functions of the competent authority under the said Act.

[File No. R-31015/9/98-OR. II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

(भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2304.—होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद अधिनियम, 1973 (1973 का 59) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अनुसरण में डा. सी. नायक, प्राधान्यकार्य डा. ए.सी. होम्योपैथीक मेडिकल कार्निज, मुबनेश्वर, का उक्त विश्वविद्यालय में चयन किया गया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के तत्कालीन स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 482(अ), तारीख 6 अगस्त, 1974 को निम्नलिखित और सुशोधित करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की सारणी में "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्ष के अधीन क्रम संख्यांक 12 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात् :—

1	2
12. डा. सी. नायक प्रधानाचार्य डा. ए. सी. होम्योपैथिक — मेडिकल कालेज, भुवनेश्वर, (उड़ीसा)	उत्कल विश्वविद्यालय"

[फाइल सं. बी-27021/46(24)/94/होम्मी-ईयू]  
कंवल दास, अवर सचिव

टिप्पण :— मूल अधिसूचना का.आ. 482 (अ) दिनांक 6-8-74 द्वारा प्रकाशित की गई तथा तत्पश्चात् का.आ. सं० 818(अ) दिनांक 22 अक्टूबर, 1990 और का.आ. सं० 75 (अ) दिनांक 6 फरवरी, 1991 और का.आ. 1262 दिनांक 27 अप्रैल, 1992 द्वारा संशोधित की गई।

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of ISM & Homoeopathy)

New Delhi, the 29th October, 1998

S.O. 2304.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of Section 3 of the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (59 of 1973), Dr. C. Nayak, Principal, Dr. A. C. Homoeopathic Medical College, Bhubneshwar, has been elected from the Utkal University.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the Notification of the Government of India in the then Ministry of Health and Family Planning (Department of Health), No. S.O. 482(E), dated the 6th August, 1974, namely :—

In the table to the said Notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of Section 3" for serial No. 12 and the entries

relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

Name and address of member	Name of State/ Union Territory
(1)	(2)

"12. Dr. C. Nayak  
Principal  
Dr. A. C. Homoeopathic  
Medical College  
Bhubneshwar (Orissa)

Utkal University"

IF. No. V-27021/46(24)/94/Homoeo-EUI  
KANWAL DAS, Under Secy.

Note :—The Principle Notification was published vide S.O. 482(E), dated 6-8-74 and subsequently amended vide S.O. No. 818(E), dated 22nd October, 1990 and S.O. No. 75(E), dated 6th February, 1991 and S.O. 1262, dated 27th April, 1992.

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय  
(शहरी विकास विभाग)  
(दिल्ली प्रभाग)

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2305 :—यतः निम्नांकित क्षेत्रों के बारे में कुछ संशोधन, जिन्हें केन्द्रीय सरकार अधोवर्णित क्षेत्रों के बारे में दिल्ली बृहद योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में प्रस्तावित करती है तथा जो दिल्ली विकास अधिनियम, 1956 (1957 का 61) की धारा 44 के प्रावधानों के अनुसार दिनांक 13-12-1997 के नोटिस संख्या आई 3 (44)/94-एम पी द्वारा प्रकाशित किये गये थे जिसमें उक्त अधिनियम की धारा 11-ए की उपधारा (3) में अपेक्षित आपत्तियों/सुझाव, उक्त नोटिस की तारीख के 30 दिन की अवधि में आमंत्रित किये गये थे।

और यतः प्रस्तावित संशोधनों के बारे में जनता से कुछ आपत्तियाँ और सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं और यतः केन्द्र सरकार ने मामले के सभी पक्षों पर ध्यानपूर्वक विचार करने के बाद बृहद योजना में संशोधन करने का निर्णय किया है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 11-ए की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दिल्ली की उक्त बृहद योजना में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है।

संशोधन :—

"पृष्ठ 160 पर (बायीं ओर) शीर्षक" रिहायशी समूह आवास (002) के तहत अन्य नियंत्रण (iii) के बाद।



“के०ली०नि०वि० द्वारा वसन्त विहार, नई दिल्ली के पास सामान्य पूल वास के निर्माण के लिए कुल संचनता एक बार छूट बंटे हुए 250 पी पी एच से बढ़ाकर 300 पीपी एच की जाती है।

[सं० के-13011/24/96 डी०डी०आई०बी०]

पी.के. घोष, अवर सचिव

## MINISTRY OF URBAN AFFAIRS & EMPLOYMENT

(Department of Urban Development)  
(Delhi Division)

New Delhi, the 8th October, 1998

S.O. 2305.—Whereas certain modifications which the Central Government proposed to make in the Master Plan for Delhi Zonal Development Plan regarding the area mentioned hereunder were published with notice No. 1. 3(44)/94-MP dt. 13-12-97 in accordance with the provisions of Section 14 of the Delhi Development Act, 1956 (61 of 1957) inviting objections/suggestions as required by sub-section (3) of Section 11-A of the said Act., within thirty days from the date of the said notice.

2. Whereas no objections/suggestions were received with regard to the proposed modification and whereas the Central Government have, after carefully considering all aspects of the matter, decided to modify the Master Plan.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modification in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this Notification in the Gazette of India.

### MODIFICATION

“On page 160 (LHS) under the heading ‘Residential Group Housing’ (002) after other controls (iii). “The gross density relaxed from 250 PPH to 300 PPH for construction of General Pool Housing by CPWD near Vasant Vihar, New Delhi, as one time exception”.

[No. K-13011/24/96-DDIB]

P. K. GHOSH, Under Secy.

(मुद्रण निदेशालय)

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2306 यद्यपि प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, कोयम्बतूर उक्त मुद्रणालय में कतिपय ग्रुप “ग” तथा समस्त ग्रुप “घ” के पदों के सम्बन्ध में नियुक्ति प्राधिकारी है।

2. यद्यपि उक्त मुद्रणालय में प्रबन्धक का पद वर्तमान में प्रबन्धक की अनुपलब्धता के कारण खाली पड़ा है। उक्त मुद्रणालय में नियुक्ति नियुक्ति के लिए कुछ और समय लगेगा क्योंकि संघ लोक सेवा आयोग द्वारा हाल ही में प्रबन्धक की नियुक्ति के लिए डी.पी.सी. हुई थी।

3. यद्यपि उक्त मुद्रणालय में काफी मामले जैसे निलम्बन सम्बन्धी मामले, अनुशासनात्मक कार्रवाई सम्बन्धी मामले आदि समीक्षा/निर्णय आदि लिए जाने के लिए लम्बित पड़े हैं, जिन पर तत्काल ध्यान दिया जाना अपेक्षित है।

4. अब हमलिए निदेशक (मुद्रण) भारत सरकार के नियम-12 के नीचे आदेश संख्या 2 के अनुसरण में तथा निर्माण एवं आवास मंत्रालय के दिनांक 17-12-1971 तथा 10-8-73 के पत्र संख्या 1-12-71 -डब्लू.एस. यू. तथा निर्माण एवं आवास तथा शहरी विकास विभाग के दिनांक 21-4-69 के पत्र संख्या 19/4/69-पी 1 के साथ पठित गृह मंत्रालय की दिनांक 17-2-71 की अधिसूचना संख्या 3/11/70—प्रकाशन द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मुद्रणालय, मैसूर के प्रबन्धक को भारत सरकार मुद्रणालय कोयम्बतूर में प्रबन्धक की नियुक्ति होने तक इस मुद्रणालय के सम्बन्ध में सांख्यिक शक्तियों का प्रयोग करने के लिए अधिकारी प्रदान करते हैं।

[संख्या सी-14019/1/98-एवी]

एल.एन. शर्मा, संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

(Directorate of Printing)

New Delhi, the 9th October, 1998

S.O. 2306.—Whereas the Manager, Govt. of India Press, Coimbatore is the appointing authority in respect of certain Group ‘C’ & all Group ‘D’ posts in the said press.

2. Whereas the post of Manager is lying vacant at present in the said press due to non-availability of the same and it will take some more time for a regular appointment to be made in the said press as the DPC for the appointment of the Manager was held recently by the UPSC.

3. Whereas there are a good number of cases viz. suspension cases, disciplinary cases etc. lying pending in the said press for want of review/decision etc. which requires urgent attention.

4. Now, therefore, the DIRECTOR (PTG.) in compliance of Govt. of India Order No. 2 below Rule-12 & in exercise of the power conferred vide Min. of Home Affairs’ Notification No. 3/11/70-Pub. 1 dated 17-2-71 read with Ministry of Works & Housing letter No. 1-12/1/71-WSU 17-12-1971 & 10-8-73 and Department of Works & Housing & Urban Development Letter No. 19/4/69-P1 dated 21-4-69, hereby empowers the Manager, Govt. of India Text Books Press, Mysore to exercise the statutory powers in respect of

Govt. of India Press, Coimbatore. till a Manager is appointed in Govt. of India Press, Coimbatore.

[No. C-14019/1/98-AV]

L. N. SHARMA, Jt. Director (Admn.)

(शहरी विकास विभाग)

(दिल्ली प्रभाग)

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1998

विषय : टीकरी कलां, रोहतक रोड, नई दिल्ली में 101 हैक्टेयर (250 एकड़) क्षेत्र के भू-उपयोग का कृषि ग्रामीण उपयोग जोन से प्रकाश और सेवा उद्योग (लाईट एण्ड सर्विस इन्डस्ट्री) (पी बी सी बाजार) में परिवर्तन।

का.आ. 2307—ऊपर उल्लिखित विषय पर इस मंत्रालय की दिनांक 8-8-97 की समसंख्यक अधिसूचना के संदर्भ में “संशोधन” शीर्ष के अधीन निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाये :—

“शहरी विस्तार में पड़ने वाले 101 हैक्टेयर (250 एकड़) क्षेत्र, को उत्तर, पूर्व और दक्षिण में कृषि भूमि से और पश्चिम में विद्यमान टीकरी कलां झरोदा कलां रोड से घिरा है, का भू-उपयोग “कृषि-हरित/ग्रामीण उपयोग जोन” से प्रकाश और सेवा उद्योग (लाईट एण्ड सर्विस इन्डस्ट्रीज) (पी बी सी बाजार)” में परिवर्तन कर दिया गया है।

[सं.के. 13011/34/95-डीडीआईबी]

पी.के. घोष, अवर सचिव

(Department of Urban Development)

(Delhi Division)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 9th October, 1998

Subject :—Change of land use of an area measuring 101 Hac. (250 acres.) from Agricultural Rural Use Zone to “Light & Service Industry” (PVC Bazar) at Tikri Kalan, Rohtak Road, New Delhi.

S.O. 2307.—With reference to the Ministry's Notification of even number dated 8-8-97 on the subject cited above under the head “Modification” the following may be substituted.

“The land use of an area measuring 101 hac. (250 acres) falling in Urban Extension bounded by Agricultural land in the North, East and South and the existing Tikri Kalan-Jharoda Kalan Road in the West is changed from Agricultural green/rural use zone to ‘Light and Service Industry (PVC Bazar)’.”

[No. K-13011/34/95-DDIB]

P. K. GHOSH, Under Secy.

(संपदा निदेशालय)

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1998

का.आ. 2308—सरकारी निवास स्थान आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम 1963 के अनु.नि.-317-ख-2 की धारा “ख” के अनुसरण में राष्ट्रपति एतद्द्वारा, 1 जनवरी, 1999 से 31 दिसम्बर, 1999 तक की अवधि को अगले आवंटन वर्ष के रूप में अधिसूचित करते हैं।

[फा.सं. 12035/1/98-नीति-II]

रत्न देव सहाय, संपदा उप-निदेशक

(Directorate of Estates)

New Delhi, the 9th November, 1998

S.O. 2308.—In pursuance of clause (b) of SR-317-B-2 of the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, the President hereby notifies the period commencing on the 1st day of January, 1999 and ending on 31st day of December 1999, as the period of next Allotment Year.

[F. No. 12035/1/98-Pol. II]

R. D. SAHAY, Dy. Director of Estates

बस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1998

का.आ. 2309—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम 4 के अनुसरण में बस्त्र मंत्रालय के अन्तर्गत आने वाले निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनमें 80 प्रतिशत कर्मचारी बृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. प्रदर्शन सह प्रशिक्षण केन्द्र, के.रे.प्रौ.अ.म., के.रे.बो, काशीपुर रोड, धर्मपुरा, जिला बस्तर-494005
2. तकनीकी सेवा केन्द्र, क्षेत्र. अ.के., के.रे.बो., शिव-पहाड़, दुपका-814101 (बिहार)
3. अनुसंधान विस्तार केन्द्र, के.रे.अ.व. प्र.म., के.रे.बो., महेशपुरराज-816106 (बिहार)
4. क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केन्द्र, पो.ब. न. 9, कोरापुट-764020 (बिहार)
5. तकनीकी सेवा केन्द्र, क्षेत्र. अ.के., के.रे.बो., लोहरदगा-835302 (बिहार)
6. तकनीकी सेवा केन्द्र, क्षेत्र. अ.के., के.रे.बो., पानीटेकनीक रोड, महरसा-852201 (बिहार)
7. अन्तपुर काटन मिल, ताड़पति, (आ.प्र.क.के. एवं माहे), एन. टी. सी., 29/2, के. एच. रोड, शान्ति नगर, बेंगलूर-560027

8. केन्द्रीय रेशम प्रौद्योगिक अनुसंधान संस्थान केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बी.टी.एम. लेआउट मंडीवाला, बंगलूर-560068

9. केरल लक्ष्मी मिल्स, एन.टी.सी. (आ.प्र.क.के. एवं माहे, पुल्लाझी, त्रिचूर, केरल)

10. पी 2 फार्म सह रेशमकीर बीज उत्पादन केन्द्र, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, पो.बा. न. 38, नवसारी-396449 (गुजरात)।

[सं० ई-11016/1/98-हिन्दी]  
चरन दाम, उप सचिव

## MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 21st September, 1998

S.O. 2309.—In pursuance of sub-rule 4 of Rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union), Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices under the Ministry of Textiles whereof more than 80 per cent staff have acquired working knowledge of Hindi :—

1. Demonstration-cum-Training Centre, CSB, Talipur Road, Dharampura, Distt. Bastar-494 005.
2. Technical Service Centre, CSB, Sheopahar, Dumka-814 101 (Bihar).
3. Research Extension Centre, CSB, Mahe-shpurra-816 106 (Bihar).
4. Regional Silk Production, Research Centre P.B. No. 9, Koraput-764 020 (Bihar).
5. Technical Service Centre, CSB, Lohar-dagga (Bihar).
6. Technical Service Centre, CSB, Poly-technic Road, Saharsa-852 201 (Bihar)
7. Anantpur Cotton Mill, Tadipatri (AP-KK&M), N.T.C., 29/2, K.H. Road, Shantinagar, Bangalore-560 027.
8. Central Silk Technology Research Institute, CSB, B.T.M. Layout, Madivala, Bangalore-560 068.
9. Kerala Laxmi Mills, N.T.C. (APKK-&M), Pullajhi, Trichur. Kerala.

10. P2 Form-cum-Silk Warm Seed Production Centre, CSB, P.B. No. 38, Naysari 396 449 (Gujarat).

[No. E-11016/1/98-Hindi]

CHARAN DAS, Dy. Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर 1998

का०आ० 2310.—चलचित्रिकी (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 7 व 8 के साथ पठित चलचित्रिकी अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा उक्त विषय पर पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए, केन्द्र सरकार केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के गुवाहाटी सलाहकार पैनल का पुनर्गठन करती है और उक्त पैनल के सदस्य के रूप में निर्म्मालिखित व्यक्तियों को दो वर्ष की अवधि के लिए अथवा अगले आदेशों तक जो भी पहले हो, तत्काल प्रभाव से नियुक्त करती है :—

1. सुश्री बंती ककाती।
2. डा० (सुश्री) भारती बरुआ।
3. सुश्री विचित्रा कालिता।
4. श्रीमती दीपा दत्ता।
5. श्रीमती हेमराज दिवाकर।
6. सुश्री कल्याणी सिन्हा।
7. श्री एल० टकयोंग कोयक।
8. डा० (श्रीमती) मंजुश्री पाठक।
9. श्रीमती प्रेमलता खण्डेलवाल।
10. सुश्री पुष्पलता बोरडोलोई।
11. डा० (श्रीमती) लिली बर्मन।
12. श्रीमती अंजलि कालिता।

[फा० 809/6/98-एफ० (सी०)]

आई०पी० मिश्रा, डैस्क अधिकारी

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 9th October, 1998

S.O. 2310.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 and in supersession of this Ministry's earlier Notifications on the subject, the Central Government is pleased to reconstitute the Guwahati advisory panel of the Central Board of Film Certification

and to appoint the following persons as members of the said panel with immediate effect for a period of two years or until further orders, whichever is earlier :—

1. Ms. Bantu Kakati
2. Dr. (Ms.) Bharati Bharua
3. Ms. Bichitra Kalita
4. Smt. Dipa Dutta
5. Smt. Hemraj Diwakar
6. Ms. Kalyani Singha
7. Shri L. Takyong Konyak
8. Dr. (Mrs.) Manjushree Pathak
9. Smt. Premalata Khandelwal
10. Ms. Pushpalata Bordoloi
11. Dr. (Mrs.) Lily Barman
12. Mrs. Anjali Kalita

[F. No. 809/6/98-F(C)]  
I. P. MISHRA, Desk Officer

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1998

का०आ० 2311.—चलचित्रिकी (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 7 व 8 के साथ पठित चलचित्रिकी अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए तथा उक्त विषय पर पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए केन्द्र सरकार केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के कलकत्ता सलाहकार पैनल का पुनर्गठन करती है और उक्त पैनल के सदस्य के रूप में निम्नलिखित व्यक्तियों को दो वर्ष की अवधि के लिए अथवा अगले आदेशों तक जो भी पहले हो, तत्काल प्रभाव से नियुक्त करती है :—

1. श्री अशोक मेहरा
2. श्री अरुण गुप्ता
3. डा० वी० एन० मजुमदार
4. सुश्री वैशाली सेन गुप्ता
5. श्री देबाशीष चक्रवर्ती
6. डा० दिलीप कुमार शाह
7. सुश्री ज्योत्सना बासु
8. श्रीमती माला राय
9. श्रीमती नैना दाम
10. श्री प्रमन बनर्जी
11. श्री प्रमन मुखर्जी
12. श्री प्रोबिर मुखर्जी
13. सुश्री पूर्णिमा तुलसीदास

14. श्री मनन कुमार दत्ता
15. सुश्री शीला दत्ता
16. सुश्री सोहना मुंशिब
17. श्रीमती सुप्रिया चटर्जी
18. सुश्री सुष्मिता राय
19. सुश्री नन्दिरा चौधरी
20. सुश्री राखी राय
21. प्रो० शक्ति राय
22. सुश्री गौरी चौधरी
23. सुश्री नील घोष

[फा० सं० 809/8/98-एफ० (सी०)]  
आई०पी० मिश्रा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th October, 1998

S.O. 2311.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 and in supersession of this Ministry's earlier Notifications on the subject, the Central Government is pleased to reconstitute the Calcutta advisory panel of the Central Board of Film Certification and to appoint the following persons as members of the said panel with immediate effect for a period of two years or until further orders, whichever is earlier :—

1. Shri Ashok Mehra
2. Shri Arun Gupta
3. B. N. Mojumdar Dr.
4. Ms. Baishali Sen Gupta
5. Shri Debasis Chakrabarti
6. Dilip Kumar Saha Dr.
7. Ms. Joyeeta Basu
8. Mala Ray Smt.
9. Naina Das Smt.
10. Shri Prasun Banerjee
11. Shri Prasun Mukherjee
12. Shri Probir Mukherjee
13. Ms. Purnima Toolsidas

14. Sh. Sanat Kr. Datta
15. Ms. Shila Dutta
16. Ms. Shona Murshid
17. Supriya Chatterjee Smt.
18. Ms. Sushmita Roy
19. Ms. Nandira Choudhary
20. Ms. Rakhi Roy
21. Prof. Shanti Roy
22. Ms. Gauri Choudhary
23. Ms. Neelu Ghosh

[F. No. 809/8/98-F(C)]

I. P. MISHRA, Desk Officer

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1998

का०आ० 2312.—चलचित्रिकी (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 7 व 8 के साथ पठित चलचित्रिकी अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए तथा उक्त विषय पर पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिग्रहण करते हुए केन्द्र सरकार केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के तिरुवनन्तपुरम सलाहकार पैनल का पुनर्गठन करती है और उक्त पैनल के सदस्य के रूप में निम्नलिखित व्यक्तियों को तत्काल प्रभाव से दो वर्ष की अवधि के लिए अथवा अगले आदेशों तक जो भी पहले हो, नियुक्त करती है :—

1. श्री बाबुराज पी. एस.
2. डा. के. सुकुमारन नायर
3. श्री के.एस. नरसिम्हन
4. श्री एम. बालन
5. श्रीमती प्रमेला गोपालकृष्णन
6. डा. वी. एम. राजलक्ष्मी
7. श्री ए. के. हमीद
8. श्रीमती शान्ता वी. नायर
9. श्रीमती चेचम्मा ईसाक
10. श्रीमती सरह थोमस

11. डा. एन.ए. करीम

12. श्री टी. एन. जयदेवन
13. श्रीमती उषा राजगोपाल
14. श्री पी. रामचन्द्रन नायर
15. एम. एफ. थोमस

[फा. सं० 809/11/98-एफ. (सी)]

श्री. पी. मिश्रा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th October, 1998

S.O. 2312.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952), read with Rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules 1983 and in supersession of all earlier Notifications on the subject, the Central Government is pleased to reconstitute the Thiruvananthapuram advisory panel of the Central Board of Film Certification and to appoint the following persons as members of the said panel with immediate effect for a period of two years or until further orders, whichever is earlier :—

1. Sh. Baburaj P. S.
2. Dr. K. Sukumaran Nair
3. Sh. K. S. Narasimhan
4. Sh. M. Balan
5. Smt. Premela Gopalakrishnan
6. Dr. V. M. Rajalakshmi
7. Sh. A. K. Hameed
8. Smt. Shanta B. Nair
9. Smt. Chechamma Issac
10. Smt. Sarah Thomas
11. Dr. N. A. Karim
12. Sh. T. N. Jayadevan
13. Smt. Usha Rajagopal
14. Sh. P. Ramachandran Nair
15. Sh. M. F. Thomas

[File No. 809/11/98-F(C)]

I. P. MISHRA, Desk Officer

## नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक विवरण मंत्रालय

## भारतीय मानक व्यूरो

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1998

का. आ. 2313:—भारतीय मानक व्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :

## अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस संख्या	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/माह	लाइसेंसधारी का नाम व पता	शीर्षक भारतीय मानक	भारतीय मानक सं./भाग/अनुभाग वर्ष
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	6100337	96/3	सरयण कांटेज इंडस्ट्रीज, 19/1 मेन रोड, बेंकटाचलपुरम, मदुरै 625 011	गैर दाब स्टाव	आईएस 02980 : 86
2.	6098679	96/03	क्रिस्ट केबल्स प्राइवेट लिमिटेड सर्वे नं. 310/ई, एन एच 7, कल्लाकल गांव, तुप्रामंडल, मेडक	पीवीसी रोहित (भारी कार्य) विजर्वा के केबल भाग 1—1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए	आईएस 01554 : 88 भाग 01
3.	6098982	96/03	णारदा एग्री इंजीनियरिंग प्राइवेट 189, प्लासेई लाइन्स, बांपल्ली, हैदराबाद, सिकन्दराबाद 500 011	सामान्य कार्यों के लिए बटर- प्लाई वाल्व	आईएस 13095 : 91
4.	6098780	96/03	टिश्रेवाला इलैक्ट्रोनिक्स लिमिटेड, बी-18, भेल, अकेकलरी इंडस्ट्रियल एस्टेट, रामचन्द्रपुरम, हैदराबाद, हैदराबाद 500 032	पावर तंत्र के लिए जंट संधारित्र	आईएस 02834 : 86
5.	6098881	96/03	श्री बजरंग जूट मिल्स लि., रिंग रोड, गुंटर 522 006	खाद्यान्न पैक करने के लिए पटसन के बोरे—50 किग्रा.	आईएस 12650 : 89
6.	6099479	96/03	वि एल पी एम इंडस्ट्रीज, 1058 मेतूरपलयम रोड, कोयम्बतूर 641 002	कृषि कार्यों के लिए साफ, ठंडे पानी के लिए सोनोमेट पंप	आईएस 09079 : 89
7.	7102346	96/03	एलेमक इंडस्ट्रीज, गोगटवाडी, आरे रोड, गौरेगांव (पू) बम्बई 400 063	घरेलू और समान कार्यों के लिए स्विच	आईएस 03854 : 88
8.	7100342	96/03	इंडियन होम पाइप कं. लि. पीछे रेलवे स्टेशन सिल्क मिल कालोनी, पी. बी. नं. 60, श्रीरंगाबाद	पूर्व प्रचलित कंक्रीट पाइप फिटिंग सहित	आईएस 00784 : 78
9.	7099888	96/03	किसान सीमेंट पाइप्स एण्ड एलायड इंडस्ट्रीज, समीप नागां बागी, डाइवर्शन रोड, धुले	पूर्व कलित कंक्रीट पाइप (प्रचलित सहित और रहित)	आईएस 00458 : 88

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
10.	7100241	96/03	रेनबो पेंटस 27 दि पालघर तालुक, इंडस्ट्रियल को-ऑप एस्टेट लि., जिला-थाणे	सड़कों पर निशान लगाने के लिये तैयार झुदा रोगन	आईएस 000164 : 81
11.	7100039	96/03	साईबाबा सीमेंट प्राइवेट्स बी-27 एमआईडीसी धूमस रोड, चन्द्रापुर	पूर्वकृत कंक्रीट पाइप ( प्रचलन सहित और रहित )	आईएस 00458 : 88
12.	7102952	96/03	मार्को केबल्स प्रा. लि. प्लॉट नं. ए-55-56 एसटीआईसीई, सिन्नर-सिरडी रोड, जिला नासिक-422 103	हस्त चालित चारा काटने की मशीन	आईएस 07898 : 81 भाग 01
13.	7102750	96/03	बड़ोदा सर्जिकल्स 242/19 जीआईडीसी बघोडिया, जिला बड़ोदा-391 760	हथकरघे की बनी अवशोषी अनि- जमिदूत सूती गांज	आईएस 00758 : 88
14.	7102649	96/03	मुदर्शन पाइप्स दन्तली इंडस्ट्रियल एरिया, प्लॉट नं. 190 गोटा बडसर एप्स रोड, तालुक कलोल जिला मेहसाणा-382 481	एम्बेस्टॉस सीमेंट के दाब पाइप	आईएस 01592 : 89
15.	7102851	91/03	बड़ोदा सर्जिकल्स 242/19 जीआईडीसी बघोडिया जिला बड़ोदा-391 760	हथकरघे का सूती निर्जमिन पट्टी कपड़ा	आईएस 00863 : 88
16.	7101748	96/03	क्रिसल प्लारिक्स प्रा. लि. नवगाम ( वामनबोर ) जिला मुन्स्वरनगर	मिचवाई उपस्कार	आईएस 12786 : 89
17.	8129876	96/03	विजय सोलवेक्स लिमिटेड ग्रोलंड इंडस्ट्रियल एरिया इटारना रोड अनवर-301 001	वनस्पति	आईएस 10633 : 86
18.	8130457	96/03	सकम्बारी सीमेंट्स ( प्रा ) लि. हमीरी सोनासर रोड गांव हमीरी जिला झुनखन ( राज )	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
19.	9109875	96/03	अल्का इंडस्ट्रीज 70 गुलाब नगर पीछे : इंडस्ट्रियल एस्टेट जालंधर ( पंजाब )-144 004	जलकल प्रयोजनों के लिए ताम्बा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और चेक वाल्व	आईएस 00778 : 84
20.	9110153	96/03	अम्बिका मेटल वर्क्स ( रजि. ) हरगोबिन्द नगर संत दास मेटल के पीछे जी टी रोड बार्डपास जालंधर ( पंजाब )-144 004	जलकल प्रयोजनों के लिए ताम्बा मिश्रधातु के गेट, ग्लोब और चेक वाल्व	आईएस 00778 : 84

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
21.	9111458	96/03	डायमण्ड स्टील रोलिंग मिल्स जी. टी. रोड, (खन्ना साइड) जिला फतेहगढ़ साहिब, मण्डी गोविन्दगढ़ (पंजाब)	कंक्र्रीट प्रबलन के लिए उच्च सामर्थ्य विन्धपित इस्पात सरिए और तार	आईएस 01786 : 85
22.	9110860	96/03	फंगीसाइड्स (इंडिया) लि., सिडको इंड. काम्प्लेक्स, रोड नं. 4, फेज 2, बारी ब्राह्मण, जम्मू (जे. एवं क. )	आईसोप्रोटेरीन डबल्यु पी	आईएस 11995 : 87
23.	9110456	96/03	गोबिन्द रबड़ लिमिटेड, गांव एवं पोस्ट जुगियाना, जिला लुधियाना, लुधियाना	साइकिल तथा रिक्शा-हवा भरे टायर की विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस 02414:91
24.	9109976	96/03	हर्ष वाल्स लाडोवाली रोड, जालंधर शहर (पंजाब)	जलकल प्रयोजनों के लिए ताम्बा मिश्रधातु के गेट, ग्लोब और चेक वाल्व	आईएस 00778 : 84
25.	9109774	96/03	इंटरनेशनल एक्सपोर्ट्स बाईपास रोड, जालंधर (पंजाब)	धातुवर्धन ठलवां लोहे के पाइप फिटिंग की विशिष्ट	आईएस 01879 : 87
26.	9109673	96/03	जुपिटर मेटल इंड. बी-22, फोकल प्वाइंट एक्सलें जालंधर शहर 144004	धातुवर्धन ठलवां लोहे के पाइप फिटिंग की विशिष्ट	आईएस 01879 : 87
27.	9111862	96/03	करम स्टील कारपोरेशन, नसराली रोड, जिला फतेहगढ़ साहिब, मंडी गोविन्दगढ़ (पंजाब)	सामान्य संरचना इस्पात	आई एस 02062 : 92
28.	9109168	96/03	नव ज्योति कैमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स गांव <del>फतेहपुर</del> मंटियाला रोड, पोस्ट बाक्स नं. 3, सामना-147101	जिक सल्फेट, कृषि ग्रेड	आईएस 08249 : 76
29.	9109572	96/03	रायजो प्लास्टो प्रा. लि., 22 किमी. पट्यार, हिसार-दिल्ली रोड, जिला हिसार, हन्सी (हरियाणा)	पेयजल आपूर्ति के लिए गैर- प्लास्टिक पीवीसी पाइप	आईएस 04985 : 88
30.	9112258	96/03	जेम <del>प्रो</del> प्राइसेज, 25/ <del>मंडी</del> एरिया, फेज 2, चंडीगढ़	250 वोल्ट तक की रेडित वोल्टता और 15 एम्पीयर तक की रेडित धारा के लिए प्लग साकेट आउटलेट	आईएस 01293 : 88
31.	9110961	96/03	फंगीसाइड्स (इंडिया) लि., सिडको इंड. काम्प्लेक्स, रोड नं. 4, फेज 2, बारीब्राह्मण, जम्मू, (जम्मू कश्मीर)	ब्यूटाक्लीर पायसनीय सांद्रण	आईएस 09356 : 80



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
32.	9111054	96/03	फंजीसाइड्स (इंडिया) लि., सिडको इंड. काम्प्लेक्स, रोड नं. 4, फेज 2, बारी ब्राह्मण, जम्मू, (जम्मू-कश्मीर)	फाउंड्रियों में शील प्रक्रमों में प्रयोग के लिए द्रव रेजिन	आईएस 08246: 91
33.	9111559	96/03	गुरदीप सिंह अचतार सिंह, गांव एवं पोस्ट मेहर मंडी, रेलवे स्टेशन, जंडियाला, जिला अमृतसर 143105	पावर थ्रेशर की सुरक्षा अपेक्षाएं	आईएस 09020: 79
34.	9109067	96/03	इंडियन सीमेंट इंड.; माहून रोड, जिला सिरमौर कला अम्ब-173001	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112: 89
35.	9109370	96/03	पंजाब पैस्टीसाइड्स इंड. को.-आप सोमाइटी प्रा.लि., गांव खानपुर, तहसील बराड़-140301	कीट नाशक-फोरेट जी संपुटित	आईएस 09350: 80
36.	9110254	96/03	रेडिएंट सीमेंट कं. (प्रा.) लि. गांव मगिनान्द पोस्ट कला अम्ब, जिला सिरमौर	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112: 89
37.	9111963	96/03	सिंगर इंडिया लिमिटेड, लेन नं. 4, सिडको इंड. काम्प्लेक्स, बारी ब्राह्मण-181133	घरेलू सिलाई मशीन—सामान्य अपेक्षाएं	आईएस 01610: 89
38.	9108873	96/03	एस के आयरन फाउंड्री एण्ड इंजी. कं., यूनिट 2, 11/115 ए, रामबाग	जल गैस सीवर के लिए क्षैतिज ढक्के लोहे के दोहरे प्लैज- युक्त पाइप	आईएस 07181: 86
39.	5057660	96/03	मै. अस्तरमन (इंडिया) प्रा. लि. गांव न्यू कोलोरा, एनएच-6, पी.ओ. न्यू कोलोरा, हावड़ा	औद्योगिक बिटुमेन	आईएस 00702: 83
40.	5057357	96/03	मै. मित्रा केमिकल्स, 1/1 एन एस रोड, पी.ओ. मलांचा, महिनागोर, 24 परगना (द.) यूनिट 2	फिनोलिक टाइप रोगाणुनाशो प्रवाह	आईएस 01061: 82
41.	5059563	96/03	मै. पुरलिया सीमेंट प्रा. लि. बिलकोवस रोड, भिमुलिया, पहलिया, पश्चिम बंगाल	पोर्टलैंड स्लेज सीमेंट	आईएस 00455: 89
42.	5059567	96/03	बज बज कंपनी लि., 64 मौलाना आज़ाद रोड, बज बज, 24 परगना	खाद्यान्न पैक करने के लिए पटसन के बोरे—50 किशा.	आईएस 12650: 89
43.	5059664	96/03	बनगौर जूट फैब्रिकरी कं. लि., 284, महाराज नन्द कुमार रोड, कलकत्ता 700 035	ए-टिबल पटसन के बोरे	आईएस 01943: 64

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
44.	5059866	96/03	उलहोषी जूट कं. लि., पी. ओ. वैद्यबाबती, जिला हुगली	खाद्यान्न पैक करने के लिए पटसन के बोरे—50 किघा.	आईएस 12650 : 89
45.	5060245	96/03	नीता इंडस्ट्रीज, 48, एसएन राय रोड, कलकत्ता 700 038	भारी दरवाजों के लिए (द्रव वाहित) नियंत्रित फर्ण कमानियां	आईएस 06315 : 92
46.	5058258	86/03	साम्बुखर जूट फैक्टरी कं. लि., भद्रेश्वर 712 124 जिला हुगली	खाद्यान्न पैक करने के लिए पटसन के बोरे—50 किघा.	आईएस 12650 : 89
47.	6100640	96/03	एलजी पॉलीटेक्स लि., बेसमपलायम, अरासूर पोस्ट कोयम्बतूर 641 407	सिचाई उपकरण छानक टायप फिल्टर	आईएस 12785 : 89
48.	6101137	86/03	प्रिमियर इंडस्ट्रीज, 1145 ए, त्रिने रोड, सिंगानातलूर कोयम्बतूर 641 005	जैट अपेक्रेन्नीय पेय सम्मिलित	आईएस 12225 : 87
49.	6101945	96/03	श्री कृष्णा वनस्पति प्राइवेट्स 45/ए, भवानी रोड, इरोड 638 005	वनस्पति पैकिंग के लिए नम्य पैकेजिंग सामग्रियां	आईएस 11352 : 85
50.	7102548	96/03	अरिहन्त इंडस्ट्रीज, सी-84, एमआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया, हिंगना रोड, नागपुर 440 028	बलोरीन की गोलियां	आईएस 09825 : 83
51.	7103752	96/03	अश्रवाव वैनेजिंग प्रा. लि., खराबवाडी नं. 2791 एवं 2792 चकन ताल खेड, पूर्व जिला 410 581	बन्द सिरे वाले बड़े क्रम भाग 2 ग्रेड बी क्रम	आईएस 01793 : 93 भाग 02
52.	7099787	96/03	भिन्ये ब्राँवर्स डब्ल्यू—82/ए समीप सीसीएल एमआईडीसी, सतपुर, नासिक—422 007	सिचाई उपकरण ( सज्जन )	आईएस 13487 : 82
53.	7103348	96/03	गंगामाई पाइप फैक्टरी गाट नं. 274, बम्बई आगरा रोड, एट पोस्ट नागांन धूले	पूर्ववर्तित कच्चीट पाइप ( प्रजनन सहित और रहित)	आईएस 00458 : 88
54.	7103550	96/03	प्रिमियर कोटिंग्स 121 बार्निट इंडस्ट्रियल एस्टेट, एस एन रोड, मुलन्द ( प. ) बम्बई 400 080	पिटवां एस्टीमियम के वर्तन	आईएस 01660 : 82 भाग 01
55.	7100948	96/03	रॉयल केबल्स इंडस्ट्रीज, डब्ल्यू-107, एमआईडीसी इलेक्ट्रॉनिक ज़ोन, हिंगना रोड, नागपुर 440 016	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए पीवीसी रोहित केबल	आईएस 00694 : 90
56.	7103954	96/03	आहू प्राउपटस, गली नं. 3, स्टैंडर्ड इंड. एस्टेट, बी. पी. आँस रोड, भयेंद्र ( पू. ) बाण	तेलदाब स्टोव और तेलदाब हीटर के वर्नर	आईएस 08808 : 86

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
57.	7102254	96/03	श्री वैष्णव इस्पात प्राइवेट लिमिटेड, कंस्ट्रिक्ट प्रबलन के लिए उच्च ग्राट नं. 352, 355 एवं 353 श्री. भार पटिलाइजर्स रोड, बगुल खोडवाली, तालुक बाहा थाणे	सामर्थ्य इस्पात के सरिये और तार	आईएस 01786 : 85
58.	7101244	96/03	वसन्त सीमेंट पाईप इंड. सी-8, एमआईडीसी ब्लॉक मिराज 416 410	पूर्ववर्तित कंस्ट्रिक्ट पाइप ( प्रबलन सहित और रहित )	आईएस 00458 : 88
59.	7102043	96/03	बामदेवडिया इंडी. लि., प्लॉट नं. सी-4 4230 टीटीसी इंड. एरिया, एमआईडीसी टर्म न्यू बम्बई 400 613	जिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एन्यूमीनियम के चालक भाग 4	आईएस 00398 : 76 भाग 04
60.	7101849	96/03	बोना इंडस्ट्रीज, 20-21, नीरज इंडस्ट्रियल एस्टेट, महोबाली गुफा रोड, बम्बई 400 093	सीलिंग रोज़	आईएस 00317 : 79
61.	7102144	96/03	फुलेग इंडिया प्राइवेट 9, स्टीलमेड इंडस्ट्रियल एस्टेट, मरोल, अधेरी ( पु ) बम्बई 400 059	250 बोल्ड तक की रेटिन बोल्डता और 16 एम्पीयर तक की रेटिन धारा के लिए प्लग साफ्ट आउटलेट	आईएस 01293 : 88
62.	7099989	96/03	माणिकगढ़ सीमेंट पी. ओ. गढ़चिखर 442 008 जिला चन्द्रपुर	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 00269 : 89
63.	7103651	96/03	महाराष्ट्रा इंसेक्टीसाइड लि. पेस्टीसाइड्स फार्मलेशन प्लांट, प्लाट नं. सी-4 एमआईडीसी एरिया शिवाजी अकोला	मैलाधियान पायसनीय मांद्र	आईएस 02567 : 78
64.	7103449	96/03	महाराणी स्पन पाइप्स गांव पूर्वा पोस्ट नागरी जिला गढ़चिखर	पूर्ववर्तित कंस्ट्रिक्ट पाइप ( प्रबलन सहित और रहित )	आईएस 00458 : 88
65.	7100645	96/03	रैनबो पेंट्स 27 दि पालघर तालुक इंडस्ट्रियल का-आप इस्टेट लि., पालघर तालुक थाणे जिला 401 404	भवनों के बाहर प्रयोग के लिए इन्नेमल : (क) अथः लेपन (ख) फिनिशिंग हेतु	आईएस 02933 : 75
66.	7100740	96/03	रैनबो पेंट्स 27 दि पालघर तालुक इंडस्ट्रियल का-आप इस्टेट लि., पालघर तालुक थाणे जिला 401 404	इन्नेमल संश्लिष्ट, बाहरी (क) अथः लेपन (ख) परि- सज्जा	आईएस 02932 : 74
67.	7100544	95/03	उज्जवल इस्पात प्रा. लि., सी-8, एमआईडीसी हिंगना, नागपुर 440 016	कंस्ट्रिक्ट प्रबलन के लिए उच्च सामर्थ्य विन्धपित इस्पात के सरिये और तार	आईएस 01786 : 85

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
68.	7103247	96/03	वई रंगवे इंजी वारपो , डब्बस 5, एमआईडीसी एरिया, नागपुर 440 018	पीवीसी रोधित (भारी कायं ) बिजली की केबल भाग 1 1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए	आईएस 01554 : 88
69.	7101243	96/03	ब्लाजोप्लास्ट प्रा. लि., ब्लॉक नं. 84, प्लॉट नं. 85-86, आकाश इंडस्ट्रियल एस्टेट, गांव मोटा, बोसारा ताल, मंगरोल, जिला सूरत 394,110	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए पीवीसी रोधित केबल	आईएस 00694 : 80
70.	7103146	96/03	चेम्पीयन सीमेट इंडस्ट्रीज, एन एच 8--ए, गांव धवा, तालुक बन्कानेर, जिला राजकोट 363 621	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेट	आईएस 08112 : 89
71.	7101950	96/03	एसआर इंजीनियरिंग, प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. 29, जीआईडीसी इंड. एस्टेट, वाधोडिया, जिला बड़ोदा 390 000	पूर्व प्रतिबलित बंकीट के निम्न बिना निम्न प्रतिबल मुक्त	आईएस 06006 : 83
72.	7103853	96/03	गुजरात राज प्लास्ट प्रा. लि., 119-121 महालक्ष्मी इंड. एस्टेट, विरामगाम हाइवे गांव डयावा, तह सानन्द, जिला अहमदाबाद	पेयजल आपूर्ति के लिए गैर- प्लास्टिक पीवीसी पाइप	आईएस 04995 : 88
73.	7102447	96/03	जामनगर टिन फैक्टरी, प्लॉट नं. बी/32, शंकर तेलारी, उद्योग नगर पी. बी. नं. 627 जामनगर 361 004	गैरदाख स्टोव	आईएस 02980 : 86
74.	7101647	96/03	रेमण्ड केबल्स इंडस्ट्रीज, 6 गोटेस्वर महादेव नगर, सम्मुख गोटा रेलवे आसिस गोटा, अहमदाबाद 382 481	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए पीवीसी रोधित केबल	आईएस 00694 : 90
75.	7101142	96/03	वरटेज केमिकल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, 190 जीआईडीसी, जिला, भावनगर, 364 004	फिनोलिक टाइप रोगाणु नाशो प्रवाह	आईएस 01061 : 82
76.	7100847	96/03	भारत एल्युमीनियम कारपो. स्टेशन रोड, वटवा, 382 440 जिला अहमदाबाद	शिरोपरि प्रयोजन कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक	आईएस 00398 : 76 भाग 01
77.	7100443	96/03	जिगसन इंजीनियर्स प्रा. लि., एब्राहम गांव, आफ नेशनल हाईवे नं. 8, बलसाड, गुजरात	द्रवित पेट्रोलियम गैसों के साथ प्रयुक्त घरेलू गैस चूल्हे	आई एस 04246 : 92
78.	7103045	96/03	मेहसाणा जिला को-ऑपरेटिव मिल्क प्रॉड्यूसर्स यूनियन, सुधसागर डेयरी, स्टेट हाईवे, मेहसाणा (एम जी) 384002	मीठी पैस्ट्री का मलाई रहित दूध पाउडर	आई एस 12299 : 88

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
79.	7100140	96/03	पारिख केबल्स एण्ड कंडक्टर्स ए-1/171, जी आई डी सी अंकलेश्वर-393002	दूध पाउडर	आई एस 01165 : 92
80.	7101445	96/03	विजय ट्रेडिंग कं., सी-26-27, एम पी शाह म्युनिसिपल उद्योग नगर, जामनगर-361002	चीकोर कनस्तर-15 किग्रा. घी वनस्पति खाद्य तेलों और बेवरी भोजन के लिये	आई एस 10325 : 89
81.	7101546	96/03	विजय ट्रेडिंग कं., सी-26-27, एम पी शाह म्युनिसिपल उद्योग नगर, जामनगर-361002	चीकोर कनस्तर-18 लिटर	आई एस 00916 : 89
82.	8132057	96/03	साया इलेक्ट्रोनिक्स खसरा नं. 215, 216/7 प्लॉट नं. 681 (समीप रानीखेड़ा) गांव मुण्डका, दिल्ली-110041	एक फेज लघु ए.सी. और साविक बिजली की मोटर	आई एस 00996 : 79
83.	81300558	96/03	जीन इंडस्ट्री गली नं. 9, प्लॉट नं. 11, समयपुर दिल्ली-110042	द्रवित पेट्रोलियम गैसों के साथ प्रयुक्त घरेलू गैस चूल्हे	आई एस 04246 : 92
84.	8131964	96/03	के ई आई इंडस्ट्रीज, यूनिट नं. 2, एफ-4 ओखला इंड एरिया, फेस 1, नई दिल्ली-110020	अनुप्रस्थ जुड़े हुए पालीइथाइलीन विद्युत्तरोध ताप स्थायी ढके केबल, भाग 1	आई एस 07098 : 88 भाग 01
85.	8130760	96/03	मेश इंडस्ट्रीज, डब्ल्यू जैड 161 बी, गांव वसधरा, पोस्ट पूसा, नई दिल्ली-110012	द्रवित पेट्रोलियम गैसों के साथ प्रयुक्त घरेलू गैस चूल्हे	आई एस 04246 : 92
86.	8130962	96/03	बोल्गा इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, 289 धीरपुर, निरंकारी कालोनी, दिल्ली-110009	खनिज भरे खोलदार तापन एलीमेंट	आई एस 04159 : 83
87.	8129573	96/03	मेजिक फूड्स कं. लि., 42/39 साईट 4 इंडस्ट्रियल एरिया, साहिबाबाद, गाजियाबाद	संश्लिष्ट खाद्य रंग--- निमित्तियां और मिश्रण	आई एस 05346 : 75
88.	9110557	96/03	स्वदेशी इंटरप्राइस एण्ड कौमीकल इंडस्ट्रीज, 111/108 ए, पोखरपुर, कानपुर	मैलाशियान भुरकन चूर्ण	आई एस 02568 : 78
89.	9108772	96/03	परशुराम सीमेंट लिमिटेड, छठा मील पत्थर, परशुराम पुरम, नादरई, कासगंज, एटा	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
90.	6101339	96/03	फैब्रिलस फैब्रि प्रा. लि., एस नं. 162/10, 165/6-ए, मनजस्कारनई गांव, उधूकोट्टाई तालुक, चेंगई, एम जी आर जिला-601102	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
91.	6102038	96/03	ललिताम्बिगई मैच इंड. एस. नं. 1114 48, बडापसी गांव, विरुदुनगर तालुक	डिब्बीबन्द निरोपद दियासलाई	आई एस 02653 : 93
92.	6102139	96/03	विनस फूड कलर्स एण्ड केमिकल्स प्लाट नं. 145, परलावन नगर, नेरकुन्द्रम, मद्रास-600107	संश्लिष्ट खाद्य रंग- निमित्तियां और मिश्रण	आई एस 05346 : 75
93	6100539	96/03	एल्मिन इलेक्ट्रोड्स प्रा. लि., 118, सिङ्को इंड. एस्टेट, अम्मातूर, मद्रास-600098	हस्त्यधातु आर्क बैल्डिंग के लिये आवृत्त कार्बन और कार्बन- मीग्नीज इस्पात इलेक्ट्रोड	आई एस 00814 : 91
94	6101036	96/03	एस बी. एस. ऑयल मिल्स 8/12, तिरुवुट्टियूर हाई रोड, तमिलनाडु, मद्रास-600019	वनस्पति पैकिंग के लिये नम्य पैकेज सामग्री	आई एस 11352 : 85
95.	6101541	96/03	टूटीकोरिन अल्काली कैमीकल्स एण्ड हारबर कंस्ट्रक्शन रोड, टूटीकोरिन-623005	क्लोरापाईरीफॉस पायसनीय सांद्र	आई एस 08914 : 73
96.	6100438	96/03	त्रिवेणी एलायस लि., ए-14 एवं बी-71, सिपकोट इंड. काम्प्लेक्स, गुम्मीडिपोंडी 601201	सामान्य संरचना इस्पात	आई एस 02062 : 92
97.	6101440	96/03	सीएसएस इलेक्ट्रिकल्स प्रा. लि., 97, जेसी इंड. एस्टेट, कनकपुरा रोड बंगलौर-560062	खनिज भरे खोलदार तापन एलीमेंट	आई एस 04159 : 83
98.	6102846	96/03	एचएम पी सीमेंट लि., शाहबाब सीमेंट वर्क्स शाहबाद, गुलबर्गा जिला- 585229	सल्फेट प्रतिरोधी पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 12330 : 88
99.	6100943	96/03	विजया इंजी. वर्क्स बी.एम शंकरप्पा इंड. एस्टेट, सनकाडाकट्टी, विश्वनिधान पोस्ट, मगदी मेन रोड, बंगलौर-560041	ठोस जैवभार चूल्हा भाग 1 सुवाहा (धात्विक)	आई एस 13152 : 91 भाग 01
100.	6100842	96/03	फाइनलकोर केबल्स (प्रा.) लि., पीबीसी रोडित (भारीकार्य) विजली की केबल भाग 1 1100 वोल्ट तक की कार्यकारी बोल्टता के लिए		आई एस 1554 : 91 भाग 1
101.	6101238	96/03	कृष्णक कास्टिंग्स सी-184, पीन्या इंड. एस्टेट, सेकेण्ड स्टेज, बंगलौर-560058	सिंचाई उपस्कर छानक टाइप फिल्टर	आई एस 12785 : 89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
102.	6102341	96/03	श्री राजलक्ष्मी पुलवराइजर्स रेडलाकुन्ता गांव, कोड्ड तालुक नलगोंडा जिला-508206	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
103.	6101743	96/03	हिन्दुस्तान एंटीपेस्ट्स प्रा. लि., 165 एवं 166 आईडीए, फेस 5, जीडिमेतला, हैदराबाद-500855	ब्यूटाक्लोर पायसनीय सांद्र	आई एस 09356 : 80
104.	6101642	96/03	श्री विष्णु सीमेंट लिमिटेड, सीतापुरम पोस्ट, डोडापाडु तालुक कोड्ड, जिला नलगोंडा	पोर्टलैंड पोझोलाना सीमेंट भाग 1 फ्लाइएश आधारित	आई एस 01489 : 91 भाग 01
105.	6103242	96/03	साउथ इंडिया वायर रोप्स लि., पी.ओ. इडाथला, एल्बय-683561	लिफ्ट उत्पादकों और हायस्ट के लिये इस्पात के तारों की निलमन रस्सी	आई एस 02365 : 77
106.	6102442	96/03	फ्लोटेक पाइप्स प्रा. लि., एसएफ 178/3, कोयम्बतूर मेन रोड, नाम्बियूर, गोबिचेत्तीपलायम तालुक, पेरियार जिला	पेयजल आपूर्ति के लिये गैर- प्लास्टिक पीवीसी पाइप	आई एस 04985 : 88
107.	6101844	96/03	एन्डावर इंजी. वर्क्स, 35-36 चेयूर रोड अवनानी, अवनानी, तमिलनाडु-638654	कृषि अनुप्रयोग के लिये अपकेंद्री	आई एस 07538 : 75
108.	8132259	96/03	गौतम पम्पस प्लॉट नं. 8, सैक्टर डी 2, संवर रोड इंड. एरिया इन्दौर-452003	गहराई से पानी निकालने के हथवर में	आई एस 09301 : 90
109.	8132865	96/03	राज सोल्वेक्स लिमिटेड, 4, मत्स्य इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर-301030	वनस्पति पैकिंग के लिये नम्य पैकेज सामग्री	आई एस 11352 : 85
110.	8132663	96/03	बसेरा सीमेंट्स प्रा. लि., एफ-8 से एफ-13, रिको इंड. एरिया, श्री माधोपुर (राजस्थान) 332715	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
111.	8132461	96/03	बभ्दा सीमेंट (प्रा.) लिमिटेड जी-59 से 63, रिको इंडस्ट्रियल एरिया, सृजानगढ़-331507	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
112.	8131055	96/03	बिनार सीमेंट्स लिमिटेड, गांव बरबा, पोस्ट परसरामपुरा, तहसील बैबालगढ़, जिला मुनमुनू राजस्थान	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
113.	8132764	96/03	कुबेर सीमेंट्स प्रा. लि., जी आई-44 से 49, रिको इंड. एरिया, रतनगढ़, जिला चुरू (राजस्थान)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
114	9110052	96/03	ग्रम्बिका वाल्व्स प्रा. लि., सोडल रोड, इंड. एरिया, जालंधर शहर (पंजाब) 144004	जलकल प्रयोजनों के लिये साम्बा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और श्वेक वाल्व	आईएस 00778 : 84
115	9110759	96/03	बंसल इंटरप्राइसेज, पीएनबी कम्पाउंड, गांधी मार्ग, अम्बाला शहर (हरियाणा) 134002	बिजली के पानी गर्म करने के भंडारण क्लिप के स्थिर हीटर	आईएस 02082 : 93
116	9112157	96/03	हरनाम मिल्कफूड्स लि., जिला पटियाला, तह : सामना गांव रेतगढ़ (पंजाब)	मलाई सहित दूध पाउडर भाग 2 अतिरिक्त ग्रेड	आईएस 13334 : 92 भाग 02
117	9111357	96/03	मार्केट एग्रो केमीकल्स 7 एवं 8 बी इंडस्ट्रियल एस्टेट, सास नगर 160051	क्लोरोपाइरीफॉस पायसनीय सांद्र	आईएस 08944 : 78
118	9110355	96/03	न्यू कश्मीर स्टील रोलिंग मिल्स न्यू इंडस्ट्रियल एस्टेट, गंजियाल, जम्मू तबी	कंक्रीट प्रबलन के लिए उच्च सामर्थ्य बिन्धपित इस्पात के सरिए और तार	आईएम 01786 : 85
119	8132360	96/03	जे मिनी स्विग मशीन कं. (प्रा.) लि., 9, एसएसआई इंडस्ट्रियल एस्टेट, जी. टी. करनाल रोड, नई दिल्ली 110033	घरेलू सिलाई मशीन—सामान्य अपेक्षाएं	आईएस 01610 : 89
120	8131661	96/03	ग्लोस्सी कलर एण्ड पेंट्स (प्रा) लि., 50 ए एवं बी शिवानी मार्ग, इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली 110015	तैयार मिश्रित रोगन, ब्रशिंग, बिटुमनी काला सीसा मुक्त, अम्ल, क्षार और ताप प्रतिरोधन (तीसरा पुनरीक्षण) (संशोधन संख्या 1)	आईएस 00158 : 81
121	8131762	96/03	पुरीसंस इंजीनियर्स प्रा. लि., —2, जोरबाग मार्केट, नई दिल्ली 110003	कक्ष वातानुकूलक भाग 1 ऐकिक वातानुकूलक	आईएस 01391 : 92 भाग 01
122	8132158	96/03	शिवा टाइल्स एण्ड मार्बल्स कं. प्लॉट नं. 1 गली नं. 4, बुरारी रोड, सरूप नगर, दिल्ली 110042	चकोर दार सीमेंट कंक्रीट टाइलें	आईएस 13801 : 93
123	8131560	96/03	एम. टी. इंडस्ट्रीज, सी—40, डीडीए शेड, आंखला इंड. एरिया, फेस I नई दिल्ली 110020	द्रवित पेट्रोलियम गैसों के साथ प्रयुक्त घरेलू गैस चूल्हे	आईएस 04246 : 92
124	8132562	96/03	तिरुपति सीमेंट्स (प्रा) लि. ई—37, रिको इंड. एरिया, बेहरोड (जिला अलवर) 301701	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
125	9111256	96/03	मार्केट एग्रो केमीकल्स 7 एवं 8 बी इंडस्ट्रियल एस्टेट, सास नगर 160 051	गामा—बी एच सी (लिडेन) पायसनीय सांद्र	आईएस 00632 : 78



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
126.	9110658	96/03	डेल्टा इलेक्ट्रोड्स प्रा. लि., प्लॉट नं. 169 एवं 182, महाराजपुर, चौबेपुर, कानपुर देहात	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 00269 : 89
127.	9108065	96/03	गुप्ता एग्रो फील्ड राजपुर चुंगी, समीप राजेश्वर मंदिर, शमशाबाद रोड, आगरा आगरा 282 001	पावर थ्रेशर की सुरक्षा अपेक्षाएं	आईएस 09020 : 79
128.	5059361	96/03	दि आसाम को-ऑपरेटिव जूट मिल्स लि., पी. ओ. सिलवाट 782 143 जिला निबंग, आसाम	खाद्यान्न पैक करने के लिए पटसन के बोरे—50 किग्रा.	आईएस 12650 : 89
129.	5059462	96/03	अगरपाड़ा कं. लि., कमारहट्टी, कलकत्ता 700 058	खाद्यान्न पैक करने के लिए पटसन के बोरे—50 किग्रा.	आईएस 12650 : 89
130.	5057559	96/03	एल्लायन्स मिल्स (प्रा.) लि., जगतदल, 24 परगना	खाद्यान्न पैक करने के लिए पटसन के बोरे—50 किग्रा.	आईएस 12650 : 89
131.	5060144	96/03	फेल्कॉन ट्यूब्स प्रा. लि., खप्परैल रोड, पोस्ट न्यू चम्पटा जिला दार्जिलिंग	पेयजल आपूर्ति के लिए सीवरचित पीवीसी फिटिंग की विशिष्टि भाग 2 सर्किट हेतु विशिष्टि अपेक्षाएं	आईएस 10124 : 88 भाग 02
132.	5059765	96/03	हाल्मार्क इंडस्ट्रीज, 23/32, चांदीतोला मेन रोड, कलकत्ता 700 053	सिंचाई तंत्र के छिड़काव यन्त्र के लिये पॉलीइथाइलीन पाइप	आईएस 14151 : 94 भाग 01
133.	5057862	96/03	हावड़ा मिल्स कं. लि., 493/सी. जी. टी. रोड (द.) हावड़ा	खाद्यान्न पैक करने के लिए पटसन के बोरे—50 कि. ग्रा.	आईएस 12650 : 89
134.	5060043	96/03	नेशनल जूट (यूनिट शार्दा) पी. ओ. तितागढ़ 743 188 24 परगना	खाद्यान्न पैक करने के लिए पटसन के बोरे—50 किग्रा.	आईएस 12650 : 89
135.	5057963	96/03	नेशनल जूट मैन्युफैक्चर्स कारपो. पी. ओ. सन्तायल राजगंज, जिला हावड़ा	खाद्यान्न पैक करने के लिए पटसन के बोरे—50 किग्रा.	आईएस 12650 : 89
136.	5059260	96/03	एनजेएमसी (यूनिट एलेक्जेंडर) पी. ओ. जगतदल 743 125 जिला 24 परगना	खाद्यान्न पैक करने के लिए पटसन के बोरे—50 किग्रा.	आईएस 12650 : 89
137.	5057761	96/03	नीजोन ट्यूब्स लिमिटेड, पश्चिम बोरगांव, पी. ओ. गोदानगर, नेशनल हाइवे—37, गुवाहाटी 781 012	यांत्रिक और सामान्य प्रयोजनों के लिये इस्पात के पाइप	आईएस 03601 : 84
138.	5058460	96/03	प्रबर्तक जूट मिल्स लि., कमारहट्टी, बी टी रोड, 24 परगना कलकत्ता 700 058	खाद्यान्न पैक करने के लिए पटसन के बोरे—50 कि.ग्रा.	आईएस 12650 : 89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
139.	5058157	96/03	रिलायंस जूट एण्ड इंडस्ट्रीज लि., कोकोनाड़ा, पोस्ट भटपाड़ा 24-परगना	खाद्यान्न पैक करने के लिए पटसन के बोरे—50 किग्रा.	आईएस 12650 : 89
140.	5058359	96/03	समनुगूर जूट फैक्टरी कं. लि., भद्रेश्वर 712 124 जिला हुगली	खाद्यान्न पैक करने के लिए पटसन के बोरे—50 किग्रा.	आईएस 12650 : 89
141.	5059058	96/03	हैदराबाद इंडस्ट्रीज लिमिटेड इंडस्ट्रियल एरिया, जसिडी, देवगढ़-814 142	एस्बेस्टॉस सीमेंट की नालीदार और अर्धनालीदार सीमेंट की चद्दरे—विशिष्ट	आईएस 00459 : 92
142.	5059159	96/03	कनैया कास्टिंग्स प्रा. लि., इंडस्ट्रियल एरिया, पटना 800 013	गहराई से पानी निकालने के हथ बर में घटक-डलवां लोहे के	आईएस 14101 : 94
143.	5057458	96/03	कल्यानपुर लाइम एंड सीमेंट वर्क्स लि., पोस्ट बन्जारी, जिला रोहतास	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
144.	5058965	96/03	कृष्ण। पेंटस एण्ड केमीकल्स कं., भुली रोड, ( वसईपुर ) धनबाद	इनैमल मंशिलिष्ट, बाहरी (क) अक्ष : लेपन, (ख) परिसज्जा	आईएस 02932 : 74
145.	5058561	96/03	रामा बुड एण्ड जनरल इंड. लि. फैस 3, इंड. एरिया, फतवा, फतवा 803 206	सामान्य प्रयोजनों के लिए प्लाई	आईएस 00303 : 89
146.	7101041	96/03	बायर ( इंडिया ) लि., प्लॉट नं. 67 से 76, डीआईडीसी एस्टेट, हिम्मत नगर, जिला साबरकनथा-383 001	मिथाइल पैराथियान पायसनीय सांद्रण	आईएस 02865 : 78
147.	8131358	96/03	किंगस्टन होम एप्लायंसेस बी—59 मायापुरी इंड. एरिया फैस 1, नई दिल्ली-110 064	बिजली के पानी गर्म करने के भंडारण किस्म के स्थिर हीटर	आईएस 02082 : 93
148.	8131459	96/03	भार बी इंडस्ट्रीज, 487/100 पीरागढी दिल्ली-110 041	250 बोल्ट तक की रेटित बोल्टता और 16 एम्पीयर तक की रेटितधारा के लिए प्लग साकेट आउटलेट	आईएस 01293 : 88
149.	8131861	96/03	शर्मा इंटरप्राइसेज 504/9, सरकुलर रोड, शाहदरा, दिल्ली 110 032	इलास्टोमर विद्युत्तरोधी केबल भाग 1	आईएस 09968 : 88 भाग 01
150.	8129977	96/03	एस. पी. इंडस्ट्रीज, डब्ल्यू जेड—53, शकुरपुर गांव, दिल्ली 110 034	टंगस्टन तंतु के सामान्य सेवा बिजली के लैम्प	आईएस 00418 : 78
151.	8130053	96/03	सेवा ट्रेडिंग कारपोरेशन 7006, बेरी बाधा बाग, पुल बंगला, दिल्ली-110006	विद्युत्त विकिरणों की विशिष्टि	आईएस 00369 : 92

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
152.	8131863	96/03	केलमेक्स इलेक्ट्रिकल्स डब्ल्यूजैड—46 हरी सिंह पार्क न्यू मुलतान नगर, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली 110056	पानी गरमाने के डबाऊ हीटर	आईएस 00368 : 92
153.	8130255	96/03	सेप्टी एप्लायसेंस डब्ल्यू—513ए, प्रथम तल बसई दारापुर, नई दिल्ली-110 015	घरेलू और समान विद्युत् माधित्वों की सुरक्षाएं भाग 2 विवरणा- त्मक अपेक्षाएं खंड 3 विद्युत् इस्तरी	आईएस 00302 : 92 भाग 02 खंड 03
154.	8130659	96/03	स्वर्ण इंटरप्राइजेज डब्ल्यूपी-79, वजीरपुर गांव, अशोक बिहार, दिल्ली-110 052	महाने का द्रव साधुन	आईएस 04199 : 90
155.	8131156	96/03	सेवा ट्रेडिंग कारपोरेशन 7006 बेरी वाला रोड, पुल बंगला, दिल्ली 110 006	घरेलू और समान विद्युत् माधित्वों की सुरक्षा—भाग 2 विवरणा- त्मक अपेक्षाएं खंड 3 विद्युत् इस्तरी	आईएस 00302 : 92 भाग 02 खंड 03
156.	8130356	96/03	भारत सीमेंट कं. प्लाट नं., 64, सेक्टर बी, सरगिटी इंडस्ट्रियल एस्टेट, बिलासपुर	पोर्टलैंड स्लेग सीमेंट	आईएस 00455 : 89
157.	8130154	96/03	ज्योति स्टील रि-रोलिंग मिल्स जी. ई. रोड, अंजोरा, राजनन्दगांव, राजनन्दगांव	कंक्रीट प्रबलन के लिये उच्च सामर्थ्य विन्धापित इस्पात के सरिए और तार	आईएस 01786 : 85
158.	8131257	96/03	सारथी इस्पात उद्योग ( प्रा. इंडस ) 454-बी, सेक्टर सी, ऊर्ला इंडस्ट्रियल एरिया, रायपुर	कंक्रीट प्रबलन के लिये उच्च सामर्थ्य विन्धापित इस्पात के सरिए और तार	आईएस 01786 : 85
159.	9109269	96/03	कश्मीर स्टील रोलिंग मिल इंडस्ट्रियल काम्पलेक्स, बारी ब्राह्मण जम्मू-181 003	सामान्य इंजीनियरी प्रयोजनों के लिये मृदु इस्पात तार सरिए	आईएस 07887 : 92
160.	9111761	96/03	मै. फलश डोर फैक्टरी कोटद्वारा, पौड़ी गढ़वाल पौड़ी गढ़वाल	लकड़ी के सपाट दरवाजे के शटर ( ठोस कोर प्रकार ) भाग 1 प्लाइवुड सतहयुक्त परले	आईएस 02202 : 91 भाग 01
161.	9111660	96/03	मै. इंद्रप्रस्थ प्लास्टिक्स प्रा. लि., 977-बी, गांव बामरौली, उपरहार, तहसील-चैल इलाहाबाद	वनस्पति की पैकिंग के लिए ब्लो कोल्डकृत एचडीपीई डिब्बे	आईएस 10840 : 86
162.	9108974	96/03	मै. राको एग्रोकेम ( प्रा ) लि., ई-13, यूपीएसआईडीसी इंड- स्ट्रियल एस्टेट, चिन्हाट देवा रोड, लखनऊ-227105	मैसाथियान पायसनीय सांद्र	आईएस 02567 : 78
163.	0230532	96/03	इसाबे इंडिया लि., पी-41, तारअला रोड कलकत्ता-700 088	सिरिजों, सुइयों तथा कुछ अन्य	आईएस 03224 : 95 भाग

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
164.	5038555	96/03	फोर्ट ग्लोस्टर इंड्स लि., पी. ओ. फोर्ट ग्लोस्टर हावड़ा 711 310	खाद्यान्न पैक करने के लिए पटसन के बोरे—50 किग्रा.	आईएस 12650 : 89
165.	5040037	96/03	इंडिया आयल सील्स एण्ड सिंथेटिक 186, नास्करहट, प्रोडक्ट्स, कलकत्ता 700 039	रबड़ की हैवी ड्यूटी जलशुषण और विसर्जन हौज	आईएस 03549 : 83
166.	6100741	96/03	एलजी पॉलीटेक्स लि., श्रीक्षमपलायम, अरासूर पोस्ट, कोयम्बतूर 641 407	सिंथार्ड उपस्कर—सर्जक	आईएस 13487 : 92
167.	6011540	96/03	एस. ए. आबी पम्प्स प्रा. लिमिटेड, 1297 मेल्लूपलायम रोड, कोयम्बतूर 641 043	कृषि अनुप्रयोगों के अयकेन्द्री पम्पों के लिए तीन फेजीय स्क्वअर केज प्ररेण मोटर्स	आईएस 07538 : 75
168.	8092576	96/03	कॉविनेस्टल मिल्कोज (इंडिया) लि., गांव हबिलपुर, समीप सूरजपुर, नौएडा दादरी मैन रोड, गाजिया- बाद, तहसील दादरी	मलाई सहित दूध पाउडर भाग 1 मानक किस्म	आईएस 13334 : 92 भाग 01
169.	8091675	96/03	श्री बाला जी स्टील इंडस्ट्रीज, 54 मुहकमपुर इंडस्ट्रियल एस्टेट, फेस 2, दिल्ली रोड, मेरठ	धातुवर्ध्म बलवां लोहे के पाइप फिटिंग की विशिष्ट	आईएस 01879 : 87
170.	8014657	96/03	शील इंटरनेशनल लि., एस—255, ग्रटर कैलाश—2, नई दिल्ली 110 048	मलाई सहित दूध पाउडर भाग 1 मानक किस्म	आईएस 13334 : 92 भाग 01
171.	8048270	96/03	सिंघल मिनरल्स प्रा. लि., चौथा मील पत्थर जी. टी. रोड, छपरौला जिला गाजियाबाद (उ. प्र.)	मिथाइल पैराथियान भुरकन चूर्ण	आईएस 08960 : 78
172.	9112056	96/03	निपा इंटरनेशनल प्रा. लि., 412, उद्योग बिहार, फेस 3, हुंडहेडा, गुड़गांव	भवनों में कांचन की रीति संहिता (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 08548 : 88

[सं. के प्र वि/13 : 11]  
बी. मुखर्जी, अपर महानिदेशक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS & PUBLIC DISTRIBUTION  
Bureau of Indian Standards  
New Delhi, 25th August, 1998

S.O. —2313—In pursuance of Sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, of Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

## SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Operative Date	Name and address (factory) of the party	Title of the standard	IS : NO/Part/Sec & Year
1.	6100337	96/03	Saravana Cottage Industries 19/1 Main Road, Venkatachalapuram Madurai-625 011	Non-pressure stoves (second revision) (Amendments 3)	IS 02980:86
2.	6098679	96/03	Crest Cables Private Limited Survey No. 310/E N H 7 Kallakal Village, Toopranmandal Medak Medak	PVC insulated (heavy duty) electric cables: Part 1 for working voltages upto and including 1 100 V (Third revision)	IS 01554:88 Part 01
3.	6098982	96/03	Sarada Agro Engineering Products 189, Plassey Lines Bownpally Hyderabad Secunderabad-500011	Butterfly valves for general purposes	IS 13095:91
4.	6098780	96/03	Tibrewala Electronics Limited B-18, BHEL Ancellary Industrial Estate Ramachandrapuram Hyderabad Hyderabad 500032	Shunt capacitors for power systems (second revision) (Amendments 4)	IS 02834:86
5.	6098881	96/03	Shree Bajrang Jute Mills Ltd. Ring Road Guntur 522 006	Jute bags for packing foodgrains 50 kg	IS 12650:89
6.	6099479	96/03	The El Pe Em Industries 1058, Mettupalayam Road Coimbatore 641002	Monoset pumps for clear, cold water for agricultural purposes (first revision) (Amendments 2)	IS 09079:89
7.	7102346	96/03	ALEMAC Industries Gogatewadi, Off Aarey Road Goregaon (E) Bombay 400 063	Switches for domestic and similar purposes (first revision) (Amendments 3)	IS 03854:88
8.	7100342	96/03	Indian Hume Pipe Co. Ltd. Behind Railway Station Silk Mill Colony PB No. 60 Aurangabad	Specification for prestressed concrete pipes (including fittings) (first revision) (Amendment No. 1)	IS 00784:78
9.	7099888	96/03	Kisan Cement Pipes & Allied Industries Near Nagaon Bari Diversion Road Dhule	Precast concrete pipes (with and without reinforcement) (third revision) (Amendments 2)	IS 00458:88
10.	7100241	96/03	Rainbow Paints 27 The Palghar Taluka Industrial Co-op Estate Ltd. Palghar Taluka Thane Dist. 401 404	Ready mixed paint, for road marking (first revision) (Amendment No. 1)	IS 00164:81

1	2	3	4	5	6
11. 7100039	96/03	Saibaba Cement Products B-27 MIDC Ghugus Road Chandrapur	Precast concrete pipes (with and without reinforcement) (third revision) (Amendments 2)	IS 00458:88	
12. 7102952	96/03	Marco Cables Pvt. Ltd. Plot No. A-55-56 Stice, Simar-Sirdi Road Sinnar Distt. Nasik 422 103	Crosslinked polyethylene insulated PVC sheathed cables: Part 1 For working voltage upto and including 1100V (Second revision) (Amendment 1)	IS 7098:88 Part 01	
13. 7102750	96/03	Baroda Surgicals 242/19 GIDC Waghodia Distt. Baroda 391 760	Handloom cotton gauze, absorbent, non-sterilized (fourth revision)	IS 00758:88	
14. 7102649	96/03	Sudarshan Pipes Dantali Industrial Area, Plot No. 190 Gota Vadsar AFS Road Tal Kalol Distt. Mahesana 382 481	Asbestos cement pressure pipes (Third revision)	IS 01592:89	
15. 7102851	96/03	Baroda Surgicals 242/19 GIDC Waghodia, Distt. Baroda 391 760	Handloom cotton bandage cloth, non-sterilized (second revision) (Amendment 1)	IS 00863:88	
16. 7101748	96/03	Kissan Plastics Pvt. Ltd. Navagam (Bamanbore) Distt. Surendra Nagar	Irrigation equipment—polyethylene pipes for irrigation laterals (Amendment 1)	IS 12786:89	
17. 8129876	96/03	Vijay Solvex Limited Old Industrial Area Itarana Road Alwar Alwar 301 001	Vanaspati (First revision) (Amendment 1)	IS 10633:86	
18. 8130457	96/03	Sakambari Cements (P) Ltd. Hamiri Sonasar Road Village Hamiri Distt. Jhunjhunu (Raj)	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	
19. 9109875	96/03	Alka Industries 70, Gulab Nagar, Behind Industries Estate Jalandhar (Punjab) 144004	Copper alloy gate, globe and check valves for water works purposes (Fourth revision) (Amendments )	IS 00778:84	
20. 9110153	96/03	Ambica Metal Works (Regd.) Hargovind Nagar, Backside Sant Brass Metal, GT Road bye-pass Jalandhar (Punjab) 144 004	Copper alloy gate, globe and check valves for water works purposes (Fourth revision) (Amendments)	IS 00778:84	
21. 9111458	96/03	Diamond Steel Rolling Mills G.T. Road, (Khanna Side) Distt. Fatehgarh Sahib Mandi Gobindgarh (Punjab)	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (Third revision) (superseding IS-1139-1966) Amendment No. 1)	IS 01786:85	
22. 9110860	96/03	Fungicides (India) Ltd. SIDCO Indl. Complex Road No. 4 Phase II, Bari Brahmana Jammu J & K)	Isoproturon, WP	IS 11995:87	

1	2	3	4	5	6
23.	9110456	96/03	Govind Rubber Limited V & PO Juglana Distt. Ludhiana Ludhiana	Cycle and Rickshaw pneumatic tyres (Third revision) (Amendment No. 1)	IS 02414:91
24.	9109976	96/03	Harsh Valves Ladowali Road Jalandhar City (Punjab)	Copper alloy gate, globe and check valves for water works purposes (Fourth revision) (Amendments)	IS 00778:84
25.	9109774	96/03	International Exports Bye Pass Road Jalandhar (Punjab)	Malleable cast iron pipe fittings (second revision) (Amendment Nos. 3)	IS 01879 : 87
26.	9109673	96/03	Jupiter Metal Inds. B-22, Focal Point Extn. Jalandhar City 144 004	Malleable cast iron pipe fittings (second revision) (Amendment Nos. 3)	IS 01879:87
27.	9111862	96/03	Karam Steel Corporation Nasrali Road Distt. Fatehgarh Sahib Mandi Gobindgarh (Punjab)	Steel for general structural purposes (Fourth revision) (supersedes IS 225-:1975) (Amendment No. 1)	IS 02062:92
28.	9109168	96/03	Nav Jyoti Chemicals & Fertilizers Vill. : Fatehpur, Patiala Road Post Box No. 3 Samana 147 101	Zinc sulphate, agricultural grade (Amendments 2)	IS 08249:76
29.	9109572	96/03	Raizo Plasto Pvt. Ltd. 22 Km Stone, Hisar-Delhi Road Distt. Hisar Hansi (Haryana)	Unplasticised PVC pipes for potable water supplies (second revision) (Amendment 1)	IS 04985:88
30.	9112258	96/03	Zen Enterprises 25/6. Indl. Area Phase-II Chandigarh	Plugs and socket outlets of rated voltage up to and including 250 volts and rated current up to and including 16 amperes (Second revision) (Amendments 3)	IS 01293:88
31.	9110961	96/03	Fungicides (India) Ltd. SIDCO Indl. Complex, Road No. 4 Phase II, Bari Brahmana Jammu (J & K)	Butachlor emulsifiable concentrates (Amendments 2)	IS 09356:80
32.	9111054	96/03	Fungicides (India) Ltd. SIDCO Indl. Complex, Road No. 4, Phase II, Bari Brahmana Jammu (J & K)	Liquid resins for use in shall process in foundries.	IS 08245:91
33.	9111559	96/03	Gurdip Singh Avtar Singh V.P.O. Gehri Mandi Railway Station Jandiala Distt Amritsar 143 105	Safety requirements for power threshers (Amendments 4)	IS 09020:79

1	2	3	4	5	6
34. 9109067	96/03	Indian Cement Ind. Nahan Road Distt. Sirmour Kala Amb 173001	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	
35. 9109370	96/03	Punjab Pesticides Indl Co-op Society Pvt. Ltd. Village Khanpur Tehsil Kharar 140 301	Phorate granules, encapsulated (Amendments 2)	IS 09359:80	
36. 9110254	96/03	Radiani Cement Co. (P) Ltd. Village Maginand P.O. Kala Amb, Distt. Sirmur	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	
37. 9111963	96/03	Singer India Limited Lane No. 4, SIDCO, Indl. Complex Bari Brahamna (J & K) 181133	Household sewing machines-General requirements (second revision)	IS 01610:89	
38. 9108873	96/03	S K Iron Foundry & Engg. Co. Unit II 11/115 A Rambagh Rambagh	Horizontally cast iron double flanged pipes for water, gas and sewage (first revision)	IS 07181:86	
39. 5057660	96/03	M/s. Astarmen (India) Pvt. Ltd. Vill. New Kolorah, NH-6, P.O. New Kolorah, Howrah	Industrial bitumen (second revision) (Amendment 1)	IS 00702:88	
40. 5057357	96/03	M/s. Mitra Chemicals, 1/1 N.S. Road, P.O. Malandha, Mahinagore, 24-Parganas (South), Unit-2.	Disinfectant fluids, black and white (third revision)	IS 01061:82	
41. 5059563	96/03	M/s. Purulia Cement Pvt. Ltd. Wilcox Road, Simulia, Purulia, West Bengal	Portland slag cement (fourth revision) (Amendments 3)	IS 00455:89	
42. 5059967	96/03	Budge Budge Company Ltd. 64, Moulana Azad Road Budge Budge, 24 Parganas	Jute bags for packing foodgrains 50 kg	IS 12650:89	
43. 5059664	96/03	Barnagore Jute Factory Co. Ltd. 284, Maharaj Nand Kumar Road Calcutta 700 035	A-twill jute bags (revised) (Amendment Nos. 5)	IS 01943:64	
44. 5059866	96/03	Dalhousie Jute Co. Ltd. P.O. Baidyabati Distt. Hooghly	Jute bags for packing foodgrains 50 kg	IS 12650:89	
45. 5060245	96/03	Nita Industries 48, S.N. Roy Road Calcutta-700038	Floor springs (hydraulically regulated) for heavy doors (second revision)	IS 06315:92	
46. 5058258	96/03	Samnuggur Jute Factory Co.Ltd. Bhadreswar 712 124 Distt. Hooghly	Jute bag for packing foodgrains 50 k ;	IS 12650:89	



1	2	3	4	5	6
47.	6100640	96/03	Elgi Polytex Ltd. Thennampalayam Arasur Post Coimbatore 641 407	Irrigation equipment-strainer type filters (Amendment 1)	IS 12785:89
48.	6101137	96/03	Premier Industries 1145A, Trichy Road Singanallur Coimbatore 641 005	Jet centrifugal pump combination (Amendments 2)	IS 12225:87
49.	6101945	96/03	Sri Krishna Vanaspati Products 45/A, Bhavani Road Erode 638 005	Flexible packs for the packing of vanaspati (Amendments 3)	IS 11352:85
50.	7102548	96/03	Arihant Industries C-84 MIDC Industrial Area Hingna Road Nagpur 440 028	Chlorine tablets (first revision)	IS 09825:93
51.	7103752	96/03	Agarwal Packaging Pvt. Ltd. Kharabwadi No. 2791 and 2792 Chakan, Tal Khed Pune Distt. 410 501	Drums, large, fixed ends, Part 2 Grade B drums (third revision)	IS 01783:93 Part 02
52.	7099787	96/03	Bhinge Brothers W-62/A Near CCL MIDC Satpur Nasik 422 007	Irrigation equipment—emitters	IS 13487:92
53.	7103348	96/03	Gangamai Pipe Factory Gat No. 274, Bombay Agra Road, At Post Nagaon Dhule	Precast concrete pipes (with and without reinforcement) (third revision) (Amendments 2)	IS 00458:88
54.	7103550	96/03	Premier Coatings 121 Shanti Industrial Estate S.N. Road Mulund (W) Bombay 400 080	Wrought aluminium utensils: Part 1 Cooking table, serving storing and baking utensils (second revision) (Amendments No. 2)	IS 01660:82 Part 01
55.	7100948	96/03	Royal Cables Industries W-107, MIDC Electronic Zone Hingna Road Nagpur 440 016	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694:90
56.	7103954	96/03	Shah Products Gala No. 3, Sadanand Indl. Estate B.P. Cross Road Bhayender (E) Thane	Burner for oil pressure stoves and oil pressure heaters first revision) (Amendment 1)	IS 08808:86
57.	7102245	96/03	Shree Vaishnav Ispat Pvt. Ltd. Gat No. 352, 355 and 363 Off Bharat Fertilizers Road Bagul Kharewali Taluka Wada Thane	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (Third revision) superseding IS: 1139-1966) (Amendment No. 1)	IS 01786:85
58.	7101344	96/03	Vasant Cement Pipe Inds C-60, MIDC Block Miraj 416 410	Precast concrete pipes (with and without reinforcement) (third revision) (Amendments 2)	IS 00458:88

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
59. 7102043	96/03	Bagade India Engg. Ltd. Plot No. C-423 T.T.C. Indl. Area MIDC Turbhe New Bombay 400613	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 4 Aluminium alloy stranded conductors (aluminium magnesium silicon type) (third revision)	IS 00398:76 Part 04	
60. 7101849	96/03	Cona Industries 20-21, Niraj Industrial Estate Mahakali Caves Road Bombay 400093	Ceiling roses (second revision) (Amendments 4)	IS 00371:79	
61. 7102144	96/03	Flag India Products 9, Steelmade Industrial Estate Marol Andheri (E) Bombay 400 059	Plugs and socket outlets of rated voltage up to and including 250 volts and rated current up to and including 16 amperes (second revision) (Amendments 3)	IS 01293:88	
62. 7099989	96/03	Manikgarh Cement P.O. Gadchandar 442 908 Distt. Chandrapur	33 Grade ordinary portland cement (fourth revision) (Amendments 3)	IS 00269:89	
63. 7103651	96/03	Maharashtra Insecticide Ltd. Pesticides Formulation Plant Plot No. C-4 MIDC Area Shivani, Akola	Malathion emulsifiable concentrates (Second revision) (with amendment No. 1)	IS 02567:78	
64. 7103449	96/03	Maharani Spun Pipes Village Porla, Post Nagri Distt. Gadchirli	Precast concrete pipes (with and without reinforcement) (third revision) (Amendments 2)	IS 00458:88	
65. 7100645	96/03	Rainbow Paints 27 The Palghar Taluka Industrial Co-op Estate Ltd. Palghar Taluka Thane Distt. 401 404	Enamel exterior (a) undercoating, (b) finishing (first revision) (Amendments 2)	IS 02933:75	
66. 7100746	96/03	Rainbow Paints 27 The Palghar Taluka Industrial Co-op Estate Ltd. Palghar Taluka Thane Distt. 401 404	Enamel, synthetic, exterior (a) undercoating, (b) finishing (first revision) (Amendments 2)	IS 02932:74	
67. 7100544	96/03	Ujjwal Ispat Pvt. Ltd. C-8, MIDC Hingna Nagpur 440 016	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (Third revision) (superseding IS : 1139-1966) (Amendment No. 1)	IS 01786:85	
68. 7103247	96/03	Wai-Ragade Engg. Corpn. W-5, MIDC Area Nagpur 440 018	PVC insulated (heavy duty) electric cables: Part 1 For working voltages upto and including 1 100 V (Third revision)	IS 01554:88 Part 01	
69. 7101243	96/03	Blazonplast Pvt. Ltd. Block No 84 Plot No 85-86 Akash Industrial Estate At Village Mota Borsara Tal Mangrol Distt. Surat 394 110	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694:90	
70. 7103146	96/03	Champion Cement Industries NH 8-A Village Dhuva Tal Wankaner Distt. Rajkot 363 621	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	

1	2	3	4	5	6
71. 7101950	96/03	Essar Engineering Pvt. Ltd. Plot No. 29 GIDC Indl. Estate Waghodia Distt. Baroda 390000	Uncoated stress relieved strand for prestressed concrete (first revision) (Amendments 2)	IS 06006:83	
72. 7103853	96/03	Gujarat Raj Plast Pvt. Ltd. 119-121 Mahalaxmi Indl. Estate Viramgam Highway Village JAVA Tal Sanand Distt. Ahmedabad	Unplasticised PVC pipes for potable water supplies (second revision) (Amendment 1)	IS 04985:88	
73. 7102447	96/03	Jamnagar Tin Factory Shed No B/32 Shanker Tekari Udyog Nagar PB No 627 Jamnagar 361 004	Non-pressure stoves (second revision) (Amendments 3)	IS 02980:86	
74. 7101647	96/03	Raymond Cable Industries 6 Goteswar Mahadev Nagar Opp Gota Railway Crossing Gota Ahmedabad 382 481	PVC Insulated cables for working voltage upto and including 1100 V (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694:90	
75. 7101142	96/03	Vartej Chemical Industries Private Limited 190 GIDC Chitra Bhavnagar 364 004	Disinfectant fluids, black and white (third revision)	IS 01061 :82	
76. 7100847	96/03	Bharat Aluminising Corpn. Station Road Vatva 382 440 Distt. Ahmedabad	Aluminium conductors for overhead transmission purposes; Part 1 Aluminium stranded conductors (second revision) (Amendment No. 1)	IS 00398:76 Part 01	
77. 7100443	96/03	Jigson Engineers Pvt. Ltd. Abrama Village Off. National Highway No. 8 Valsad Gujarat	Domestic gas stoves for use with liquified petroleum gases (fourth revision)	IS 04246:92	
78. 7103045	96/03	Mehsana District Co-operative Milk Producer's UNIO Sudhsagar Dairy State Highway Mehsana (M.G.) 384 002	Sweetened partly skimmed milk powder	IS 12299:88	
79. 7100140	96/03	Parekh Cables & Conductors A-1/171, GIDC Ankleshwar 393 002	Milk powder (Fourth revision) (Amendment 1)	IS 01165:92	
80. 7101445	96/03	Vijay Trading Co. C-26-27, M.P. Shah Municipal Udyog Nagar Jamnagar 361 002	Square tins-15 kg for ghee, VANASPATI, edible oils and bakery shortenings (first revision) (Amendment 1)	IS 10325:89	

1	2	3	4	5	6
81.	7101546	96/03	Vijay Trading Co. C-26-27, M.P. Shah Municipal Udyog Nagar Jamnagar-361002	18 litre square tins (third revision)	IS 00916:89
82.	8132057	96/03	Saya Electronics Khasra No. 215, 216/7 Plot No. 681 (Near Rani Khera Moud) Village Mundka Delhi-110041	Single-phase small AC and universal electric motors (second revision) (Amendments 2)	IS 00996:79
83.	8130558	96/03	Zean Industry Gali No. 9 Plot No. 11 Sameypur Delhi-110042	Domestic gas stoves for use with liquified petroleum gases (fourth revision)	IS 04246:92
84.	8131964	96/03	K. E. I. Industries Unit No. 2, F-4 Okhla Indl. Area Phase I New Delhi-110020	Crosslinked polyethylene insulated PVC sheathed cables: Part 1 for working voltage up to and including 1 100 Vc first revision) (Amendment 1)	IS 07098:88 Part 01
85.	8130760	96/03	Mesh Industries WZ-161 B Village Dusghara PO Pusa New Delhi-110012	Domestic gas stoves for use with liquified petroleum gases (fourth revision)	IS 04246:92
86.	8130962	96/03	Volga Electrical Industries 289 Dhirpur Nirankari Colony Delhi-110009	Mineral filled sheathed heating elements (second revision) (Amendments 6)	IS 04159:83
87.	8129573	96/03	Magic Foods Ltd. 42/39 Site IV Industrial Area Sahibabad Ghaziabad	Coaltar food colour preparations and mixtures (first revision) (Amendments 5)	IS 05346:75
88.	9110557	96/03	Swadeshi Enterprise & Chemi- cal Industries 111/108 A, Pokharpur Kanpur	Malathion dusting powders (second revision) (with amendment No. 1)	IS 02568:78
89.	9108772	96/03	Parshuram Cement Limited 6th Mile Stone Parshurampuram Nadrai, Kasganj, Etah	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
90.	6101339	96/03	Fabulous fabes Pvt. Ltd. S.No. 162/10, 165/6, 165/5-A Manjankaranai Village Uthukottai Taluk, Chengai Ngr. District-601102	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
91.	6102038	96/03	Lalithambigai Match Inds. S.No. 1114/48, Vadapatti Village Virudhunagar Taluk	Safety matches in boxes (second revision)	IS 02653:93

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
92.	6102139	96/03	Venus Food Colours and Chemicals Plot No. 145, Pallavan Nagar Nerkundram Madras-600107	Coaltar food colour preparations and mixtures (first revision) (Amendments 5)	IS 05346:75
93.	6100539	96/03	Elmin Electrodes Pvt. Ltd. 118, Sidco Indl. Estate Ambattur Madras-600098	Covered electrodes for manual metalarc welding of carbon and carbon manganese steel (Fifth revision)	IS 00814:91
94.	6101036	96/03	S.V.S. Oil Mills 8/12, Tiruvuttiyur High Road Tamilnadu, Madras-600019	Flexible packs for the packing of Vanaspati (Amendments 3)	IS 11352:85
95.	6101541	96/03	Tuticorin Alkali Chemicals & Fertilizers Limited Harbour Construction Road Tuticorin-628005	Chlorpyrifos emulsifiable concentrates (Amendment 1)	IS 08944:78
96.	6100438	96/03	Triveni Alloys Ltd. A-14 & B-71, Sipcot Indl. Complex Gummidipoondi-601201	Steel for general structural purposes (Fourth revision) supersedes IS 225:1975 (Amendment No. 1)	IS 02062:92
97.	6101440	96/03	CSS Electricals Pvt. Ltd. 79, JC Indl Estate, Kanakapura Road, Bangalore-560062	Mineral filled sheathed heating elements (second revision) (Amendments 6)	IS 04159:83
98.	6102846	96/03	H.P. Cements Ltd. Shahabad Cement Works Shahabad Gulbarga Dist-585229	Sulphate resisting Portland cement (Amendments 3)	IS 12330:88
99.	6100943	96/03	Vijaya Engg. Works B.M. Sankarappa Indl. Estate Sunkadakatie, Viswaneedan Post Magadi Main Road Bangalore-560041	Solid bio-mass Chulha: Part 1 Portable (metallic) (Amendments 2)	IS 13152:91 Part 01
100.	6100842	96/03	Finelcore Cables (P) Ltd.	PVC insulated (heavy duty) electric cables: Part 1 For working voltages upto and including 1100 V (Third revision)	IS 01554:88 Part 01
101.	6101238	96/03	Krisch Castings C-184, Peenya Indl. Estate Second Stage Bangalore-560058	Irrigation equipment-strainer type filters (Amendment 1)	IS 12785:89
102.	6102341	96/03	Sri Rajalakshmi Pulverisers Redlakunta Village Kodad Taluk Nalgonda District-508206	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
103.	6101743	96/03	Hindustan Antipests Pvt. Ltd., 165 & 166, IDA, Phase V Jeedimetla Hyderabad-500855	Butachlor emulsifiable concentrates (Amendments 2)	IS 09356:80

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
104.	6101642	96/03	Sri Vishnu Cement Limited Sitapuram PO Doudapadu TQ. Kadad Dist. Nalgonda	Portland pozzolana cement Part 1 Flyash based (third revision)	IS 01489:91 Part 01
105.	6103242	96/03	South India Wire Ropes Ltd. P.O. Edathala Alwaye-683561	Steel wire suspension ropes for lifts, elevators and hoists (first revision)	IS 02365:77
106.	6102442	96/03	Flow Tech. Pipes Pvt. Ltd. SF, 178/3, Coimbatore Main Road Nambiyur Gobichettipalayam Taluk Periyar District	Unplasticised PVC pipes for potable water supplies (second revision) (Amendment 1)	IS 04985:88
107.	6101844	96/03	Andavar Engg. Works 35-36 Cheyur Road Avanashi Ayanashi. Tamilnadu-638654	Three-phase squirrel cage induction motors for centrifugal pumps for agricultural appli- cations (Amendments 5)	IS 07538:75
108.	8132259	96/03	Gautam Pumps Shed No. 8 Sector D 2 Satwar Road, Indl Area Indore Indore-452003	Deepwell hand pumps (third revision) (Amendment 2)	IS 09301:90
109	8132865	96/03	Raj Solvex Limited 4, Matsya Industrial Area Alwar Alwar-301030	Flexible packs for the packing of vanaspati (Amendments 3)	IS 11352:85
110.	8132663	96/03	Basera Cements Pvt. Ltd. F-8 to F-13 (Rico Indl. Area Sri Madhpur (Raj.)-332715	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
111.	8132461	96/03	Bagda Cement (P) Limited G-59 to 63 RITCO Industrial Area Sujan garh-331507	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
112.	8131055	96/03	Chinar Cements Limited Vill. Barwa P.O. Parsarampura Tehsil Vaiwalgarh Distt. Jhunjhunu Rajasthan	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
113.	8132764	96/03	Kuber Cements Pvt. Ltd. GJ-44 TO 49 RICCO Indl. Area Ratangarh Distt. Churu (Raj.)	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
114.	9110052	96/03	Ambica valves Pvt. Ltd. Sodal Road Indl. Area Jalandhar City (Punjab) 144004	Copper alloy gate, globe and check valves for water works Purposes (Fourth revision) (Amendments)	IS 00778:84

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
115.	9110759	96/03	Bansal Enterprises PNB Compound, Basar Tanduran Gandhi Marg Ambala City (Haryana) 134002.	Stationery storage type electric water heaters (third revision) (Amendment 1)	IS 02082:93
116.	9112157	96/03	Harman Milkfoods Ltd. Distt. Patiala Teh. Samana Vill : Retgarh (Punjab)	Skim milk powder : Part 2 Extra grade	IS 13334:92 Part 02
117.	9111357	96/03	Marked Agro Chemicals 7 & 8 B, Industrial Estate Sas Nagar 160051	Chlorpyrifos emulsifiable con- centrates (Amendment 1)	IS 08944:78
118.	9110355	96/03	New Kashmir Steel Rolling Mills New Industrial Estate Gangyal Jammu Tawi	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforce- ment (Third revision) (superseding IS : 1139-1966) (Amendment No. 1)	IS 01786:85
119.	8132360	96/03	Gemini Sewing Machine Co. (P) Ltd. 9, SSI Industrial Estate G. T. Karnal Road New Delhi 110033	Household sewing machines— General requirements (second revision)	IS 01610:89
120.	8131661	96/03	Glossy Colour & Paints (P) Ltd 50, A & B, Shivaji Marg Industrial Area New Delhi 110015	Ready mixed paint, brushing, bituminous, black lead-free, acid, alkali and heat resisting (third revision) (Amendment No. 1)	IS 00158 :81
121.	8131762	96/03	Purisons Engineers Pvt Ltd 2, Jorbagh Market New Delhi-110003	Room air conditioners : Part 1 Unitary air conditioners (second revision)	IS 01391:92 Part 01
122.	8132158	96/03	Shiva Tiles and Marbles Co. Plot No. 1 Gali No 4 Burari Road Saroop Nagar Delhi 110042	Chequered cement concrete tiles (Amendment 1)	IS 13801:93
123.	8131560	96/03	M.T. Industries C-40, DDA Shed Okhla Indl. Area Phase I New Delhi-110020	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases (fourth revision)	IS 04246:92
124.	8132562	96/03	Tirupati Cements (P) Ltd. E-37, RIICO Indl. Area Behror (Distt. Alwar)-301701	42 grade ordinary Portland cement first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
125.	9111256	96/03	Marked Agro Chemicals 7 & 8 B, Industrial Estate Sas Nagar-160051	Gamma-BHC (Lindane) emulsi- fiable concentrates (fourth revision) (Amendment 1)	IS 00632:78
126.	9110658	96/03	Delta Erectors Pvt. Ltd. Plot No. 169 & 182 Maharajpur Choubepur Kanpur Distt.	33 Grade ordinary portland cement (fourth revision) Amendments 3)	IS 00269:89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
127.	9108065	96/03	Gupta Agro Field Rajpur Chungi Near Rajeshwar Temple Shamshabad Road Agra-282001	Safety requirements for power threshers (Amendments 4)	IS 09020:79
128.	5059361	96/03	The Assam Co-operative Jute Mills Ltd. P.O. Silghat 782143 Distt. Newang, Assam	Jute bags for packing foodgrains 50 kg	IS 12650:89
129.	5059462	96/03	Agarpara Co. Ltd. Kamarhatty Calcutta-700058	Jute bag for packing foodgrains 50 kg	IS 12650:89
130.	5057559	96/03	Alliance Mills (Lessees) Pvt. Ltd. Jagatdal 24 Parganas	Jute bags for packing foodgrains 50 kg	IS 12650:89
131.	5060144	96/03	Falcon Tubes Pvt. Ltd. Khaprail Road PO New Champta Distt. Darjeeling	Fabricated PVC fittings for potable water supplies: Part 2 Specific requirements for sockets (first revision)	IS 10124:88 Part 02
132.	5059765	96/03	Hallmark Industries 23/32, Chanditola Main Road Calcutta-700053	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems : Part 1 Pipes (Amendment 2)	IS 14151:94 Part 01
133.	5057862	96/03	Howrah Mill Co. Ltd. 493 C, G.T. Road (South Howrah	Jute bags for packing foodgrains 50 kg	IS 12650:89
134.	5060043	96/03	National Jute (Unit Khardah) P.O. Titagarh 743188 24 Parganas	Jute bags for packing foodgrains 50 kg	IS 12650:89
135.	5057963	96/03	National Jute Manufacturers Corp. Ltd. P.O. Santraail, Rajgunje Distt. Howrah	Jute bags for packing foodgrains 50 kg	IS 12650:89
136.	5059260	96/03	NJMC (Unit Alexandra) P.O. Jagatdal 743125 Distt. 24 Parganas	Jute bags for packing foodgrains 50 kg	IS 12650:89
137.	5057761	96/03	Nezone Tubes Limited Paschim Bora Gaon P.O. Gotanagar NH-37 Gauhati-781012	Steel tubes for mechanical and general engineering purposes (first revision) (Amendments 2)	IS 03601:84
138.	5058460	96/03	Prabartak Jute Mills Ltd. Kamarhatty B.T. Road 24 Parganas Calcutta-700058	Jute bags for packing foodgrains 50 kg	IS 12650:89
139.	5058157	96/03	Reliance Jute and Industries Ltd. Kaukinarra Post : Bhatpara 24 Parganas	Jute bags for packing foodgrains 50 kg	IS 12650:89



1	2	3	4	5	6
140.	5058359	96/03	Samnuggur Jute Factory Co. Ltd. Bhadreswar-712124 Distt. Hooghly	Jute bags for packing foodgrains 50 kg	IS 12650:89
141.	5059058	96/03	Hyderabad Industries Limited Industrial Area Jasidih Deoghar-814142	Corrugated and semi-corrugated asbestos cement sheets (third revision)	IS 00459:92
142.	5059159	96/03	Kanhaiya Castings Pvt. Ltd. Industrial Area Patna-800013	Deepwell handpumps-components Cast iron (Amendment 1)	IS 14101:94
143.	5057458	96/03	Kalayanpur Lime & Cement Works Ltd. At & P.O. Banjari Distt. Rohtas	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
144.	5058965	96/03	Krishna Paints & Chemicals Co. Bhuli Road (Wasseyapur) Dhanbad	Enamel, synthetic, exterior (a) undercoating, (b) finishing (first revision) (Amendments 2)	IS 02932:74
145.	5058561	96/03	Rama Wood & General Inds. Ltd. Phase III Indl. Area Fatwah Fatwah-803206	Plywood for general purposes Third revision) Amendment 1)	IS 00303:89
146.	7101041	96/03	Bayer (India) Ltd. Plot No. 67 to 76 GIDC Estate Himmat Nagar Distt. Sabarkantha-383001	Methyl parathion emulsifiable concentrates (first revision) (with amendment No. 5)	IS 02865:78
147.	8131358	96/03	Kingston Home Appliances B-59, Mayapuri Indl. Area Phase I New Delhi 110064	Stationery storage type electric water heaters (third revision) (Amendment 1)	IS 02082:93
148.	8131459	96/03	R. B. Industries 487/100, Peera Garhi Delhi 110041	Plugs and socket outlets of rated voltage up to and including 250 volts and rated current up to and including 16 amperes (second revision) (Amendments 3)	IS 01293:88
149.	8130861	96/03	Sharma Enterprises 504/9, Circular Road Shahdara, Delhi 110032	Elastomer-insulated cables: Part I For working voltages upto and including 1100 V (first revision) (Amendment 1)	IS 09968:88 Part 01
150.	8129977	96/03	S. P. Industries WZ-53, Shakurpur Village Delhi 110034	Tungsten filament general service electric lamps (third revision) (Amendments 7)	IS 00418:78
151.	8130053	96/03	Sewa Trading Corporation 7006, Beri Wala Bagh, Pul Bangesh, Delhi 110006	Electric radiators (third revision)	IS 00369:92

1	2	3	4	5	6
152.	8131863	96/03	Kelmax Electricals W-46, Hari Singh Park New Multan Nagar New Rohtak Road New Delhi-110056	Electric immersion water heaters (fourth revision)	IS 00368:92
153.	8130255	96/03	Safety Appliances WZ-513 A, First Floor Basai Darapur New Delhi 110015	Safety of household and similar electrical appliances : Part 2 Particular requirements Sec 3 Electric Iron	IS 00302:92 Part 02 Sec 03
154.	8130659	96/03	Swarn Enterprises WP-79, Wazirpur Village Ashok Vihar Delhi 110052	Liquid toilet soap first revision) (Amendments 2)	IS 04199:90
155.	8131156	96/03	Sewa Trading Corporation 7006, Beri Wala Bagh Pul Bangesh Delhi 110006	Safety of household and similar electrical appliances : Part 2 Particular requirements, Sec 3 Electric Iron	IS 00302:92 Part 02 Sec 03
156.	8130356	96/03	Bharat Cement Co. Plot No. 64, Sector B Sirgitti Industrial Estate Bilaspur	Portland slag cement (fourth revision) (Amendments 3)	IS 00455:89
157.	8130154	96/03	Jyoti Steel Rolling Mills G. E. Road Anjora Rajnandgaon Rajnandgaon)	High strength deformed steel bars and wire for concrete reinforcement (Third revision) (superseding IS : 1139-1966) (Amendment No. 1)	IS 01786:85
158.	8131257	96/03	Sarti Ispat Udyog (Prop. Indus. Smelters Ltd.) 454-B, Sector C Urla Industrial Area Raipur Raipur	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforce- ment (Third revision) (superseding) IS : 1139-1966) (Amendment No. 1)	IS 01786:85
159.	9109269	96/03	Kashmir Steel Rolling Mill Industrial Complex Bari Brahmna Jammu 181003	Mild steel wire rods for general engineering purposes (first revision)	IS 07887:92
160.	9111761	96/03	M/s Flush Door Factory Koidwara, Pauri Garhwal	Wooden flush door shutters (solid core type) : Part 1 Plywood face panels (Fifth revision) (Amendment Nos. 2)	IS 02202:91 Part 01
161.	9111660	96/03	M/s Indraprastha Plastics Pvt Ltd. 977-B, Ill-Bamrauli, Uperhar, Tehsil Chai, Allahabad	Blow moulded HDPE containers for VANASPATI (1st revision) (Amendment 1)	IS 10840:86
162.	9108974	96/03	M/s. Rako Agrochem Pvt. Ltd. E-13, UPSIDC Industrial Estate, Chinhat Deva Road, Lucknow 227105	Malathion emulsifiable concen- trates (second revision) (with amendment No. 1)	IS 02567:78

1	2	3	4	5	6
163.	0230522	96/03	Esab India Ltd. P-41, Taratala Road Calcutta 700088	Valve fittings for compressed gas cylinders excluding liquefied petroleum gas (LPG) cylinders second revision) (Amendments 6)	IS 03224:79
164.	5038555	96/03	Fort Gloster Inds. Ltd. P. O. Fort Gloster Howrah 711310	Jute bags for packing food - grains 50 kg	IS 12650:89
165.	5040037	96/03	India Oil Seals & Synthetic Products 186, Naskarhat Calcutta 700039	Water suction and discharge hose of rubber, heavy duty (Second revision)	IS 03549:83
166.	6100741	96/03	Elgi Polytex Ltd. Thennampalayam Arasur Post Coimbatore 641407	Irrigation equipment—emitters	IS 13487:92
167.	6011540	96/03	S. A. Ivy Pumps Pvt. Limited 1297 Mettupalayam Road Coimbatore 641043	Three-phase squirrel cage induction motors for centrifugal pumps for agricultural applications (Amendments 5)	IS 07538:75
168.	8092576	96/03	Continental Milkose (India) Ltd. Village Hambilpur Near Surajpur Noida Dadri Main Road Ghaziabad Tehsil Dadri	Skim milk powder : Part 1 Standard grade (Amendment 1)	IS 13334:92 Part 01
169.	8091675	96/03	Shree Balaji Steel Industries 54, Mohkampur Industrial Estate Phase II, Delhi Road, Meerut.	Malleable cast iron pipe fittings (second revision) (Amendment Nos. 3)	IS 01879:87
170.	8014657	96/03	Sheel International Ltd., S-255, Greater Kailash-II, New Delhi 110048	Skim milk powder : Part 1 Standard grade (Amendment 1)	IS 13334:92 Part 01
171.	8048270	96/03	Singhal Minerals Pvt. Ltd. 4th Mile Stone G. T. Road Chhapraula Distt. Ghaziabad (UP)	Methyl parathion dusting powders (Amendment 1)	IS 08960:78
172.	9112056	96/03	Nipa International Pvt. Ltd. 412 Udyog Vihar Phase III Dundahera Gurgaon	Code of practice for glazing in buildings (first revision)	IS 08548:88

नई दिल्ली, 27 अक्तूबर, 1998

का०आ० 2314 :—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं:

## अनुसूची

क्रम सं०	लाइसेंस सं०	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/माह	लाइसेंसधारी का नाम व पता	शीर्षक भारतीय मानक	भारतीय मानक सं०/भाग/अनुभाग
1	2	3	4	5	6
1.	6103545	96/04	बिस्मि लिमिटेड, पेराम्बूर बेराक्स रोड, मद्रास 600 012	भूती ड्रिल	आईएस 00177 : 1989
2.	6103343	96/04	पेस्टीज प्राइवेट्स 43, ए/1, जीवा नगर, गली आई, जयहिन्द पुरम मद्रास 625 011	गैर दाब स्टोव	आईएस 02980 : 86
3.	6103141	96/04	शहनाई इंडस्ट्रीज, आर०एस० नं० 76/3 लिंगरैड्डीपलायम, मेन रोड, काट्टेरीकुप्पम, पांडीचेरी 605 502	द्रवित पेट्रोलियम गैसों के साथ प्रयुक्त घरेलू गैस बल्ब	आईएस 04246 : 92
4.	6102644	96/04	डाल्मिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड डाल्मियापुरम जिला त्रिचै 621 651	पोर्टलैंड स्लेग सीमेंट	आईएस 00455 : 89
5.	6103040	96/04	मिनी फोर्गे प्रा० लि०, ए-9, पीनया इंड० एस्टेट, 1 स्टेज, 1 क्रॉस, बंगलौर 560 058	निमज्जनीय पम्पसेट	आईएस 08034 : 89
6.	6103747	96/04	एमएलसी इंडस्ट्रीज लि०, 2 मर्फी रोड, अल्मूर, बंगलौर 560 008	सामान्य लैम्पों के लिये बाथोनेट लैम्प	आईएस 09206 : 79
7.	6102947	96/04	टाटा बीपी सोलर इंडिया लि०, ए-102 एवं 103, ब्लॉक 2, एसएसआईडीसी मल्टीस्टोरी ब्लॉक इलैक्ट्रॉनिक्स सिटी, हम्पूर रोड, बंगलौर 561 229	सौर सपाट पट्टिका संग्राहक भाग 1 अपेक्षाएं	आईएस 12933 : 92 भाग 01
8.	6102240	96/04	कुमार इंटरप्राइजेज ई-10, काट्टेदन इंड० एस्टेट, हैदराबाद 500 252	मिचआई उपस्कर-मिचआई लैटरल्स	आईएस 12786 : 89
9.	6104648	96/04	मेगा पुलवराजस प्लॉट नं० डी-3, रोड नं० 5, एपीआईआई सी लि०, कालेदक, हैदराबाद	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89

1	2	3	4	5	6
10. 6103949	96/04	बिन्जुसरिया मेटल बॉक्स कं., सी-1 एवं 2 गवर्नर इंस्टीट्यूट, बन्धुबाल बारादरी, हैदराबाद 500 264	संरचना इस्पात में बेनत अहेतु बलवां ब्रुलेट इंगट और सतत बसे बनेड	आईएस 06915 : 78	
11. 6103444	96/04	गलाडा पावर एण्ड टेलिकम्यूनिकेशन शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए लि०, पी-2/6, आईडीए, यूपीपीएल, हैदराबाद 500 039	एल्युमीनियम के चालक	आईएस 00398 : 76	भाग 03
12. 6104244	96/04	गलाडा पावर एंड टेलिकम्यूनिकेशन शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए लि०, पी-2/6, आईडीए, क्लाक 3, उप्पल, हैदराबाद 500 039	एल्युमीनियम के चालक भाग 2	आईएस 00398 : 76	भाग 02
13. 6102745	96/04	गीतम रोलिंग मिल्स प्रा० लि०, ए-14, बी-8-9, एसिस्टेड इंडस्ट्रियल एस्टेट, मोला अली, हैदराबाद 500 040	कंक्रीट प्रबलन के लिये उष्ण सामर्थ्य बिस्थापित इस्पात के सरिए और तार	आईएस 01786 : 85	
14. 6102543	96/04	श्री बजरंग जूट मिल्स लि०, रिंग रोड, गुंटूर 522 006	वस्त्रावि-अनाज भरने के लिये बी-ट्विल पटसन के बोरे	आईएस 02566 : 93	
15. 6104143	96/04	आउथर्न पेस्ट्रीसाइड्स कारपो. लि., अरिकिरेवाला, समीप कोवर जिला वेस्ट गोदावरी	साइपरमेथ्रिन ई सी	आईएस 12016 : 87	
16. 7104249	96/04	रेमिस्ट्रो इंटरप्राइजेज डब्ल्यू-60 (बी) एमआईडीसी, अम्बाड, मासिक 422 010	पावर तंत्र के लिए शंट संधारित्र	आईएस 02834 : 86	
17. 7104047	96/04	प्रॉटॉन-इलैक्ट्रो मोटर्स, 68 एमआईडीसी इंड० एरिया, चिकलथाना, ओरंगाबाद 431 210	कृषि कार्यों के लिए साफ, ठंडे पानी मोनोसैट पम्प	आईएस 09079 : 89	
18. 8134667	96/04	वि बम्बई बर्मा ट्रेडिंग कारपो. लि., परत चढ़े कर्ण बोर्ड सेन्ट्रल इंडिया बोर्ड प्रॉडक्ट्स डिबीजन, पथरौटा रोड, पी०बी० नं० 32, हृष्टनगाबाद 461 111		आईएस : 03097 : 80	
19. 8134970	96/04	मेहर सीमेंट वर्क्स, पी०ओ० सर्वा नगर, मेहर जिला, मनता 485 772	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89	
20. 8133766	96/04	एसीएसआर एफ-818 न्यू एवं एफ-818 आर रोड नं० 14, विश्वकर्मा इंड० एरिया, जयपुर 302 013	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिये एल्युमीनियम के चालक भाग 2	आईएस 00398 : 76 आईएस 02	

1	2	3	4	5	6
21. 8136469	96/04	जन प्रिया सीमेंट लिमिटेड सम्मुख : रेलवे स्टेशन, पी०ओ० नीम का थाना सीकर, नीम का थाना 332 713	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89	
22. 8137875	96/04	ए०के० सीमेंट प्रा० लि०, गांव बीरों तहसील : मेड़तासिटी नागौर मेड़तासिटी	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89	
23. 8139778	96/04	भगोसा सीमेंट्स प्रा० लि०, प्लॉट नं० एसपी-1, इंडस्ट्रियल एरिया, सीकर, नीम का थाना	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89	
24. 8137471	96/04	चिराग सीमेंट्स प्रा० लि०, ई-26, रिको इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर, बेहरोड	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89	
25. 8133059	96/04	राज सोल्वेक्स लिमिटेड 4, मत्स्य इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर 301 030	वनस्पति	आईएस 10633 : 86	
26. 8134566	96/04	सुपरफाइन सीमेंट प्रा० लि०, ई-32, इंडस्ट्रियल एरिया, नागौर, मेड़तासिटी 341 510	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89	
27. 8134768	96/04	यूनाइटेड सीमेंट प्रा० लि०, ई-17 एवं 18, रिको इंडस्ट्रियल एरिया, सीकर, श्रीमाधोपुर 332 715	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89	
28. 9113866	96/04	अतुलया टेक्प्लास्ट लि०, 420-21 एम आई ई, बहादुरगढ़ (हरियाणा) 124 507	पेयजल आपूर्ति के लिये गैर- प्लास्टिक पीवीसी पाइप	आईएस 04985 : 88	
29. 9112460	96/04	फंगीमाइड्स (इंडिया) लि०, सिडको इंड० कॉम्प्लेक्स, रोड नं० 4, फेस 2, बारी ब्राह्मण जम्मू (जे० एवं के०)	क्रीटनाशक डोडिन ड्रूपी	आईएस 13785 : 93	
30. 9113563	96/04	जी के केबल्स (प्रा०) लि०, अग्रान रोड, समीप कुरली, जिला रोपड़ चनाली (पंजाब)	पीवीसी रोधित (भारी कार्य) बिजली की केबल भाग 1, 1100 वोल्ट तक की कार्यकारी बोल्टता के लिए	आईएस 01554 : 88 भाग 01	
31. 9113361	96/04	नोर्थन कंटेनर्स प्रा० लि०, 2-सी इंड० एस्टेट, जिला उना, मेहतपुर (हि०प्र०)-174 315	चौकोर कनस्तर—18 लिटर	आईएस 00916 : 89	

1	2	3	4	5	6
32. 9112561	96/04	स्वर्ण इंडिया टाइटल्स कं. (रजि०) डी-21-1 फेस-7, फोकल प्वाइंट धनदारी कलां, लुधियाना 141 010	सीमेंट कंक्रीट की फर्ण बिछाने वाली टाइलें	आईएम 01237 : 80	
33. 9113260	96/04	टी एस इंडस्ट्रीज, सोडस रोड, जालंधर (पंजाब)	धातुवर्धन ढलवां लोहे के पाइप फिटिंग की विशिष्टि	आईएम 01879 : 87	
34. 9112763	96/04	तेज इंजीनियरिंग वर्क्स सोडस रोड, जालंधर (पंजाब) 144 004	धातुवर्धन ढलवां लोहे के पाइप फिटिंग की विशिष्टि	आईएम 01879 : 87	
35. 5061449	96/04	गजानन स्टील लिमिटेड, एन०एस०सी० बॉस रोड, गांधी : चांदपुर पी०ओ० मलांचा 24 परगना (द०), वेस्ट बंगाल-743 353	संरचना प्रयोजनों के लिए इस्पात के पाइप	आईएम 01161 : 79	
36. 5060346	96/04	इंटीग्रेटेड सर्विसेज 100/1/1 श्रीपीपूर रोड कलकत्ता 700 027	खन श्रमिकों के टोप-लैम्पों के लिए बल्ब	आईएम 02596 : 80	
37. 5061651	96/04	ओम डवलपमेंट लिमिटेड 184 जे०एन० मुखर्जी रोड, हावड़ा 710 106	सिचाई प्रयोजनों के लिए एल्युमी- नियम मिश्रधातु की नलिकाएं भाग 2	आईएम 07092 : 92 भाग 02	
38. 5060851	96/04	पॉलीस्टार कोरगेटर (प्रा०) लि०, 15/28 माल रोड, कलकत्ता 700 080	विस्फोटकों के पैकेजों हेतु सामान्य अपेक्षाएं भाग 1 व्यापारिक उच्च विस्फोटक	आईएम 10212 : 86 भाग 01	
39. 5060750	96/04	समथदीप पोलीपाइप (जी०बी० प्लास्टिकेस प्रा० लि० की डिबीजिम) रानीमगर इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेक्टर रानीमगर, जलपईगुड़ी, पश्चिम बंगाल	पेयजल आपूर्ति के लिए सीवरोचित पीवीसी फिटिंग की विशिष्टि भाग 2 सर्किट हेतु विशिष्ट अपेक्षाएं	आईएम 10124 : 88 भाग 02	
40. 5061045	96/04	भारत हार्डवेयर (प्रा० लि०, बिक्रान्त पांडा, डमजूर, हावड़ा 711 411	पार्लियामेंट हिज	आईएम 00362 : 91	
41. 5061752	96/04	हलमक इंडस्ट्रीज 23/32, चांदीतोला मेन रोड, कलकत्ता 700 053	सिचाई तंत्र के छिड़काव यंत्र के लिए पालीइथाइलीन पाइप भाग 2	आईएम 14151 : 94 भाग 02	
42. 5060548	96/04	लेजर केबल्स प्रा० लि०, 8, गिरीश घोष रोड, पतिपुकर कलकत्ता 700 048	1100 बोल्ड तक की कार्यकारी बोल्डता के लिए पीवीसी रोधित केबल	आईएम 00694 : 90	
43. 5061348	96/04	पाथोनिथन प्लास्टिक वर्क्स प्रा० लि०, कमन्त लाल शाह रोड, कलकत्ता 700 053	सिचाई तंत्र के लिए छिड़काव यंत्र के लिए पालीइथाइलीन पाइप	आईएम 14151 : 94 भाग 01	

1	2	3	4	5	6
44.	5061247	96/04	सिधी केबल्स एण्ड कंडक्टर्स प्रा० लि०, एनए-ग्रामी, तिताबार, जिला ओरहट (असम) 785 630	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक भाग 4	आईएस 00398 : 76 भाग 04
45.	6103646	96/04	सन पम्पस 20, शोभा नगर 2, के०भार० पुरम, अवरमपलायम कोयम्बतूर 641 006	एक फेज लघु ए०सी और संचिक बिजली की मोटर	आईएस 00996 : 79
46.	7104754	96/04	बी०डी० इंडस्ट्रीज, 11 ए कुर्ला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नारी सेवा सदन रोड, एलबीएस मार्ग, घाटकोपर, मुम्बई 400 086	पानी भण्डार हेतु प्लास्टिक टैंकियां	आईएस 12701 : 89
47.	7104653	96/04	मुकन्द लिमिटेड, बेलापुर रोड बी०, पी०ओ० काल्मे, थाणे जिला 400 605	धातु ग्रार्क बेल्टिंग इलेक्ट्रोड के मृदु इस्पात	आईएस 02879 : 75
48.	7104148	96/04	पावरफ्लो केपेसिटर्स (इंडिया) प्रा० लि०, जी-57 एमआईडीसी, अम्बाडू, नासिक 422 010	पावर तंत्र के लिये शंट संधारित्र	आईएस 02834 : 86
49.	7104855	96/04	वाम इलेक्ट्रो डिवाइसेस प्रा० लि०, प्लाट नं० 50, समीप बिडको एण्ड कोहिनूर प्लास्टिक पीएलडीसी, महिम, पालघर, थाणे जिला 401 404	ए०सी० वाट घंटा मीटर, क्लास 0.5 1 एवं 2	आईएस 13010 : 90
50.	7104350	96/04	डेलस्टार केबल्स प्रा० लि०, जे/207, एमआईडीसी तारापुर इंड एरिया, नवापुर रोड, बोयसर, तालुक पालघर थाणे जिला 401 501	पीवीसी रोहित (भारी कार्य) बिजली की केबल भाग 1 1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए	आईएस 01554 : 88 भाग 01
51.	7105756	96/04	श्री हरगोबिन्द सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड, ब्लॉक 863, गांव मंजुन्सर, तह : सावली, जिला नड़ोदा-391340	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
52.	7104451	96/04	इयनामिक कार्पोरेशन, इंदिरा निवास, प्रताप रोड, इंडिया बाजार, नड़ोदा-390001	अग्निशमन के लिए यांत्रिक भाग उत्पन्न करने हेतु भाग सान्द्र (योगिक) भाग 2 जलीय फिल्म बनाने वाले भाग	आईएस : 04989 : 85 भाग 02
53.	7104552	96/04	महा गुजरात स्टील रोलिंग मिल्स, समीप बल्लभनगर, मोघव, अहमदाबाद-382410	जिक फासकाइड, तकनीकी ग्रेड	आईएस 01251 : 88



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
54.	8136671	96/04	भारजू कंक्रीट प्रोडक्ट्स, प्लॉट नं. 367, गांव पपराबत, पी.ओ. नजफगढ़, नई दिल्ली-110043	पूर्व ढलित कंक्रीट में होल के डक्कन और फ्रेम	आई एम 12592 : 88 भाग 02
55.	8139172	96/04	बंसल लैम्प इंडस्ट्रीज, डब्ल्यू जेड-248, शकूरपुर, दिल्ली-110034	टंगस्टन तंतु के सामान्य सेवा बिजली के लैम्प	आई एस 00418 : 78
56.	8138170	96/04	जे.एन. इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) 506 महावीर बाजार, तेलीवाड़ा, दिल्ली-110006	घरेलू और समान विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2 विवरणात्मक अपेक्षाएं अनुभाग-3 विद्युत इस्तरी	आई एस 00302 : 92 भाग 02
57.	8135063	96/04	कावेरी इंटरनेशनल, 436 मेन रोड, मण्डावली, (पीछे डा. सुनिल धींगरा क्लीनिक), समीप लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092	द्रवित पेट्रोलियम गैसों के साथ प्रयुक्त घरेलू गैस चूल्हे	आई एस 04246 : 92
58.	8134364	96/04	भारतस होम एप्लायमेंस 26, संजय नगर, गुलाबी बाग, दिल्ली-110007	घरेलू और समान विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2 विवरणात्मक अपेक्षाएं अनु- भाग-3 विद्युत इस्तरी	आई एस 00302 : 92 भाग 02 अनु. 03
59.	8138372	96/04	प्रिंस केबल इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. सीएस-91 664 समीप पुराना शिव मंदिर, हैवरपुर, दिल्ली-110052	1100 वोल्ट तक की कार्य- कारी बोल्टता के लिए पीवीसी रोधित केबल	आई एस 00694 : 90
60.	8139374	96/04	राजधानी इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, 9/56, गली बगीची, विश्वास नगर, दिल्ली-110032	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी बोल्टता के लिए पीवीसी रोधित केबल	आई एस 00694 : 90
61.	8138574	96/04	रॉज इंडस्ट्रीज, 46, सिलवर पार्क, पटपड़गंज, दिल्ली-110051	एक फेजी लघु ए.सी. और सर्विस बिजली की मोटर	आई एस 00996 : 79
62.	8134268	96/04	स्टार प्रोडक्ट्स (इंडिया), 79-ए, गली नं. 13, गुरुद्वारा मोहल्ला, मोजपुर, दिल्ली-110053	विद्युत इस्तरी	आई एस : 00366 ; 91
63.	8133968	96/04	अजय इंडस्ट्रियल कारपो. बी-29, रेवाड़ी लेन, इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110027	बोर नलकूपों के लिए अनम्य- कृत पी वी सी जाली और आवरक पाइप	आई एस 12818 : 92
64.	8138473	96/04	एल्पाइन इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. 233, खसरा नं. 20 चिल्ले रोड, पटपड़गंज, दिल्ली	एक फेजी लघु ए.सी. और सार्विक बिजली की मोटर	आई एस 00996 : 79

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
65	8140157	96/04	दक्खिन इलेक्ट्रिक इंडस्ट्रीज, ए-190, नारायणा इंड. एस्टेट, फेज 2, नई दिल्ली-110028	इलास्टोमर विद्युत रोधित केबल	आईएस 09968 : 88
66.	8135568	96/04	डॉवी इलेक्ट्रिकल्स, ए-120/1, ग्रुप इंड. एरिया, बजीरपुर, दिल्ली-110052	घरेलू और समान विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2 विवरणात्मक अपेक्षाएं खंड 1	आईएस 00302 : 92 भाग 02
67.	8137774	96/04	ग्लासी कलर एण्ड पेंट (प्रा.) लि., 50ए एबं बी, शिवाजी मार्ग, इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110015	सड़कों पर निशान लगाने के लिए तैयारगुदा रोलन	आईएस 00164 : 81
68.	8133584	96/04	नामपाल इलेक्ट्रिक एण्ड रेडियो का. सी-108, नारायणा इंड. एस्टेट फेज-I, नई दिल्ली 110028	घरेलू और समान विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2 विवरणात्मक अपेक्षाएं अनु. 3 विद्युत इस्तेरी	आईएस 00302 : 92 भाग 02 अनु. 03
69.	8136873	96/04	ओरिएंटल कलर एण्ड पेंट इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि. बी-91 मायापुरी नई दिल्ली-110064	सामान्य प्रयोजनों के लिए भक्नों के अक्षर प्रयोग हेतु फिनिशिंग के लिए तैयार मिश्रित रोलन के अनुरूप काला और सफेद	आईएस 03537 : 66
70.	8136772	96/04	पेस्टो केम इंडिया 320 इंड. एरिया करावले नगर माहुरा दिल्ली-110094	मैलाभियान कायसनीय सांद्र	आईएस 02567 : 76
71.	8135869	96/04	पाओभियर प्लास्टिक्स इंडस्ट्रीज (दिल्ली) प्रा. लि. ए-185 ओखला इंड. एरिया फेज 2 नई दिल्ली-110020	पानी की आपूर्ति के लिए उच्च चमक वाले पोलिइथिलीन पाइप	आईएस 04984 : 87
72.	8135871	96/04	रोड्स इलेक्ट्रिकल्स डी-10 पसीटिफ फेक्टरी काम्प्लेक्स मण्डेवाला रानी मांसी रोड नई दिल्ली-110055	घरेलू और समान विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2 विवरणात्मक अपेक्षाएं	आईएस 00302 : 92 भाग 02 खंड 01
73.	8135366	96/04	सोनेजा इलेक्ट्रिकल्स आई-13 कीर्ति नगर नई दिल्ली-110015	घरेलू और समान विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2 विवरणात्मक अपेक्षाएं-खंड 1	आई एस 00302 : 92 भाग 02 खंड 01
74.	8139475	96/04	सरधना इलेक्ट्रिकल्स 42, नया ओखला इंड. काम्प्लेक्स फेज 1 नई दिल्ली-110020	घरेलू और समान विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2 विवरणात्मक अपेक्षाएं-खंड 1	आईएस 00302 : 92 भाग 02 खंड 01
75.	8133160	96/04	कात्रा प्लास्टो पाइप्स, गांव पतलून, जाइबारा, नरमिहपुर, गदरवाड़ा	पेयजल आपूर्ति के लिए गैर- प्लास्टिक पीपीसी पाइप	आईएस-04985 : 88

1	2	3	4	5	6
76.	8132966	96/04	कटारिया स्टील्स एण्ड एलॉय प्रा. लि., 44-इंडस्ट्रियल एरिया, रतलाम-457001	कंक्रीट प्रकलन के लिए उच्च सामर्थ्य विन्यमित इस्पात सरिंग और तार	आईएस 01786 : 85
77.	8134061	96/04	कविता सीमेंट प्रा. लि., एफ-450, विण्णकर्मा इंड. एरिया, अजमेर-302013	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
78.	8133261	96/04	साथी सीमेंट्स प्रा. लि., ई-16, इंडस्ट्रियल एरिया, झिंझर, श्रीगंगोपुर-332915	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 00269 : 89
79.	8134162	96/04	उजाला पम्पस प्रा. लि., एफ-83, इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर, भिवाड़ी-301019	एक चक्र लघु ए.सी. जोर सार्वजनिक सिंचनी की मोटर	आईएस 00996 : 79
80.	8135164	96/04	कॉन्टिनेन्टल सीमेंट वर्क्स प्रा. लि. सी-24-26 इंडस्ट्रियल एरिया, महमंज, किसानगढ़, अजमेर-305801	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस : 88112 : 89
81.	8133362	96/04	सराना सीमेंट्स लि. गान्ध पन्डलू, पोस्ट बुरण्डा, नागौर (राजस्थान)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
82.	8104749	96/04	वामश्री कृष्णा सीमेंट्स प्रा. लि., बारीशमगांव, रणस्थलम मंडल, श्रीकाकुलम जिला	पोर्टलैंड स्लेम सीमेंट	आईएस 00453 : 89
83.	9113765	96/04	क्राउन कंटेनर्स, 1322, एम. आर्. ई. फेज 1, जहापुरगढ़ (हरियाणा)	चौकोर कनस्तर-15 क्रिया. की व्यवस्था, सभ्य तेलों और बेकरी क्रिया के लिए	आईएस 10325 : 89
84.	9112662	96/04	सम्प्राट टाइल्स, इंजीनियर्स एन्सलव, समीप : किरण किरार, कल्या बेका रोड, जिला लुधियाना (पंजाब)	सीमेंट कंक्रीट की फर्श बिछाने वाली टाइलें	आईएस 01237 : 80
85.	9113058	96/04	एस.बी. मेटल वर्क्स, प्लाट नं. 16, न्यू कालोनी, तन्दा रोड, जालंधर (पंजाब)	विद्युत प्रयोजनों के लिए ताम्बे की पट्टी	आईएस 01897 : 89
86.	9113664	96/04	पेयरेस्ट इलेक्ट्रिकल वर्क्स (इं.) 927, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 2 अमृतसर	घरेलू और सामान्य विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2 विद्युतगोपक उपकरणों के लिए 30 विद्युत चिकित्सक	आईएस 00302 : 92 भाग 02 खंड 30
87.	9112359	96/04	यमुना सीमेंट एण्ड मिनरल्स (प्रा.) लि. 86, इंडस्ट्रियल एरिया पेंटा स्टाइल जिला सिरमौर	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
88.	8134465	96/04	ग्रजय इंडस्ट्रियल कारपो. 20 11 साइट नं. 4 साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया साहिबाबाद (गाजियाबाद)	पेयजल आपूर्ति के लिए गैर- प्लास्टिक पीवीसी पाइप	आईएम 04985 : 88
89.	8136974	96/04	विक्टर केबल कारपोरेशन, 185 जी.टी. रोड गाजियाबाद साहिबाबाद-201007	वैलिंग केबल	आईएम 09857 : 90
90.	8154471	96/04	वीनस सीमेंट लि., गांध एवं पोस्ट रानी पोखरी, देहरादून (उ.प्र.)-248145	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएम 08112 : 89
91.	8136368	96/04	प्रताप कांटेन्टल प्रा. लि., शेर नगर, जनपथ रोड, मुजफ्फरनगर	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएम 08112 : 89
92.	8136267	96/04	सरदार मेटल इंडस्ट्रीज, बी-13, हैण्डलूम काम्प्लेक्स, बुलन्दशहर रोड इंड. एरिया, गाजियाबाद	चोकोर कनस्तर 15 किग्रा. बी, वनस्पति, खाद्य तेलों और बेकरी में प्रयुक्त मोयन के लिए	आईएम 10325 : 89
93.	8137269	96/04	बी.एस. इंडस्ट्रीज, 23-बी, मुहकम पुर इंड. एस्टेट, फेज 2, दिल्ली रोड, मेरठ (उ.प्र.)	धातुवर्धक ढलवां लोहे के पाइप फिटिंग की विशिष्ट	आईएम 01879 : 87
94.	5061550	96/04	जगदम्बा सीमेंट इंडस्ट्रीज, इंडस्ट्रियल एरिया, पी.ओ. एवं पी.एस. देहरी आनमोन, रोहतास	पोर्टलैंड स्लेज सीमेंट	आईएम 00455 : 89
95.	5060649	96/04	जगदम्बा प्लाई-वुड इंडस्ट्रीज लि. सैकेण्ड फेल, इंडस्ट्रियल एरिया, हाजीपुर, वैशाली	लकड़ी के सपाट दरवाजे के शटर (ठोस कोर प्रकार) भाग 1 प्लाईवुड सतहयुक्त पल्ले	आईएम : 02202 : 91 भाग 01
96.	5060952	96/04	हैदराबाद इंडस्ट्रीज लिमिटेड, इंडस्ट्रियल एरिया, जमिंदी, देवगढ़ 814142	पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट भाग 1 प्लाइंग आधारित	आईएम 01489 : 91 भाग 01
97.	7105655	96/04	गुजरात फार्मास्यूटिकल को-ऑप- इंड. लि., बी/एच नारोल कोर्ट, एन आर पदम टेक्सटाइल, नारोल, अहमदाबाद-382405	हथकरघे की बनी अवशोषी अनिर्जमित सूती गॉज	आई.एस 00758 : 88
98.	8138271	96/04	भारतवाज इलेक्ट्रिकल्स, डब्ल्यू जेड-105 ए, शकूरपुर गांव, दिल्ली-110034	टंगस्टन तंतु के सामान्य सेवा बिजली के लैम्प	आईएम 00418 : 78
99.	8135770	96/04	मै. एडवांसड एप्लायंसेस, ई-18, सैक्टर 11, नोएडा, जिला गाजियाबाद (उ.प्र.)-201301	घरेलू और सामान विद्युत साधनों की सुरक्षा-भाग 2 विवरणात्मक अपेक्षाएं-खंड 1	आईएम 00302 : 92 भाग 02 खंड 1

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
100.	8135972	96/04	आर के इलेक्ट्रिकल्स, एम एस सी 174 योगनया मुहल्ला, पहाड़गंज, नई दिल्ली-110055	घरेलू और सामान विद्युत साधनों की सुरक्षा-भाग 2 विवरणात्मक अपेक्षाएं खंड 1	आईएस 00302 : 92 भाग 02 खंड 01
101.	8135265	96/04	एम बीएस इलेक्ट्रानिक्स (प्रा) लि ई-204, प्लैटिड फैक्टरी काम्प्लेक्स घोखला नई दिल्ली-110020	घरेलू और सामान विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2 विवरणात्मक अपेक्षाएं खंड 1	आईएस 00302 : 92 भाग 02 खंड 01
102.	8133665	96/04	एनजीएच इलेक्ट्रिकल्स एफ-30, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली-110015	एक फेज लघु ए.सी. और सार्विक बिजली की मोटर	आईएस 00996 : 79
103.	8139576	96/04	पीके इलेक्ट्रिकल्स, ई-254, शास्त्री नगर, समीप इंदिरा पार्क, नई दिल्ली-110052	खनिज भरे खोलदार तापन एलीमेंट	आईएस 04159 : 83
104.	8139576	96/04	पी.के. इलेक्ट्रिकल्स, ई-254, शास्त्री नगर, समीप इंदिरा पार्क, नई दिल्ली-110052	पानी गमनि के डबाऊ हीटर	आईएस 00368 : 92
105.	8133463	96/04	सेवा प्रेट्रिडिंग कारपोरेशन 7006, बरी वाला बाग पुल बंगला, दिल्ली-110006	पानी गमनि के डबाऊ हीटर	आईएस 00368 : 92
106.	8135467	96/04	बर्मा ट्रेडर्स सी-226, चिनिग्रोट बस्ती मुल्तानी ढांडा, पहाड़गंज, नई दिल्ली-110055	घरेलू और सामान विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2 विवरणात्मक अपेक्षाएं	आईएस 00302 : 92 भाग 02
107.	8138069	96/04	बर्मा ट्रेडर्स सी-226, चिनिग्रोट बस्ती मुल्तानी ढांडा, पहाड़गंज नई दिल्ली-110055	खनिज भरे खोलदार तापन एलीमेंट	आईएस 04159 : 83
108.	8133867	96/04	प्रसिम सीमेंट (प्रसिम इंडस्ट्रीज की एक इकाई) गांव एवं पोस्ट रावन; तहसील सिमगा, रायपुर	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 12269 : 87
109.	8134869	96/04	मेहर सीमेंट वर्क्स पी.ओ. सरला नगर, मेहर जिला सतना-485772	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 00269 : 89
110.	8138877	96/04	अजय कंटेनर्स ग्रोल्ड इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर-301701	चीकोर कनस्तर-15 किग्रा. थी वनस्पति, खाद्य तेलों और बेकरी में प्रयुक्त मोयन के लिये	आईएस 10325 : 89
111.	8138675	96/04	हेमाद्री इंडस्ट्रीज ए-20-ए, इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर, बहरोड-301701	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 00269 : 89
112.	8137067	96/04	ज्योति इंटरप्राइसिस बी-21, रोड नं. 2, पाइप इन्द्रप्रस्थ इंडस्ट्रियल एरिया, कोटा	एसबस्तास सीमेंट के अवन निर्माण तथा पाइप फिटिंग, गटर तथा गटर फिटिंग तथा छत निर्माण भाग 1 पाइप तथा पाइप फिटिंग	आईएस 01626 : 91 भाग 01
113.	8137168	96/04	ग्रोशिवी इंडस्ट्रीज एफ-14, इंडस्ट्रियल एरिया, बिन्दायक, जयपुर	पानी की आपूर्ति के लिये उच्च घनत्व बाय पलीएथिलीन पाइप	आईएस 04984 : 87

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
114.	8138776	96/04	श्री मोसार् सीमेंट्स प्रा. लि., प्लॉट नं. एफ-90, एफ-140, एफ-141, ई-122-123, रिको इंड. एरिया, पी.ओ. रतनगढ़ जुहू, रतनगढ़	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
115.	8137572	96/04	वीरमीवाला सीमेंट्स प्रा. लि., डाबला रोय, सुरुन्द कोटपुतली (जयपुर)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
116.	8137370	96/04	के.डी. सीमेंट्स प्रा. लि., श्री डूंगरगढ़ रोड, पी.ओ. बिदासर, जुहू, सुजानगढ़	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
117.	8139677	96/04	ग्रोम शिव शक्ति सीमेंट प्रा. लि. एफ-15. इंडस्ट्रियल एरिया, सीकर	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
118.	8139071	96/04	राजश्री सीमेंट वर्क्स 51-ए, सामने बी.टी.एम. मिल इंड. एरिया, बांसवाड़ा (राज.)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
119.	8137976	96/04	रोहित कृशाल लिमिटेड गांव-हमजापुर, तहसील : बहरोड, अलवर-301701	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
120.	8139879	96/04	सलूजा सीमेंट (प्रा) लि., ए-24 बी, इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर, बेहरोड	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
121.	8136570	96/04	सुरभि सीमेंट्स प्रा. लि., जी-100 से 102, 114, 115 रिको इंड. एरिया, रतनगढ़ जिला जुहू	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
122.	8138978	96/04	श्याम सीमेंट्स प्रा. लि., एफ-54 से एफ-57, बिकवाल इंड. एरिया, फेज 2, बीकानेर-334001	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
123.	8139980	96/04	शोनक इंडस्ट्रीज प्रा. लि., ई-45, इंड. एरिया, बेहरोड, अलवर	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
124.	8140056	96/04	सलूजा मिमरल्स (प्रा) लि., ए-24-ए रिको इंड. एरिया, बेहरोड, जिला अलवर	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89
125.	8137673	96/04	तेस्ता सीमेंट्स (प्रा) लि., गांव पथरडी, पोस्ट प्राणपुर, तहसील कोठपुतली, जिला जयपुर	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
126.	9112864	96/04	जे एंड पेस्टीसाइड्स एंड कौमीकल कारपो. 53-54 एस आई सीओपी इंड एस्टेट, बारी ब्राह्मण, जम्मू	2,4-डी इथाइल एस्टर पायसनीय सांद्र	आई एस 10243 : 93
127.	9082679	96/04	मथन पैकर्स (प्रा.) लि., जीन्द्र रोड, संगरूर, संगरूर-148001	18 लिटर के चौकोर कनस्तर	आई एस 00916 : 89
128.	9112965	96/04	मैसर्स एल्फा स्ट्रिंग्स लिमिटेड, बी-3, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 1, ओरई, जालौन	कंक्रीट प्रबलन के लिये उच्च सामर्थ्य विनियमित इस्पात के सरिए और तार	आईएस 01786 : 85
129.	9113159	96/04	शारदा फर्टिलाइजर औद्योगिक उत्पादन सहकारी समिति लि., मथुरा नगर, खतर रोड, गोल गोरखनाथ, लखिमपुर खेड़ी	जिक सल्फेट, कृषि ग्रेड	आईएस 08249 : 76
130.	9113462	96/04	मै. ध्रुव इंडस्ट्रियल को. प्रा. लि., बी-20 यू पी एस आईडीसी इंड. एरिया, भरुआ सुमेरपुर, हमीरपुर		आईएस 01489 : 91
131.	9113967	96/04	मै. शिव हरि प्लाईवुड प्रा. लि., 4,4 कि.मी. स्टोन, काशीपुर रोड, पी. ओ. जसपुर, नैनीताल 244 712	सामान्य प्रयोजनों के लिए प्लाईवुड	आईएस 00303 : 89
132.	5061146	96/04	ईस्टर्न सेपटी प्लाट नं. बी-22, कुम्भा इंड. एरिया, पी. ओ. गोविन्दपुर, जिला धनबाद, बिहार	रबड़ के अस्तित्व वाले औद्योगिक और सुरक्षा बूट	आईएस 05557 : 92
133.	8095986	96/04	हर नारायण ट्यूब्स डब्ल्यू जेड 754 ए, सुदर्शन पार्क, नई बिल्ली 110015	कंक्रीट में जैडो पर गर्म लगाने जाने वाला सीलिंग यौगिक	आईएस 01834 : 84
134.	8094984	96/04	हिमेटिक एगो इक्विपमेंट (प्रा.) लि., ए-64, सेक्टर 2, चौएडा	पावर परिचासित, वायु-चालित छिड़काव यंत्र एवं भुरकन यंत्र भाग 1 नैकसेक टाइप	आईएस 07593 : 86 भाग 01
135.	8095582	96/04	श्री दुर्गा इंडस्ट्रीज (रजि.) 37, रामनगर, गली नं. 1 महाईमंज, नई बिल्ली 110 055	डैजर्ट कूलर के प्रम्पसीट	आईएस 11951 : 87
136.	8093073	96/04	एलाइड ग्लासिस प्रा. लि., बागपत रोड, मेरठ 250 002	सुरक्षा कांच भाग 1 सामान्य प्रयोजन	आईएस 02553 : 90 भाग 01

1	2	3	4	5	6
137.	8093780	96/04	कृष्णा कंटेनर्स सम्मुख : 132 के वी सब स्टेशन छटमलपुर, सहारनपुर	चौकोर कनस्तर—15 कि.ग्रा. घी, वनस्पति, खाद्य तेलों और बकरी में प्रयुक्त मोयन के लिए	आईएस 10325 : 89
138.	8095481	96/04	सिकन्दराबाद कंटेनर्स प्रा. लि., प्लॉट नं. एच-2/ए, यूपीएसआईडीसी, इंडस्ट्रियल एरिया, सिकन्दराबाद 203 205	चौकोर कनस्तर—15 कि.ग्रा. घी, वनस्पति, खाद्य तेलों और बकरी में प्रयुक्त मोयन के लिए	आईएस 10325 : 89
139.	8094176	96/04	शंकर टिन इंडस्ट्रीज खसरा नं. 169/1 जी. टी. रोड, छपरीला, गाजियाबाद	चौकोर कनस्तर—15 कि.ग्रा. घी, वनस्पति, खाद्य तेलों और बकरी में प्रयुक्त मोयन के लिए	आईएस 10325 : 89

[सं. के प्र बि/13 : 11]

जे. वेंकटरामन, अपर महानिदेशक

New Delhi, the 27th October, 1998

S. O. 2314.—In pursuance of Sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988 of Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

## SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Operative Name & address (factory) Date of the party	Title of the standard	IS:No/Part/Sec. & Year
1.	6103545	96/04	Binny Limited Perambur Barracks Road Madras 600012	Cotton drills (fourth revision) (Amendment 1) IS 00177:89
2.	6103343	96/04	Prestige Products 43, A/1, Jeeva Nagar 1 Street Jaihind Puram Madurai 625011	Non-pressure stoves (second revision) (Amendments 3) IS 02980:86
3.	6103141	96/04	Shehnai Industries R. S. No. 76/3, Lingareddypalayam Main Road, Katterikuppam Pondicherry 605502	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases (fourth revision) IS 04246:92
4.	6102644	96/04	Dalmia Cement (Bharat) Limited Dalmiapuram Distt. Trichy 621651	Portland slag cement (fourth revision) (Amendment 3) IS 00455:89
5.	6103040	96/04	Mini Forge Pvt. Ltd. A-9, Peenya Indl. Estate I Stage I Cross Bangalore 560058	Submersible pumpsets (first revision) (Amendments 3) IS 08034:89
6.	6103747	96/04	MLC Industries Ltd. 2, Murphy Road, Alsoor Bangalore 560008	Dimensions of Caps for tungsten filament general service electric lamps IS 09206:79



1	2	3	4	5	6
7.	6102947	96/04	Tata BP Solar India Ltd A-102 & 103, Block II KSSID1 Multi storey Block Electronics City Hosur Road Bangalore 561229	Solar flat plate collector : Part 1 Requirements first revision) (Amendments 2)	IS 12933:92 Part 01
8.	6102240	96/04	Kumar Enterprises E-10, Kattedan Indl. Estate Hyderabad Hyderabad 500252	Irrigation equipment—polyethylene pipes for irrigation laterals (Amendment 1)	IS 12786:89
9.	6104648	96/04	Mega Pulverisers Shed No. D-3, Road No. 5 APIIC Ltd. Kattedan Hyderabad	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
10.	6103949	96/04	Binjusaria Metal Box Co. C-1 & 2, Govt. Indl. Estate Chandhulal Baradari Hyderabad 500264	Cast billet ingots and conti- nuously cast billets for rolling into structural steel (ordinary quality) (first revision) (Amendments 2)	IS 06915:78
11.	6103444	96/04	Galada Power & Telecommu- nications Ltd. P-2/6, IDA Block III Uppal Hyderabad 500039	Aluminium conductors for overhead transmission purposes : Part 5 Aluminium conductors galvanized steel reinforced for extra high voltage (400 kv and above) (first revision)	IS 00398:76 Part 05
12.	6104244	96/04	Galada Power & Telecommu- nications Ltd. P-2/6, IDA Block III UPPAL Hyderabad 500039	Aluminium conductors for over- head transmission purposes : Part 2 Aluminium conductors, galvanized steel reinforced (second revision) (Amendments 3)	IS 00398:76 Part 02
13.	6102745	96/04	Gautam Rollings Mills P. Ltd. A-14, B-8-9 Assisted Industrial Estate Moula Ali Hyderabad 500040	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (Third revision) (superseding IS : 1139-1966) (Amendment No. 1)	IS 01786:85
14.	6102543	96/04	Shree Bajrang Jute Mills Ltd. Ring Road Guntur 522006	Textiles—B-twill jute bags for packing foodgrains (third revision)	IS 02566:93
15.	6104143	96/04	Southern Pesticides Corpn. Ltd. Arikirevala Near Kovvur Distt. West Godawari	Cypermethrin EC (Amendment 1)	IS 12016:87
16.	7104249	96/04	Resistro Enterprises W-60 (B) MIDC Ambad Nasik 422010	Shunt capacitors for power systems (second revision) (Amendments 4)	IS 02834:86
17.	7104047	96/04	Proton-Electro Motors 68, MIDC Indl. Area Chikal Thana Aurangabad-431210	Monoset pumps for clear, cold water for agricultural purposes (first revision) (Amendments 2)	IS 09079 : 89

1	2	3	4	5	6
18.	8134667	96/04	The Bombay Burmah Trading Corp. Ltd. Central India Board Products, DN Pathrota Road P.B. No. 32 Hoshangabad Itarsi-461111	Veneered particle boards (first revision) (Amendment 1)	IS 03097 : 80
19.	8134970	96/04	Maihar Cement Works P.O. Sarla Nagar Maihar Distt. Satna-485772	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112 : 89
20.	8133766	94/04	ACSR F-818 Q & F-818 R Road No. 14 Vishwakarma Industrial Area Jaipur, Jaipur-302013	Aluminium conductors for over-head transmission purposes; Part 2 Aluminium conductors, galvanized steel reinforced (second revision) (Amendment 3)	IS 00398:76 Part 02
21.	8136469	96/04	Jan Priya Cement Limited Opp. Railway Station P.O. Neem Ka Thana 332713 Sikar Neem Ka Thana-332713	43 grade ordinary Portland cement (first Revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
22.	8137875	96/04	A.K. Cements Pvt. Ltd. Village; Bitten Tehsil; Mertacity Nabaur Mertacity	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
23.	8139778	96/04	Bharosa Cements Pvt. Ltd. Plot No. SP-I Industrial Area Sikar Neem-Ka-Thana	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
24.	8137471	96/04	Chirag Cements Pvt. Ltd. E-26, Riico Industrial Area Alwar Behror	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
25.	8133059	96/04	Raj Solvex Limited 4, Matsya Industrial Area Alwar, Alwar-301030	Vanaspati (first revision) (Amendment 1)	IS 10633 : 86
26.	8134566	96/04	Superfine Cement Pvt. Ltd. E-32, Industrial Area, Nagaur, Merta City-341510	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
27.	8134768	96/04	United Cement Pvt. Ltd. E-17 & 18, Riico Industrial Area Sikar Shrimadhopur-332715	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
28.	9113866	96/04	Atulya Techplast Ltd. 420-21, M.I.E. Bahadurgarh (Haryana)-124507	Unplasticised PVC pipes for potable water supplies (second revision) (Amendment 1)	IS 04985:88

1	2	3	4	5	6
29.	9112460	96/04	Fungicides (India) Ltd. Sidco Indl. Complex, Road No. 4 Phase 2, Bari Brahmna Jammu (J & K)	Pesticide-dodine WP.	IS 13785:93
30.	9113563	96/04	Gee Kay Cables (P) Ltd. Jhingran Road Near Kurali, Distt. Ropar Chanalon (Punjab)	PVC insulated (heavy duty) electric cables; Part 1 For working voltages upto and including 1 100 V (Third revision)	IS 01554:88 Part 01
31.	9113361	96/04	Northern Containers Pvt. Ltd. 2-C, Indl. Estate Distt. Una Mehatpur (HP)-174315	18 litre square tins (third revision)	IS 00916:89
32.	9112561	96/04	Swarn India Tiles Co. (Regd.) D-211, Phase-VII, Focal Point Dhandari Kalan Ludhiana-141010	Cement concrete flooring tiles (First revision)	IS 01237:80
33.	9113260	96/04	Tee Ess Industries By-Pass G.T. Road Behind Indl. Estate Jalandhar (Punjab)	Malleable cast iron pipe fittings (second revision) (Amendment Nos. 3)	IS 01879:87
34.	9112763	96/04	Tej Engineering Works Sedal Road Jalandhar (Punjab)-144004	Malleable case iron pipe fittings (second revision) (Amendment Nos. 3)	IS 01879:87
35.	5061449	96/04	Gajanan Steels Limited N.S.C. Bose Road Vill: Chandpur P.O. Malancha 24-Parganas (South), West Bengal-743353	Steel tubes for structural purposes (third revision) (Amendments 2)	IS 01161:79
36.	5060346	96/04	Integrated Services 100/1/1 Alipore Road, Calcutta-700027	Bulbs (lamps) for miners cap lamps (first revision) (Amendments 2)	IS 02596:80
37.	5061651	96/04	Om Development Limited 184 J.N. Mukherjee Road, Howrah 710 106	Aluminium alloy tubes for irri- gation purposes; Part 2 Extruded tubes (second revision)	IS 07092:92 Part 02
38.	5060851	96/04	Polestar Corrugator (P) Ltd. 15/2B Mall Road, Calcutta 700 080	General requirements for packa- ges of explosives; Part I Commercial high explosives (first revision) (Amendment 1)	IS 10212:86 Part 01
39.	5060750	96/04	Satyadeep Polypipe (A Divn. of G.B. Plastrocheme P. Ltd. Raninagar Industrial Growth Centre, Raninagar, Jalpaiguri, West Bengal	Fabricated PVC fittings for potable water supplies; Part 2 Specific requirements for sockets (first revision)	IS 10124:88 Part 02
40.	5061045	96/04	Bharat Hardware (P) Ltd. Biprannan Para, Domjur Howrah 711411	Parliament hinges (fifth revision)	IS 00362:81

1	2	3	4	5	6
41.	5061752	96/04	Hallmark Industries 23/32, Chanditola Main Road Calcutta 700053	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems: Part 2 Couplers	IS 14151:94 Part 02
42.	5060548	96/04	Laser Cables Pvt. Ltd. 8, Girish Ghose Road Patipukur Calcutta 700048	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694:90
43.	5061348	96/04	Pioneer Plastic Works Pvt. Ltd. Basant Lal Saha Road Calcutta 700053	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems: Part 1 Pipes	IS 14151:94 Part 01
44.	5061247	96/04	Singhi Cables & Conductors Pvt. Ltd. Na-Ali, Titabar Distt. Jorhat (Assam) 785630	Aluminium conductors for overhead transmission purposes; Part 4 aluminium alloy stranded conductors (aluminium magnesium silicon type) (third revision)	IS 00398:76 part 04
45.	6103646	96/04	Sun Pumps 20, Shobha Nagar II K.R. Puram, Avarampalayam Coimbatore 641006	Single-phase small ac and universal electric motors (second revision) (Amendments 2)	IS 00996:79
46.	7104754	96/04	B.D. Industries 11 A Kurla Industrial Estate Nari Seva Sadan Road LBS Marg, Ghatkopar Mumbai 400 086	Rotational moulded polyethylene water storage tanks (Amendments 2)	IS 12701:89
47.	7104653	96/04	Mukand Limited Belapur Road Dighe, P.O. Kalwe Thane Distt. 400 605	Mild steel for metal arc welding electrode core wire (second revision) (Amendment No. 4)	IS 02879:75
48.	7104148	96/04	Powersflow Capacitors (India) Pvt. Ltd. G-57 MIDC Ambad Nasik 422 010	Shunt capacitors for power systems (second revision) (Amendments 4)	IS 02834:86
49.	7104855	96/04	Vam Electro Devices Pvt. Ltd. Plot No. 50 Near Bidco & Kohinoor Plastics PLDC, Mahin Palghar Thane District 401 404	ac watt-hour meter, class 0.5, 1 and 2 (Amendments 1)	IS 13010:90
50.	7104350	96/04	Delstar Cables Pvt. Ltd. J/207, MIDC Tarapur Indl Area, Nawapur Road, Boisar Taluka Palghar Thane District 401501	PVC insulated (heavy duty) electric cables; Part 1 For working voltages upto and including 1 100 V (Third revision)	IS 01554:88 Part 01
51.	7105756	96/04	Shree Hargovind Cement Private Limited Block 863 Village Manjusar Tal Savli Distt. Baroda 391340	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89

1	2	3	4	5	6
52. 7104451	96/04	Dynamic Corporation Indira Nivas, Pratap Road Dandiya Bazar Baroda 390 001	Foam concentrate for producing mechanical foam for fire fighting; Part 2 Aqueousfilm forming foam (AFFF) (Amendments 2)	IS 04989:85 Part-02	
53. 7104552	96/04	Maha Gujarat Steel Rolling Mills Near Vallabhnagar Odhav, Ahmedabad 382 410	Zinc phosphide, technical (third revision)	IS 01251:88	
54. 8136671	96/04	Arzoo Concrete Products Plot No. 367, Village Paprawat P.O. Najafgarh New Delhi 110043	Precast concrete manhole covers and frames; Part 2 Frames	IS 12592:88 Part 02	
55. 8139172	96/04	Bansal Lamp Industries WZ-248, Shakurpur Delhi 110 034	Tungsten filament general service electric lamps (third revision) (Amendments 7)	IS 00418:78	
56. 8138170	96/04	J.N. Electricals (India) 506, Mahabir Bazar Teliwara Delhi 110.006	Safety of household and similar electrical appliances; Part 2 Particular requirements, Sec 3 Electric Iron	IS 00302:92 Part 02 Sec 03	
57. 8135063	96/04	Kaveri International 436, Main Road, Mandavali (Behind Dr Sunil Dhingra's Clinic, Near Laxmi Nagar, Delhi-110 092	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases (fourth revision)	IS 04246:92	
58. 8134364	96/04	Orsons Home Appliances 26, Sanjay Nagar, Gulabi Bagh, Delh- 110007	Safety of household and similar electrical appliances; Part 2 Particular requirements, Sec 3 Electric Iron	IS 00302:92 Part 02 Sec 03	
59. 8138372	96/04	Prince Cable Industries Plot No. CS-91/664, Near Old Shiv Mandir Haiderpur Delhi 110 052	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694:90	
60. 8139374	96/04	Rajdhani Electrical Industries 9/56, Gali Bagichi Vishwas Nagar Delhi 110 032	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694:90	
61. 8138574	96/04	Raj Industries 46, Silver Park Patpar Ganj Delhi 110 051	Single-phase small ac and-universal electric motors (second revision) (Amendments 2)	IS 00996:79	
62. 8134263	96/04	Star Product (India) 79-A, Gali No. 13 Gurdwara Mohalla, Moujpur, Delhi 110053	Electric irons (fourth revision)	IS 00366:91	
63. 8133968	96/04	Ajay Industrial Corpn. B-29 Rewari Line Industrial Area New Delhi 110 027	Unplasticized PVC screen and casing pipes for bore/tubewell (first revision)	IS 12818:92	

1	2	3	4	5	6
64. 8138473	96/04	Alpine Industries Plot No. 233 Khasra No. 20 Chille Road Patparganj Delhi	Single-phase small ac and universal electric motors (second revision) (Amendments 2)	IS 00996:79	
65. 8140157	96/04	Dawson Electric Industries A-19, Naraina Indl. Estate Phase II New Delhi 110028	Elastomer-insulated cables; Part 1 For working voltages upto and including 1 100 V (first revision) (Amendment 1)	IS 09968:88 Part 01	
66. 8135568	96/04	Dovy Electricals A-120/1, Group Indl. Area Wazirpur Delhi 110 052	Safety of household and similar electrical appliances; Part 2 Particular requirements, Sec 201 Electric immersion water heater	IS 00302:92 Part 02 Sec 201	
67. 8137774	96/04	Glossy Colour & Paints (P)Ltd. 50, A&B, Shrivaji Marg Industrial Area New Delhi 110015	Ready mixed paint, for road marking (first revision) (Amendment No. 1)	IS 00164:81	
68. 8133564	96/04	Nagpal Electric & Radio Co. C-108, Naraina Indl. Estate Phase-I, New Delhi 110 028	Safety of household and similar electrical appliances; Part 2 Particular requirements, Section 3 Electric Iron	IS 00302:92 Part 02 Sec 03	
69. 8136873	96/04	Oriental Colour & Paint Industries (P) Ltd. B-91, Mayapuri New Delhi 110 064	Ready mixed paint, finishing, interior for general purposes, to Indian Standard colours No. 101, 216, 217, 219, 275, 281, 352, 353, 358 to 361, 363, 364, 388, 410, 442, 444, 628, 631, 632, 634, 693, 697, white and black (Amendment 1)	IS 03537:66	
70. 8136772	96/04	Pesto Chem India 320, Indl. Area, Karawal Nagar Shahdara, Delhi 110 094	Malathion emulsifiable concentrates (second IS revision) (with amendment No. 1)	IS 02567:78	
71. 8135669	96/04	Pioneer Plastics Industries (Delhi) Pvt. Ltd. A-135, Okhla Indl. Area Phase II, New Delhi 110 020	High density polyethylene pipes for potable water supplies; sewage and industrial effluents (third revision)	IS 04984:87	
72. 8135871	96/04	Rahul Electricals D-10, Flatted Factory Complex Jhandewalan, Rani Jhansi Road New Delhi 110 055	Safety of household and similar electrical appliances; Part 2 Particular requirements, Sec 201 Electric immersion water heater	IS 00302:92 Part 02 Sec 201	
73. 8135366	96/04	Soneja Electricals I-13 Kirti Nagar New Delhi 110 015	-do-	IS 00302:92 Part 02 Sec 201	
74. 8139475	96/04	Sardana Electricals 42, New Okhla Indl. Complex Phase I New Delhi 110 020	-do-	IS 00302:92 Part 02 Sec 201	

1	2	3	4	5	6
75. 8133860	96/04	Kabra Plasto Pipes Village Patlon Gadarwara Narsinghpur Gadarwara	Unplasticised PVC pipes for potable water supplies (second revision) (Amendment 1)	IS 04985:88	
76. 8132966	96/04	Kataria Steels & Alloys Pvt. Ltd. 44-Industrial Area Ratlam Ratlam 457 001	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (Third revision) (superseding IS:1139-1966) (Amendment No. 1)	IS 01786:85	
77. 8134061	96/04	Kavita Cement Pvt. Ltd. F-450, Vishwakarma Indl. Area Jaipur Jaipur 302-013	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	
78. 8133261	96/04	Saathi Cements Pvt. Ltd. E-16, Industrial Area Sikar Shrimadhapur 332-915	33 Grade ordinary portland cement (forth revision) (Amendments 3)	IS 00269:89	
79. 8134162	96/04	Ujala Pumps Pvt. Ltd. F-83, Industrial Area Alwar Bhiwadi 301-019	Single-phase small ac and universal electric motors (second revision) (Amendments 2)	IS 00996:79	
80. 8135164	96/04	Continental Cement Works Pvt. Ltd. G-24-26, Industrial Area, Madanganj, Kishangarh, Ajmer Ajmer 305 801	43 grade ordinary portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	
81. 8133362	96/04	Surana Cements Ltd. Village Pundlu Post Borunda Nagpur (Rajasthan)	43 grade ordinary portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	
82. 6104749	96/04	Vamshee Krishna cements Pvt. Ltd. Varisham Village Ranasthalam Mandal Shrikakulam Distt.	Portland slag cement (fourth revision) (Amendments 3)	IS 00455:89	
83. 9113765	96/04	Crown Containers 1322, M.I.E. Phase-I, Bahadurgarh (Haryana)	Square tins-15 kg for ghee, VANASPATHI, edible oils and bakery shortenings (first revision) (Amendment 1)	IS 10325:89	
84. 9113662	96/04	Samrat Tiles Engineers Enclave, Near Kiran Vihar, Kachha Threcka Road V: Dod, Distt. Ludhiana (Punjab)	Cement concrete flooring tiles (First revision)	IS 01237:80	
85. 9113058	96/04	S.V. Metal Works Plot No. 18, New Colony Tanda Road Jalandhar (Punjab)	Copper strip for electrical purposes (second revision)	IS 01897:83	

1	2	3	4	5	6
86.	9113664	96/04	Everest Electrical Works (I) 927, Industrial Area Phase-II Chandigarh	Safety of household and similar electrical appliances; Part 2 Particular requirements, Sec 30 Electric radiators (Amendment 1)	IS 00302:92 Part 02 SEC 30
87.	9112359	96/04	Yamuna Cement & Minerals (P) Ltd. 86, Industrial Area Paonta Sahib Distt. Sirmur	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
88.	8134465	96/04	Ajay Industrial Corp. 20/11, Site No. 4, Sahibabad Industrial Area Sahibabad (Ghaziabad)	Unplasticised pipes PVC for potable water supplies (second revision) (Amendment 1)	IS 04985:88
89.	8136974	96/04	Victor Cable Corporation 185, G.T. Road, Ghaziabad, Sahibabad-201007	Welding cables (first revision)	IS 09857 : 90
90.	8154471	96/04	Venus Cement Ltd., Village & P.O. Rani Pokheri Dehradun (U.P.) 248145	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112 : 89
91.	8136368	96/04	Pratap Continental Pvt. Ltd. Sher Nagar Jansath Road, Muzaffarnagar.	43 grades ordinary portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112 : 89
92.	8136267	96/04	Sardar Metal Industries B-13, Handloom Complex, Bulandshahr Road Indl. Area, Ghaziabad, Ghaziabad.	Square tins—15 kg for ghee, VANASPATI, edible oils and bakery shortenings (first revision (Amendment 1)	IS 10325 : 89
93.	8137269	96/04	V.S. Industries, 23-B, Mohkampur Industrial Estate, Phase II, Delhi Road, Meerut (U.P.).	Malleable cast iron pipe fittings (second revision) (Amendment Nos. 3)	IS 01879 : 89
94.	5061550	96/04	Jagdamba Cement Industries Industrial Area P.O. & P.S. Dehri-On-Sone Rohtas.	Portland slag cement (fourth revision) (Amendments 3)	IS 00455 : 89
95.	5060649	96/04	Jagdamba Ply-Board Industries Limited second phase Industrial Area, Hazipur Vaishali.	Wooden flush door shutters (solid core type) : Part 1 Ply- wood face panels (Fifth revision) (Amendment Nos. 2)	IS 02202 : 91 Part 01
96.	5060952	96/04	Hyderabad Industries Limited Industrial Area Jasidih Deoghar-814 142.	Portland pozzolana cement Part 1 Flyash based (third revision)	IS 01489 : 91 Part 01
97.	7105655	96/04	Gujarat Pharmaceutical Co-op- Ind. Ltd. B/H Narol Court NR Padam Textile Narol Ahmedabad-382405.	Handloom cotton gauze, absor- bent, non-sterilized (fourth revision)	IS 00758 : 88



1	2	3	4	5	6
98.	8138271	96/04	Bhardwaj Electricals WZ-105 A, Shakurpur Village Delhi-110034.	Tungsten filament general service electric lamps (third revision) (Amendments 7).	IS 00418 : 78
99.	8135770	96/04	M/e Advanced Appliances E-18, Sector XI, Noida Distt. Ghaziabad (UP) 201301	Safety of household and similar electric appliances : Part Particular requirements, Sec. 201 Electric Immersion Water heater.	IS 00302 : 92 PART 02 SEC 201
100.	8135972	96/04	Arkay Electricals MSC 174 Yognaya Mohalla Paharganj, New Delhi-110055.	—do—	IS 00302 : 92 PART 02 SEC. 201
101.	8135265	96/04	MVS Electronics (P) Ltd. E-204, Flatted Factory Complex Okhla, New Delhi-110020.	—do—	IS 00302 : 92 PART 02 SEC 201
102.	8133665	96/04	NGH Electricals F-30, Mansarovar garden New Delhi-110015.	Single-phase small ac. add universal electric motors (second revision) (Amendments 2)	IS 00996 : 79
103.	8139273	96/04	Peekay Electricals E-254, Shastri Nagar, Near Indira Park, New Delhi-110052.	Mineral filled sheathed heating elements (second revisions) (Amendments 6)	IS 04159 : 83
104.	8139576	96/04	Peekay Electricals E-254, Shastri Nagar, Near Indira Park, New Delhi-110052.	Electric immersion water heaters (fourth revision)	IS 00368 : 92
105.	8133463	96/04	Sewa Trading Corporation 7006, Beri Wala Bagh, Pul Bangesh Delhi-110006.	Electric immersion water heaters (fourth revision)	IS 00368 : 92
106.	8135467	96/04	Verma Traders C-226, Chiniot Basti Multani Dhanda Paharganj New Delhi-110055.	Safety of household and similar electric appliances : Part 2 Particular requirements Sec 201 Electric Immersion Water heater.	IS 00302 : 92 PART 02 SEC 201
107.	8138069	96/04	Verma Traders C-226, Chiniot Basti Multani Dhanda Paharganj New Delhi-110055.	Mineral filled sheathed heating elements (second revision) (Amendments 6)	IS 04159 : 83
108.	8133867	96/04	Grasim Cement (A Unit of Grasim Industries Ltd.) Village & P.O. Rawan Tehsil Simga Raipnr Rawan.	53 grade ordinary Portland cement (Amendments 3)	IS 12269 : 87
109.	8134869	96/04	Maihar Cement Works P.O. Sarla Nagar Maihar Distt. Saṅna-485 772.	33 Grade ordinary Portland cement (fourth revision) (Amendments 3)	IS 00269 : 89

1	2	3	4	5	6
110. 8158877	96/04	Ajay Containers Old Industrial Area Alwar, Alwar-301001.	Square-tins—15 kg. for ghee, VANASPATHI, edible oils and bakery shortenings (first revision) (Amendment 1).	IS 10225 : 89	
111. 8138675	96/04	Hemaadri Industries Limited A-29-A, Industrial Area Alwar, Behror-301701.	33 Grades ordinary portland cement (fourth revision) (Amendments 3)	IS 00269 : 89	
112. 8137067	96/04	Jyoti Enterprises B-21, Road No. 2 Indraprastha Industrial Area Kota, Kota.	Asbestos cement buildings pipes and pipe fittings, gutters and gutter fittings and roofing fittings : Part I. Pipe and pipe fittings (first revision)	IS 01626 : 91 PART 01	
113. 8137768	96/04	Oshiva Industries F-14, Industrial Area Bindayaka Jaipur, Jaipur.	High density polyethylene pipes for potable water supplies; sewage and industrial effluents (third revision)	IS 04984 : 87	
114. 8138776	96/04	Shri Mosar Cements Pvt. Ltd., Plot No. F-90, F-140, F-141, E-122-123, RIICO Indl. Area, P.O. Ratangarh. Churu, Ratangarh.	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112 : 89	
115. 8137572	96/04	Birmiwala Cements Pvt. Ltd. Dabla Road, Sarund Kotputli (Distt. Jaipur)	43 grades ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112 : 89	
116. 8137370	96/04	K.D. Cements Pvt. Ltd., Shri Dungagarh Road P.O. Bidasar Post Office ; Bidarsar Churu, Bijangarh.	43 grades ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112 : 89	
117. 8139677	96/04	Om Shakti Cement Pvt. Ltd., Shiv F-15, Industrial Area Sikar.	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112 : 89	
118. 8139071	96/94	Rajshri Cement Works 51A, Opp. B.T.M. Mill Indl. Area Banswara (Raj.)	43 grades ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112 : 89	
119. 8137976	96/04	Rohit Cushions Limited Village : Hamzapur Tehsil : Behror Alwar-301701	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112 : 89	
120. 8139879	96/04	Saluja Cement (P) Ltd. A-24 B, Industrial Area Alwar, Behror	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112 : 89	

1	2	3	4	5	6
121.	8136970	96/04	Surbhi Cements Pvt. Ltd. G-100 to 102, 114, 115, Riico Industrial Area, Ratangarh, Distt. Churu (Rajasthan).	43 grade ordinary Portland Cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112 : 89
122.	8138978	96/04	Shayam Cements Pvt. Ltd. F-54 to F-57, Bichwal Indl. Area Phase-II Bikaner-334001.	43 grade ordinary Portland Cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112 : 89
123.	8139980	96/04	Shaunak Industries Pvt. Ltd. E-45 Indl. Area Behror Alwar.	43 grade ordinary Portland Cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112 : 89
124.	8140056	96/04	Saluja Minerals (P) Ltd. A-24-A Riico Indl. Area Behror, Distt. Alwar.	43 grade ordinary Portland Cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112 : 89
125.	8137673	96/04	Testa Cements (P) Ltd. Village Pathredi Post-Pragpur Teh. Kotputli Distt. Jaipur	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112 : 89
126.	9112864	96/04	J & Pesticides & Chemical Corpn. 53-54, Sicop Indl. Estate Bari Brahmama Jammu.	2, 4-D Ethyl ester emulsifiable concentrates (first revision)	IS 10243 : 93
127.	9082679	96/04	Maghan Packers (P) Ltd. Jind Road Sangrur Sangrur-148001.	18 litre square tins (third re- vision)	IS 00916 : 89
128.	9112965	96/04	M/S Alfa Springs Limited B-3, Industrial Area, Phase-I, Orai, Jalaun, Jalaun.	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (third revision) (superseding IS : 1139-1966) (Amendments No. 1)	IS 01786 : 85
129.	9113159	96/04	M/s Sharda Fertilizers Udyogic Utpadan Sahkari Samiti Ltd., Mathura Nagar, Khutar Road, Gola Gokhran Nath, Lakhimpur Kheri Lakhimpur Kheri	Zinc, sulphate, agricultural grade (Amendments 2)	IS 08249 : 76

1	2	3	4	5	6
130.	9113462 96/04	M/s. Dhruv Industrial Co. Pvt. Ltd. . . . B-20 Upside Industrial Area Bharua Sumerpur Hamirpur	Portland pozzolana Cement	IS 01489:91	
131.	9113967 96/04	M/s. Shiv.Hari Plywood Pvt. Ltd. 4.4 Km Stone, Kashipur Road, P. O. Jaspur, Nainital Nainital-244712	Plywood for general purposes (Third revision) (Amendment 1)	IS 00303:89	
132.	5061146 96/04	Eastern Safety Plot No. B/22 Kandra Indl. Area P.O. Govindpur Distt. Dhanbad, Bihar	Industrial and safety rubber knee boots (first revision)	IS 05557:92	
133.	8095986 96/04	Har Narain Tubes WZ-754 A, Sudershan Park New Delhi-110015	Hot applied sealing compound for joint in concrete (first revision)	IS 01834:84	
134.	8094984 96/04	Hymatic Agro Equipment (P) Ltd. A-64, Sector II Noida	Power operated pneumatic sprayer-cum-duster : Part 1 Knap-sack type (first revision)	IS 07593:86 Part 01	
135.	8095582 96/04	Shri Durga Industries (Regd.) 37, Ram Nagar Street No. 1 Paharganj New Delhi-110055	Pumpset for desert coolers (Amendments 2)	IS 11951:87	
136.	8093073 96/04	Allied Glasses Pvt. Ltd., Baghpat Road, Meerut-250002	Safety Glass Part 1 General purpose (third revision) (Amendment No. 1)	IS 02553:90 Part 01	
137.	8093780 96/04	Krishna Container Opp 132 KV Sub Station Chhutmalpur Saharanpur	Square tins—15 kg for ghee, VANASPATI, edible oils and bakery shortenings (first revision) (Amendment 1)	IS 10325:89	
138.	8095481 96/04	Sikandrabad Containers Pvt. Ltd. Plot No. H-2/A, Up side Industrial Area, Sikandrabad-203205.	Square tins—15 kg for ghee, VANASPATI, edible oils and bakery shortenings (first revision) (Amendment 1)	IS 10325:89	
139.	8094176 96/04	Shankar Tin Industries Khasra No. 169/1 G. T. Road Chhapraula Ghaziabad	Square tins—15 kg for ghee, VANASPATI, edible oils and bakery shortenings (first revision) (Amendment 1)	IS 10325:89	

## श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1998

का.श्रा. 2315.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नॉर्थन रेलवे लखनऊ के प्रभुत्वतन्त्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[सं.एन.-41012/59/96-आई.आर.(बी.)/बी.1]

पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 15th October, 1998

S.O. 2315.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Northern Rly., Lucknow and their workman, which was received by the Central Government on the 15-10-1998.

[No. L-41012/59/96-I.R.(B)/B.1]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, DEOKI PALACE ROAD, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 66 of 1997

In the matter of dispute :

## BETWEEN

Divisional Secretary,  
Uttar Railway Karamchhari Union,  
A-199, Block Rajajipuram,  
Lucknow.

## AND

Senior Divisional Mechanical Engineer,  
Locoshed Northern Railway,  
Lucknow.

## APPEARANCE :

Shri D. N. Tiwari for the workman.

Shri Hamid Quraishy for the management.

## AWARD

I. Central Government Ministry of Labour, New Delhi vide its notification No. L-41012/59/96-I.R.(B) dated 25-4-97 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Sr. Divisional Mech. Engineer, Locoshed,

Northern Railway Lucknow not to refer Shri Radhey Lal workman for re-medical examination of below B-1 category in view of letter No. 515 E/O Pt. II(E3-1) dated 24-10-72 of D.P.O. Northern Railway Lucknow is legal and justified? If not to what relief the workman is entitled to?"

2. The case of the concerned workman Radhey Lal is that he was engaged as a substitute in 1983 under D.R.M. Allahabad. After enquiring temporary status he was sent for medical examination in September 1984. Vide medical Memo No. 056183 dated 18-9-84 the concerned workman found medically unfit for B 'T' category. There after he repeatedly applied for being sent for medical examination again for suitability about lower post. But no need was paid. It is alleged that as the concerned workman was not found fit for B 'T' category. According to Rules he should have been again sent for medical examination in respect of lower post.

3. The opposite party has filed objection. It is alleged that the concerned workman has no such right for fresh medical examination.

4. In the rejoinder nothing new has been alleged.

5. In support of his case the concerned workman has referred to following provision of Rule 2007 (iv) (a) (b) of Indian Railway Estt. Manual Vol. II which runs as under :—

(5) (a) Casual labour should be subjected to medical examination as early as possible and preferably before grant of temporary status. Continued retention in employment is subject to qualifying in the prescribed medical examination. When casual labour who have put in six years service, whether continuous or in broken periods are included in a panel for appointment to Group D posts and are sent for medical examination for first appointment to regular service, the standard of medical examination should not be the one that is required for first appointment but should be the appropriate standard as prescribed for re-examination during service.

(b) Such of the Casual labour as are found on medical examination unfit for the particular category for which they are sent for medical examination despite the relaxed standard prescribed for re-examination may be considered for alternative category requiring a lower medical classification subject to their suitability for the alternative category being adjudged by the screening committee to the extent it is found possible to arrange absorption against alternative posts requiring lower medical classification.

A combined reading of above mentioned provisions it would be obvious that Railway authorities are required to send a casual Labour as early as possible preferably before granting of temporary status for medical examination. When casual Labour is retained for six years and is then sent for medical examination these standard are medical examination which required at the time of Ist Medical examination, is not to be applied. In other words rigorous test not to be applied. It is further laid down that if such casual labour is still found medically unfit he may be examined for alterantive category. Thus according to this Rule 2nd medical examination is meant for those casual labour who have put in six year of service. Admittedly the concerned workman had not put in six year of service he is not entitled for benefit of these provision.

6. In view of above discussion my award is that the concerned workman was not entitled for re-medical examination. As such he is not entitled for any relief.

**B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer**

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1998

का. भा. 2316 — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वये, में, केन्द्रीय सरकार सेटुल रेलवे प्रांसी के प्रबंधन के संबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-41011/12/88-डो-2 बी/बी-1]

पी. जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th October, 1998

S O. 2316.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, Jhansi and their workman, which was received by the Central Government on the 15-10-98.

[No. L-41011/12/88-D-2B/BI]

**P. J. MICHAEL, Desk Officer**

#### ANNEXURE

**BEFORE SRI B.K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR**

Industrial Dispute No. 167 of 1989

In the matter of dispute between :

Secretary,

INTUC U.P.

2/36 Namneir,

Agra

**AND**

**Divisional Railway Manager,**

**Central Railway, Jhansi.**

**APPEARANCE :**

Surendra Singh for the workman and  
Quamar Jhan for the Rly.

**AWARD**

1. Central Govt. Ministry of Labour, New Delhi, vide its notification No. L-41011/12/88-D-2 B dated 9-7-89, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

Whether the DME Central Rly Jhansi was justified in not giving the status of MRCL Temporary status to S/Sri Aslam Harish, Badruddin, Ram Khilari, Irsad, Dasrath, Bankey Behari, Mahendra Singh as per the railway Estt. Manual ? If not to what relief the workmen concerned were entitled ?

2. By way of present reference 8 workmen viz S/Sri Aslam, Harish, Badruddin, Ram Khilari, Irsad, Dashrath, Bankey Behari, Mahendra Singh have claimed status of MRCL/temporary status in the opposite party Northern Rly.

3. The case of the concerned workman is that all of them were engaged in C&D Department at Agra Cantt Rly. Station. Out of them Mahendra Singh, Ravi Kumar, Aslam, Mohd Imran, Trilok Singh, Raju, Dashrath, Nirauti Lal and Bankey Behari Lal have been given temporary status as they have completed 180 days. On 5-2-86, a settlement had taken place between the parties before ALC Delhi, according to which those persons who had completed 180 days work were to be given temporary status consequently out of the present 8 workmen Mahendra Singh, Aslam, Bankey Behari Lal & Dashrath have been given temporary status but they have not been regularised. According to Supreme Court ruling a person who have completed 120 days of services are also entitled for temporary status. As the remaining four persons namely Harish, Badruddin, Ram Khilari and Irshad have already completed 120 days, hence they too are entitled for getting this status. Later on it is alleged that instead of giving them temporary status the opposite party has removed them from service on 1-11-85, thereby breach of provisions of section 33-A has been committed. Hence they are entitled for re-engagement together with temporary status and thereafter for regularisation.

4. The opposite party has filed reply in which it has been alleged that remaining four persons Harish, Badruddin, Irshad and Ram Khilari are not entitled for temporary status as they have not completed 180 days. Further they are not in service.

5. In the rejoinder nothing new has been alleged.

6. From their own showing the concerned workman have been removed from service w.e.f. 1-11-85 whereas this reference was made in 1989. An employee is entitled for temporary status who is in service. As these workmen were admittedly not in service they will not be entitled for getting temporary status of MRCL. It will not be out of place to mention that the workman had moved an application under section 33-A of I.D. Act, which was registered as I.D. No. 65 of 1996. By award dated 3-9-97, it has been held that there has been no breach of provisions of section 33-A of I.D. Act, hence it was rejected. In the present circumstances untill these four workmen get their dispute regarding illegal termination adjudicated, they will not be entitled for getting status of MRCL or regularisation. Consequently the remaining concerned workman will not be entitled for temporary status. The case of Mahendra Singh, Aslam, Bankey Behari Lal and Dashrath need not be examined as they have admittedly been given status of MRCL.

Dated : 30-9-1998

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1998

का.प्रा. 2317.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कानपुर के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कार्रवारों के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/203/95-आई.आर. (बी.1.)]

पी. जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th October, 1998

S.O. 2317.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India, Kanpur and their workman, which was received by the Central Government on 15-10-98.

[No. I-12012/203/95-IR(B.I.)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 95 of 1996

In the matter of dispute between :

N. K. Paliwal,  
Dy. General Secy.,  
State Bank of India Association,  
M. Marg, Kanpur.

AND

Assistant General Manager,  
State Bank of India,  
Region III,  
Zonal Office,  
Mall Road, Kanpur.

#### APPEARANCES :

S. N. Sharma for the management and R. A. Awasthi for the Union.

#### AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-12012/203.95/I.R. B-1 dated 9th October, 1996 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

Kya Bhartiya State Bank, Kanpur ke prabandhan ne Sri R. N. Sonkar ko ek wetan vradhi rokane ka dand dena uchit aur vaidhanik hai? Yadi nahi to sambandhit karmkar kis anutosh ka haqdar hai?

2. Although this case was reserved for giving finding on preliminary issue, final award is being given as ultimately enquiry is going to be held as fair and proper and as the punishment is less than removal or discharge from service, this tribunal cannot interfere with the punishment under sec. 11-A of I.D. Act.

3. The concerned workman R. N. Sonkar was working as cashier-cum clerk at Government business branch, Kanpur. He was seized with chargesheet dated 17-4-90 comprising of 7 charges. One Dinesh Behari was appointed enquiry officer. After recording evidence he submitted report dated 17-9-92, holding that charge Nos. 1 and 7 were not proved whereas rest of the charges were proved. On the basis of this report the concerned workman was awarded punishment by way of stoppage of one increment on 31-5-93. Feeling aggrieved the concerned workman has raised instant industrial dispute. In the claim statement inter-alia the fairness and propriety of domestic enquiry was challenged which fact was denied by the opposite party bank, hence following preliminary issue was framed—

Whether the domestic enquiry was conducted fairly and properly?

4. In support of their claim the management examined 14 witnesses and also relied upon documents. Workman examined one Dhruv Kumar, D.W. 1 and he did not choose to examine himself. As said earlier on a consideration of above evidence the enquiry officer has given his finding.

5. I have gone through the enquiry report and evidence on record. List of the charges like misbehaviour are based on oral evidence in respect of which management has given evidence but the concerned workman has not entered into witnesses box to rebut those allegations. In this way the allegation of management witness is unrebutted. From this point of view I think that the enquiry officer has committed no error in accepting the evidence of the management. It was submitted that the concerned workmen have applied for change of place of enquiry which was not accepted. Further it was alleged that the concerned workman was not provided with the documents. This contention is vague as no details have been given which were denied. It has also not been shown as to how prejudice has been caused to the workman. Thus on the whole I do not find any merit in the pleas of the workman.

6. Accordingly my finding is that the enquiry was fairly and properly held. As said earlier as the punishment is less than dismissal, removal or discharge from service, this Tribunal in exercise of powers under Section 11-A of I.D. Act cannot go into the proportionality of punishment. Accordingly my award is that the punishment awarded to the workman is just and he is not entitled for any relief.

Dated 5-10-98.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 1998

का.प्रा. 2318.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार अनुबंधी बैंक लिमिटेड, लिजूर के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कार्रवारों के बीच,

अनुबंध में निम्नलिखित विवाद में औद्योगिक अधिकरण, अलापुझा के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-10-1998 को प्राप्त था।

[संख्या एन-12011/32/89/आई.आर. (बी-1)]

पी. जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th October, 1998

S.O. 2318.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Alappuzha as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Dhanalakshmi Bank Ltd., Trichur and their workman, which was received by the Central Government on the 16-10-1998

[No. L-12011/32/89-IR(B.I.)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

### ANNEXURE

### IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, ALLAPPUZHA

(Dated this the 15th day of September 1998)

#### PRESENT :

Shri K. KANAKACHANDRAN, Industrial Tribunal.

I. D. No. : 37/95

#### BETWEEN

The Chairman, Dhanalakshmi Bank Ltd., Central Office,  
P. B No. 9, Trichur.

#### AND

Sri M. C. Joseph, S/o M. J. Chako, Mambalam, Post  
Kainakary, Alappuzha.

#### REPRESENTATIONS :

M/s. B. S. Krishnan Associates, Advocates, Warriam  
Road, Ernakulam—For Management.

M/s. H. B. Shenoy Associates, Advocates, "Vatsal",  
Krishnaswamy Road, Ernakulam—For Workmen.

#### AWARD

1. The Government of India by an order No. L-12011/32/89-LRBI dated 8-12-1995 had referred this industrial dispute for adjudication. As per the reference order, the issues to be adjudicated were :—

"Whether Sri M. C. Joseph was a 'workman' under the Industrial Dispute Act, 1947 ? If so, whether the action of the management of Dhanalakshmi Bank Ltd., in terminating the services of Sri M. C. Joseph is legal and justified ? If not, to what relief he is entitled ?"

2. In the statement of claim filed by the workman it is stated that while he was under the service of the management, he was employed to discharge the duties of only that of a workman, because, he was doing mainly the works of clerical nature. According to him, he had no supervisory, managerial or administrative powers to be exercised. It is further stated that the nature of duties performed and discharged were mainly of clerical in nature and therefore he could have been treated only as a workman. However in the written statement filed by the management, they had disputed the claims of the workman concerned. According to them although the employee concerned had commenced service in the services of the bank as a clerk in the year 1973, he was promoted as Junior Officer in the year 1976. Later he was posted as a Branch Manager in the Changanassery Branch. Subsequently he was transferred and posted at Ponkunnam Branch as the Branch Manager. As the Manager of the Branch of the management Bank, he was discharging only

supervisory, managerial and administrative powers and therefore he could not have been treated as a workman even at the time of initially disciplinary proceedings against him. It is also pleaded in the written statement that the first issue shown in the reference order may be decided first.

3. On the first issue, both sides were permitted to adduce evidence. On the basis of pleadings of both parties and also the evidence adduced, this Tribunal passed an order on 6-8-1988 holding that the employee concerned in the dispute was not at all a workman at the time of initiation of disciplinary proceedings and therefore he could not be brought under the definition of Sec. 2(s) of the Industrial Dispute Act 1947. A true extract of the order passed by this Tribunal on the first issue is extracted hereunder :

"This industrial dispute was referred to this Tribunal by the Government of India by the reference order No. L-12011/32/89/RB dated 8-12-95. The issue referred for adjudication reads as follows :

Whether Shri M. C. Joseph was a 'workman' under the Industrial Disputes Act, 1947 ? If so, whether the action of the management of Dhanalakshmi Bank Ltd., in terminating the services of Shri M. C. Joseph is legal and justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?"

In the claim statement filed by the workman, on the first issue whether he is a workman coming under the purview of I. D. Act or not, it is stated that while he was under the services of the management, he was employed to discharge the duties of only that of a workman because he was doing mainly the works of Clerical nature. He had no supervisory, managerial or administrative powers to be exercised. The nature of duties performed and discharged by him at the relevant time were mainly of Clerical in nature and going by the nature of this duties performed, he could have been treated only as a workman within the definition Clause Section 2(s) of the Industrial Dispute Act. Moreover he would not come under any of the exempted categories mentioned in Section 2(s). Therefore as a workman coming under the I. D. Act, he is entitled to seek all reliefs provided therein.

In the written statement filed by the management it is contended that the employee concerned in the dispute had joined the service of the Bank as a Clerk in June 1973. He was promoted as Junior Officer in the year 1976. Later he was posted as a Branch Manager in the Changanacherry Branch by an order dated 15-4-1981. Subsequently he was transferred and posted at Punnakunnam Branch as Branch Manager. Then other Clerical Staff and sub staff were working under the Branch Manager. He was empowered to sign all documents on behalf of the branch. He was also authorised to pass all the internal cheques, vouchers etc. He was also responsible for the proper administration of the branch. In addition to that, he had to exercise all such powers delegated by the Board of Directors. He was also authorised to operate account of the branch in the other banks. Control and supervision over the members of the staff, distribution of work among the staff were also part of his work. In the case of disciplinary action against the members of the staff, he was empowered to seek explanation and then submit report to the Head Office with this remarks for further action. He was also authorised to sign/endorse/negotiate cheques and other instruments. He was also responsible for the proper maintenance of books of accounts and other records of the branch. For all money paid to the branch, the receipt had to be signed by him or any other staff member authorised in that behalf by the Branch Manager. He was also competent to incur petty and contingent expenditures. Sanctioning of loans on the pledge of gold, jewels, bullion etc. were also parts of works of the Branch Manager. In addition to that he was required to submit daily, weekly, monthly and yearly returns statement etc. in respect of the branch to the Head Office. Thus



as the Branch Manager, he was in total control over the functions of the branch. The clerical duties he was attending were of only negligible. Since his functioning were mainly supervisory, managerial and administrative, he would not come under the definition of workman as defined in the Industrial Dispute Act. Moreover he was drawing wages more than 1,600 at the time of his dismissal from service.

In order to substantiate contention on the preliminary issue, the management adduced oral and documentary evidence. MW-1 is the Zonal Officer of the management at Ernakulam. Through him Ext. M-1 to M-5 documents were marked. Ext. M-1 is the Office order promoting the employees concerned to the Officers' category with effect from 11-10-1976. Ext. M-3 is the order posting him as Assistant Manager in the Kainakary Branch. By Ext. M-4 order, he was transferred and posted to Punnakunnam branch as the Manager. Ext. M-2 and M-5 are the Head Office orders of the management bank showing the nature of powers which could be exercised by the Branch Manager.

The disciplinary action against the employee concerned was started in the year 1986 by the issuance of a memo dated 2-4-1986. At that time he was working as the Branch Manager of Punnakunnam branch of the management. MW-1 while tendering evidence had stated that at the time of initiation of disciplinary action, the employee concerned was working as the Branch Manager and at that time his total salary was Rs. 1,808.

From the documentary evidence Ext. M-1 to M-5, no doubt, the employee concerned was exercising supervisory and managerial powers in the capacity as the Manager of the Branch of the bank. Since he was working in such capacity and drawing more than Rs. 1,600 per mensem, he could not be considered as a 'workman' coming under the purview of Industrial Dispute Act. Therefore the Preliminary order is passed sustaining the contentions raised by the management that the employee concerned M. C. Joseph was not a workman at the time of dismissal from service so as to seek any relief under the Industrial Dispute Act.

4. In view of the finding that the employee concerned in this dispute is not a workman under the I. D. Act, it is quite unnecessary to go into other issues on the legality of the termination of his service which is referred for adjudication under Section 10(1) of the Act.

Award is passed accordingly.

K. KANAKACHANDRAN, Industrial Tribunal

Appendix

I. D. No. 37/95

Witness examined on the side of the Management :

MW-1—K. Ramachandran.

Witness examined on the side of the Workman :

Nil

Exhibits marked on the side of the Management :

Ex. M-1—Office Order No. AC/142/76 dated 9-10-76 promoting M. C. Joseph as Junior Officer.

Ext. M-2—True copy of the order No. 194 dated 8-10-76 authorising M. C. Joseph, the delegation of powers.

Ex. M-3—Office order dated 9-2-1981 posting M. C. Joseph as Assistant Manager in Kainakari branch.

Ex. M-4—Office order dated 15-4-81 transferring and posting M. C. Joseph as Manager, Punnakunnam branch.

Ex. M-5—Circular No. Adv/Gvt/21372/76 dated 25-10-1976 of Central Office, Trichur.

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 1998

का. प्र. 2319—औद्योगिक विवाद प्रभिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वेस्टर्न रेलवे अहमदाबाद के प्रवन्धन के संबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 16-10-1998 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41011/26/91 आई.आर./डी.यू.-I]

पी. जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th October, 1998

S.O. 2319.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Railway, Ahmedabad and their workman, which was received by the Central Government on 16-10-1998.

[No. L-41011/26/91-IR/DU-B-I]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, AHMEDABAD

(Shri P. R. Dave, Member)

Ref. (ITC) No. 75/91

## ADJUDICATION

## BETWEEN

Western Railway, Ahmedabad .. First Party

Vs.

The workmen employed under it .. Second Party.

In the matter of the demand regarding preparing division-wise seniority and to set aside the retrenchment order and re-engage the casual labourers of Western Railways etc.

## APPEARANCES :

Shri H. B. Shah, Advocate—for the first party.

Shri S. B. Nigam, Advocate—for the second party.

## AWARD

This industrial dispute between Western Railways, Ahmedabad and the workmen employed under it has been referred for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad by the Desk Officer, Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, vide his Order No. L-41011/26/91-IR (DU) dated 5-12-1991. Thereafter under an appropriate order it has been transferred to this Tribunal for proper adjudication.

2. The dispute pertains to the demand as per the schedule to the reference is as under :

Whether the action of Railway Admn. through the Chief Engineer (C), Western Railway, Ahmedabad in retrenching Smt. Lilaben Prayagji, Shri Mangaldas, K. Aruma U. Kunnat, Kamibai Haraji in 1986 without preparing division wise seniority is justified? If not, what relief the concerned workmen are entitled to?"

3. The second party has filed statement of claim at Ex. 8 and prayed to grant the relief that the concerned workmen be re-engaged with back wages and due status in the seniority list and may be granted all due reliefs admissible as per rules.

4. The facts of the case of the second party, to be briefly, stated are as under :—

The Labour mentioned in the schedule were initially appointed in 1974/79 as shown below :

Name	Date of Apnt.	Date of termination	
Lilaben Prayagji	23-8-74	16-8-74	J'nagar
	20-7-79	31-7-81	"
	06-6-83	10-9-85	"
Mangaldas K.	13-10-79	21-7-81	"
	6-06-83	10-9-86	"
Aruma U. Kannu T.	5-11-79	20-12-79	"
	01-1-80	20-3-81	"
Karnibai Haraji	13-9-79	15-3-86	"

They were working under the then Executive Engineer (C) Jamnagar and were terminated by the Railway without following the direction of the I. D. Act and also in absence of the seniority list. The railways have prepared their seniority list only in 1987, and without such seniority list it is not possible to say as to who is senior or junior. Moreover certain persons were re-appointed after their termination against the provisions of I. D. Act. The railways have shifted certain labour during that period from one place to another over the Viramgam Okha project itself, whereas these labours were terminated. Hence this reference.

5. The first party employer has filed written statement at Ex. 19 and raised the point that the present dispute referred for adjudication is not maintainable under the law; that there is no industrial dispute as defined under the provisions of I. D. Act and therefore also the reference is not maintainable; that the first party shown in title of the statement of claim and also referred by the Ministry of Labour are not employer as defined under the Act and therefore also the present reference against the first party is not tenable; that the concerned workmen are casual labourers having no right to claim such a relief. In this written statement the facts stated in statement of claim are denied and further it is stated that the facts stated in statement of claim in para 1 regarding engagement of termination of these labourers are not true and the true facts of their engagement are on broken spell, as casual labour on Viramgam-Okha Porbander projects that the Executive Engineer (C), Jamnagar is their employer, that Smt. Lilaben Prayagji engaged as casual labour from 16-6-74 on V.O.P. project work as daily rated and worked till 23-8-74; on 20-7-79 she was again engaged as casual labour till 21-7-81 and again she worked as such from 6-6-83 till 10-9-83; that Mangaldas K. also was engaged as casual labour on V.O.P. project from 13-10-79 till 21-7-81 and from 6-6-83 till 10-9-83 by Executive Engineer (C), W. Railway Jamnagar, that Amma U. Kannu T. was engaged as casual labour on daily rated by Executive Engineer (C) W. Railway Jamnagar from 5-11-79 till 20-12-79 and again on 1-1-80 till 20-3-81; that Karnibai Haraji was engaged on V.O.P. work as casual labour on daily rated by Executive Engineer (C) W. Railway, Jamnagar on 13-9-79 till 15-3-86; that the engagement were terminated in different spell as per the provisions of the I. D. Act and their engagement were terminated. The first party has further stated that it is not true that the labourers were terminated without following the direction of the I. D. Act and in absence of seniority list; that by letter No. E (NG)/11/77/GL/46 dated 27-2-78 Railway Board directed to take steps to effect decasualisation and as per the said letter, engagement of fresh casual labour on Openline by the Inspector except in emergencies. It is also stated that the seniority list as per division wise has been maintained in the year 1986; that division-wise seniority list was maintained as per the direction given by the Supreme Court's judgement, that the directive of Supreme Court judgement was not applicable to workmen of this reference as their engagement as casual labour were terminated prior to the said judgement; that except the workmen who approached the Tribunal/Court have been engaged/continued and no workmen except who approached Tribunal/Court have been engaged/continued and no

junior to second party workmen have been continued or re-engaged, and therefore the reference should be rejected.

6. The second party in its evidence has produced the following documents.

1. Xerox copy of the judgement of Central Administrative Tribunal in case No. CA/198 at Ex. 21.
2. Xerox copy of service card of Smt. Lilaben at Ex. 22.
3. Xerox copy of judgement of Hon'ble Supreme Court in case of Indrapal Yadav Ex. 23.
4. Letter of shifting of casual labour, to attend line ROT division Ex. 33.
5. Memo regarding Labour casual employment policy—terms 7 conditions dated 29-11-1991.

The second party has also examined witness Smt. Lilaben on oath at Ex. 24.

7. The first party has produced following documents :

1. Xerox copy of retrenchment notice, on Lilaben Prayagji Ex. 27.
2. Xerox copy of the thumb impression of the worker Ex. 28.
3. Xerox copy of supplementary bill of pay sheet Ex. 29.
4. Xerox copy of payment sheet of compensation paid Ex. 30.
5. Xerox copy of Seniority list of casual labourers of XEM (C)-J-Jamnagar.
6. Xerox true copy of thumb impression Regi. PWI/Bhats/DWK.
7. Xerox true copy of thumb impression Regi. RA. PWI(C) Jamnagar.
8. Xerox copy of termination Order, Ex. 48.
9. Xerox copy of termination order, Ex. 49.
10. Xerox copy (True Copy) of Supp. Bills Ex. 50.
11. Xerox true copy of Bills of retrenchment compensation Ex. 52.
12. Xerox true copy of Supp. Bills Ex. 51.
13. Xerox copy of Supp. Pay sheets of D.A. Arrs. Ex. 53.
14. Xerox copy of Regular salary Bill Ex. 54.

8. In spite of granting many opportunities the first party had not got any witness present and ultimately the Tribunal closed the right of further evidence and the arguments were heard.

9. Mr. Nigam, representative of the second party in his arguments narrated at length the facts of the case of second party and further submitted that the issue before this Tribunal is justification of retrenchment of the concerned workman and the circumstances of the case, the conditions precedent for the purpose of retrenchment are not fulfilled, so far as the service of notice is concerned or payment of compensation is concerned. Mr. Nigam further submitted that Ex. 26 is the list of documents which includes the copy of notice at Ex. 27 dated 8-8-1985 and that notice is only given to Lilaben Prayagji and thereafter the copies of notice to Karnibai is produced at Ex. 48 and notice to Mangaldas is produced at Ex. 49, but no copy of notice to Aruma Kunnath is produced anywhere in the record. Therefore it is clear that no notice was prepared for Aruma Kunnath and further there is no evidence of due service of the notice as there is no copy of acknowledgement. Mr. Nigam further submitted that the retrenchment compensation should be paid for total length of service from the date of appointment. But in record it is clear that the total length of service is not considered for the purpose of payment of compensation. Mr. Nigam raised the point that before retrenchment, seniority list should have been prepared under the provisions of I.D. Act. At the time of retrenchment there was no seniority list and no seniority list was produced by the first party. Admittedly the seniority list was prepared in 1987 as per the direction of the Supreme Court and it indicates that prior to that there was no seniority

list. Referring to rule 77 and Section 25G of the I.D. Act, Mr. Nigam emphasized on the point that for the purpose of retrenchment, seniority list is a must prior to retrenchment and the provisions in this regard is obligatory and even permission under Section 25N is also required before retrenchment. Mr. Nigam cited 6 ATC 215 (Madras) judgement of Hon'ble Supreme Court in the case of Indrapal Yadav vs. Union of India. Mr. Nigam also referred to some portion from the judgement of Central Administrative Tribunal, Ahmedabad IN OA No. 331/86 and other applications.

10. Mr. H. B. Shah, for the first party vehemently submitted that the second party has not given date of termination in pleading and these workers are terminated on different dates. Therefore the facts are not common in respect of all these workers. Mr. H. B. Shah further submitted that divisionwise seniority was to be looked into for the purpose of retrenchment and it was prepared and these workers are retrenched as per their seniority and there is no proof of continuing any junior in service. Mr. H. B. Shah submitted that admittedly these workers were casual labourers engaged on specific work, which was project work and whenever there was work they had been given work, but ultimately when project work completed their services were terminated accordingly and previous terminations were not challenged and in these situation there is no question of re-engagement of these workers in service. Mr. Shah submitted that when a person is relieved for want of work particularly when he is a casual labour and he has no right on the post or work and therefore there is no case in respect of these workers, and the cut off date as per the circular according to judgement was 1st January, 1981 and in view of this if these persons are relieved prior to the judgement of Hon'ble Supreme Court, they have no right to claim the engagement on the point whether casual labourers are entitled to reinstatement and whether the retrenchment provision is applicable to casual labourers. Mr. Shah cited 1994 (4) Supreme Court cases 391. Mr. Shah further submitted that as per the provisions of I.D. Act, notice was already served to the concerned workers before retrenchment and retrenchment compensation was also paid and therefore there is no breach of any provision in this case and further the claim is filed after long delay of about 6 years and therefore the claim is not maintainable.

11. Replying the arguments of Mr. Shah, Mr. Nigam raised the point that if the seniority list was not prepared and was to be prepared as per judgement of Hon'ble Supreme Court, the railways should have waited till it is prepared to avoid any injustice to the worker, and no permission as per law was obtained from competent government authority before retrenchment and therefore the retrenchment was illegal.

12. In view of the pleadings of the parties, it is clear from the record that the issue referred to this Tribunal is as to whether the retrenchment in case of four concerned casual labourers is justified and that too without preparing divisionwise seniority. On perusal of the record it is found that the facts that the concerned workmen were casual labourers and were retrenched in 1986 are admitted and are duly proved also from record. But before this retrenchment, whether the first party had followed all the legal procedure and whether the conditions precedent for the purpose of retrenchment were fulfilled at the time of retrenchment is the question to be examined. Account of the amount paid to the concerned workers is produced in the form of supplementary bills. Ex. 50 is the proof for which the amount is paid as notice pay and there is no note of the fact that it is notice pay. That Ex. 55 shows some amount said to be paid as retrenchment compensation, but it is only the amount and not the details regarding the period or days for which this amount is calculated, are given in this bill. Even Ex. 52 is also on the same line. So there is no proof as to how many days and at what length of service it is considered for the purpose of calculating the compensation. So naturally this Tribunal is not in a position to verify whether the retrenchment compensation as per the provisions of I.D. Act under Section 25 was properly or truly paid or not. Now the copies of so-called notice are thereon record. But whether these notices were duly served, there was no proof on record and thirdly the seniority list produced by the first party at Ex. 45 does not contain any date or order when it is prepared and if we read the written statement Ex. 19, it is stated that the seniority list was maintained executive

engineer-wise as per the Railway Board's letter No. 46 dated 27-2-1978, but in this seniority list it is not mentioned anywhere and there is no proof on record that before retrenchment this seniority list was published or displayed on notice board. Even if we take this seniority list is correct in column 7, there are details of the workers who are retrenched or transferred from one place to another place and accordingly it is seen that if we consider the seniority from the date of appointment vide column 6, the senior like Smt. Kamibai Harji at Sr. No. 281 is retrenched and thereafter her juniors at Sr. No. 285, 286 and 287 are transferred to somewhere else and therefore naturally they are not retrenched and are retained in service. It is pertinent to note that wherever there is mention of retaining the workmen on account of Court Order there is note in column No. 7 'on stay', but in respect of many juniors who are transferred to another place it is clear that there is no mention of any Court order in record. So admittedly the juniors of the concerned worker were retained in service by transferring somewhere else while the concerned workmen who were senior were retrenched. In this regard it is relevant to refer to the provisions of I.D. Act in respect of retrenchment. Section 25 of the I.D. Act, 1947 contemplates three conditions as under :

"25 F : Conditions pertaining to retrenchment of workmen : No workmen employed in any industry who has been in continuous service for not less than one year under employer shall be retrenched by that employer until :

- (a) the workmen has been given one months notice in writing indicating the reasons for retrenchment and the period of notice is expired or the workmen has been paid in lieu of last notice, wages for the period of the notice.
- (b) The workmen has been paid, at the time of retrenchment dues which shall be equivalent of 15 days average pay (for every completed year of continuous service) or in part thereof in excess of six months, and
- (c) notice in the prescribed manner is served on the appropriate Government or is the authority as may be satisfied by the appropriate Government by notification in the official gazette."

Now the service of one month's notice is not proved in this case, and the payment of compensation equivalent of 15 days average pay for every year is not proved as discussed herein above. If we go further to Section 25F it provides that the employer should ordinarily retrench the workman who was the last person to be employed in the category. Unless for the reason to be recorded the employer retrenches any other workmen. If we look at the details given in so-called seniority list, it is clear that this principle is contravened by the administration by retaining the juniors in service taking recourse of transferring them to another place. Hence the retrenchment of these workers is not justified in view of circumstances discussed hereinabove. The Central Administrative Tribunal, Ahmedabad Bench in a common judgement in OA No. 331/86 and other applications considered the provisions of I.D. Act on the same line in respect of seniority and policy of transferring the casual labour, the Central Administrative Tribunal has observed that :

"It is stated that such seniority list if prepared and maintained Executive Engineer-wise, I.O.W. wise or Projectwise. In the whole gamut of transfer of a casual labourer from one project to another or from one Division to the other, his seniority is disturbed, with the result he is always at a great disadvantage as he is easily deprived of all the benefits admissible to him."

The same situation arose in this case also that on guise of transfer the junior persons are retained in service while these senior casual labourers are retrenched. In its judgement in para 9 the Central Administrative Tribunal has also referred to mandatory provisions of I.D. Act regarding retrenchment and in similar circumstances held that the mandatory provisions of I.D. Act is not complied with and therefore the retrenchment was invalid.

13. In view of these circumstances it is difficult to hold that the retrenchment is justified. The Central Administrative Tribunal, Ahmedabad in OA No. 339/340 and 345 of 1987 has categorically observed that the railway establishment is covered by Section 25K and as there are more than 100 workmen employed in the establishment provision of 25N Section of I.D. Act is applicable and prior permission of the competent authority should be obtained for retrenchment and in this present case also there is no proof of obtaining any such kind of permission from competent authority before retrenchment and therefore the retrenchment is illegal, invalid and unjust.

14. In view of the circumstances mentioned above, the reference deserves to be allowed and hence I pass the following order.

#### ORDER

The reference is allowed and so-called retrenchment in respect of these four concerned casual labourers is held illegal and unjust and the first party is hereby directed to re-engage them with back wages and due status in the seniority list and with all the benefits admissible to them as per their seniority position. The first party is also directed to pay Rs. 1,000, towards the cost of the reference to the second party. This award is to be implemented within one month from the date of publication.

P. R. DAVE, Presiding Officer

24th September, 1998.

Ahmedabad.

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2320.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पंजाब नेशनल बैंक के प्रबन्धकों के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबन्ध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/261/95-आई.आर.-(बी-II)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th October, 1998

S.O. 2320.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank and their workman, which was received by the Central Government on 14-10-98.

[No. L-12012/261/95-IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, DEOKI PALACE ROAD, PANDU NAGAR KANPUR

Industrial Dispute No. 18 of 1997

In the matter of dispute

#### BETWEEN

General Secretary,  
U.P. Bank Employees Congress,  
2/363, Nammer Agra.

#### AND

Regional Manager,  
Punjab National Bank,  
Regional Office,  
Sanjay Palace,  
Agra

#### APPEARANCE :

Shri Surender Singh for the workman.  
Shri Y. K. Singh for the Management.

#### AWARD

1. Central Government Ministry of Labour New Delhi vide its Notification No. L-12012/261/95-I.R. (B-2) dated 7-1-97 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Punjab National Bank, Agra to deduct one day wages from those employees who availed casual leave on 20-2-93 was legal and justified ? Whether it can be termed as Mass casual leave ? If not to what reliefs they are entitled to ?"

2. There is no dispute that R. C. Gupta, S. K. C. Sharma, Bharat Bhusan, K. D. Singh, D. S. Yadav, Braj Gopal Sharma, Smt. Neelu Bhargwa, K. K. Sharma, O. N. Dixit and Mangal Singh were working as Award staff at Chhatta Bazar Branch Mathura. On 20-2-93 they had joined their duties at there bank however later on each of them went on casual leave at about 11 A.M. The Opposite party Bank did not sanctioned the leave. Consequently by the impugned order the management had deducted one day salary of these workman. Feeling aggrieved these workmen have raised the instant Industrial Dispute.

3. It is alleged in the claim statement that without show cause notice or holding enquiry this punishment could not have been awarded. Hence it is bad in law.

4. In there written statement the opposite party bank has alleged that on 20-12-93 K. D. Singh and Smt. Sindhu Bala Gupta had come to branch late hence were prevented from attending duties. At the instigation of R. C. Gupta, Special Asstt. there workman had left their respective seats. Later on R. C. Gupta brought the leave application of these workmen which was refused by affixing notice on the notice board 20-2-93. It amount to mass casual leave in turned striking work which was illegal as prior notice was not given. There was no need to hold any enquiry.

5. In the rejoinder nothing new was alleged.

6. From the above pleading of the parties it become clear that the concerned workmen had applied for casual leave which was not sanctioned. It is only to be seen if the management was in its right to deduct one day salary without issue show cause notice or holding enquiry. The Au. Rep. of the opposite party bank has submitted that an employee has got no absolute right to get casual leave. Management

has got right to refuse it. Further as the concerned workmen had absented without grant of casual leave the management has got every right to deduct one day Salary on the basis of principle of no work no pay. There was no need to hold enquiry. From the own showing of the bank it become clear that leave was not refused on 20-2-93. Instead it was refused on 22-2-93 by pasting notice on the notice board. If the bank had taken decision on 20-2-93 itself, the consequences would have different. Further under para 19.7 (a) of Bipartite Settlement absent without leave amount is minor misconduct and deduction of one day pay is the punishment. As such without holding any enquiry under para 19.12 B.P.S. such punishment could not have been awarded. This amount to breach of this provision of settlement as well as violation of principle of natural justice.

7. Hence my award is that deduction of one day salary of the concerned workmen is bad in law. Consequently they will be entitled for salary for one day. My further award is that the action of the concerned workmen in taking casual leave after joining the duties amount to mass casual leave.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1998

का.सा. 2321.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इलाहाबाद बैंक के प्रबंधन के संबंध में निदेशों और उनके कर्मचारियों के बीच, प्रमुख में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एस-12012/393/95-आई.आर.-बी-II]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th October, 1998

S.O. 2321.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Allahabad Bank and their workman, which was received by the Central Government on 14-10-98.

[No. L-12012/393/95-IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 43 of 1996

In the matter of dispute between:

General Secretary,  
Allahabad Bank Staff Association,  
40/26-A North Malaka  
Allahabad.

AND

Regional Manager  
Allahabad Bank  
Gobind Ballabh Marg  
Nainital.

APPEARANCE :

M. K. Verma LLR for the Allahabad Bank and  
B. P. Saxena for the Union/workman.

#### AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide notification no. L-12012/393/95-IR B-2 dated 2-4-96, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:—

Whether the action of the management of Allahabad Bank Nainital in imposing the punishment of stoppage of two increments with cumulative effect on Sri Jagdish Chandra Gupta clerk-cum-cashier vide order dated 17th April, 1991 is legal and justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

2. Although this case was reserved for giving finding on preliminary issue, final award is being given as the punishment awarded to the concerned workman is less than dismissal, removal or discharge from service and further that this tribunal cannot examine the proportionality of the punishment in exercise of its powers under sec. 11-A of I.D. Act, and further that the domestic enquiry is ultimately going to be held as fair and proper.

3. The concerned workman J. C. Gupta was working as clerk-cum-cashier at Civil Lines Branch Bareilly of the opposite party Allahabad Bank. He was issued a chargesheet dated 10-7-89, copy of which is annexed herewith. One H. L. Baweja an officer of the bank was appointed as enquiry officer. After recording evidence he submitted his report dated 30-10-90. Agreeing with this report, the disciplinary authority has awarded punishment by order dated 27-4-91 by way of stoppage of two increments with cumulative effect. Feeling aggrieved the concerned workman has raised the instant industrial dispute.

4. In the claim statement, inter alia the fairness and propriety of domestic enquiry has been challenged. This fact was denied by the management hence following preliminary issues has been framed—

Whether the domestic enquiry conducted against the workman was fair and proper?

5. A perusal of enquiry report goes to show that enquiry officer has recorded the evidence of A. K. Mehrotra, S. G. Vaidya and Mohan Mehrotra to prove the misconduct. Besides Evt. M1 to M7 documents were filed. The concerned workman did not adduce any oral evidence or documentary evidence.

6. I have heard both sides and have gone through the record.

7. In the first place it was submitted by the auth. representative for the concerned workman that the chargesheet itself is bad. The concerned workman was posted at Tikoniya Branch lying under Regional Manager, Lakhimpur, whereas the chargesheet has been issued by Regional Manager Nainital, hence the authority who had issued the chargesheet had not jurisdiction to do so. Consequently, the chargesheet is bad in law. To meet this contention the authorised representative for the bank has referred to the case of S. Nagaiyah versus Indian Aluminium Company Limited & others 1991, LLR page 37, in which it has been held that even if chargesheet by an incompetent authority had been issued and punishment is awarded by the competent authority, it will not vitiate the enquiry in any manner. In this way this authority fully counters the contention of the concerned workman. The authorised representative of the concerned workman had sought time to meet this preposition of law, but could not add to what he had said earlier. Hence, because of this authority I overrule this contention.

8. Next the authorised representative for the concerned workman had carried me through proceedings of enquiry at page 49, wherein evidence of G. G. Vaidya M.W.2 is recorded. Reference has been made to the statement in which this witness has stated that first transaction was supported by vouchers. On the basis of this piece of evidence, the authorised representative for the workman has submitted that as according to this witness entry of Rs. 97,000 was supported by voucher hence the charges itself disproved. A careful perusal of this evidence would go to show that this piece of evidence has not been admittedly referred to. It deals with transaction which is part of second chargesheet. Whereas the main charge is that the concerned workman had made entry in the account of Vindvasini Trust without voucher. At a later stage this witness has stated that entry in the name of Vindvasini Trust is not supported by any vouchers. In view of this clear position I do not find substance in this contention.

9. Lastly it was submitted on behalf of the concerned workman that had comparing been done this would not have been detected. The person who had shown negligence in this regard has not been punished whereas the concerned workman has been punished. Hence, there has been discrimination. There is no force in this contention as well. The concerned workman has been found guilty of negligence. If it was not compared on that very date this had nothing to do with the misconduct which was committed by the concerned workman as found in chargesheet. Hence question of discrimination does not arise. No other point has been pressed.

10. As a result of above discussion my award is that the enquiry against the concerned workman was held fairly and properly. As the punishment is less than dismissal or removal from service my award is that punishment awarded to the concerned workman is justified and he is not entitled for any relief.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

Dated : 26-9-98.

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1998

का. प्रा. 2322.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार एल.प्राई.सी.आर.फ. इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अन्वय में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार अधिकरण कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-17011/47/89-प्राई.प्रा. बी-II]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th October, 1998

S.O. 2322.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workman, which was received by the Central Government on 14-10-98.

[No. L-17011/47/89 IR (B-II)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

Before Sri B K Srivastava Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal cum Labour Court Pandu Nagar, Kanpur

Industrial Dispute No. 67 of 1990

In the matter of dispute between :

Sri Awadesh Chandra Agrawal

C/o V N Sekhari

26/104 Birhana Road

Kanpur.

And

The Divisional Manager

LIC of India Divisional Office

Agra.

#### APPEARANCE :

Sri V K Gupta, Gen. Secy. SBEA, for the workman and Sardar Amreek Singh for the LIC of India.

#### AWARD :

1. Central Government, Ministry of Labour, vide notification no. L-17011/47/89/IR(B) dated 15-2-90, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

Whether the Divisional Manager, LIC of India Divisional Office, Agra was justified in terminating the services of Sri Awadesh Chandra Agrawal w.e.f. 12-1-85 in violation of sections

25F, G and H of I.D. Act, 1947? If not, to what relief the workman concerned is entitled?

2. There is no dispute of the fact that the concerned workman has worked as Assistant from 12-11-83 to 29-12-83 for 45 days, thereafter from 2-1-84 for 45 days and thereafter for 40 days more. In this way he had worked for 130 days. In other words he had worked upto 27-3-84, according to the case of both parties. In the claim statement it was further alleged that the concerned workman worked even after 27-3-84, on the oral assurance of the branch manager that he would get the sanction from authorities. However, no salary was paid during this period. In this way he had worked continuously upto 12-1-85 thereby he had completed more than 240 days in a year. As his services were termination without payment of retrenchment compensation and notice pay, the same is bad under section 25F of I.D. Act.

3. The opposite party Insurance Company has in its written statement denied that the concerned workman had worked after 27-3-84 at all. In this way he had not completed more than 240 days. Thus there is no question of breach of provisions of Section 25F of I.D. Act. From the above pleadings the only point which needs for consideration is as to whether the concerned workman had worked after 27-3-84 upto 12-1-85, and in this way whether he had completed more than 240 days in a year.

4. The concerned workman Awadhesh Chandra Agarwal WW-1 had stated that he had worked upto 12-1-85 continuously after expiry of period as given in the appointment letter. In his cross examination he has admitted that after 26-3-84, he did not get appointment letter. However, branch manager had asked him to continue and he would get the sanction from the authorities. He has further admitted that no wages were paid for this period.

5. Madan Mohan Saxena, M.W.1 has stated that concerned workman had not worked after 27-3-84. Management has filed Ext. M-1 to M-10 papers relating to appointment, whereas workman has filed copy of order dated 30-11-87 passed in LCA No. 83 of 1986 and also the joint inspection note dated 11-9-86 and 19-10-87 which was filed in the above mentioned case. From this report it appears that the concerned workman had filed LCA No. 83/86 for wages for the period 27-3-83 upto 11-1-85, which is the subject matter of the present dispute as well. In that case, joint inspection note was filed which showed that the workman had worked some work even beyond 26-3-84. To explain this working the opposite party insurance company has set up the plea that Pradip Kumar Agrawal is the elder brother of the concerned workman. He was given contract for

Rs. 1200/- to clear the work. The concerned workman had done work on behalf of his brother in pursuance of the contract. My learned predecessor had not accepted this explanation consequently the claim of the concerned workman in LCA No. 83 of 86 was accepted after holding that he had worked from 27-3-84 upto 11-1-85. The management had filed with petition and the operation of this order has been stayed. Some judicial notice of the fact can be given that the opposite party had set up a plea that the concerned workman had actually worked from 27-3-84 upto 11-1-85 but it was done on behalf of his elder brother Pradip Kumar Agrawal. That case has not been set up in the present case and even no evidence has been adduced. In the absence of any such pleading and proof on behalf of the management, I am inclined to attach weight to joint inspection note. Hence relying upon this piece of evidence, I accept the evidence of concerned workman and hold that he had further worked from 27-3-84 to 11-1-85. If we add this period in the period admitted by both the parties it will be evident that the concerned workman had completed more than 240 days in a year. Hence, before retrenchment he was entitled for retrenchment compensation and notice pay as required by section 25F of I.D. Act. As admittedly no retrenchment compensation and notice pay has been given, I have no hesitation in holding that the retrenchment of the concerned workman from 12-1-85 is bad in law. Hence he will be entitled for reinstatement.

6. As regards back wages it is made specific that the concerned workman will be entitled for the same from 12-1-85 as the claim from 27-3-84 upto 11-1-85 has already been computed in the LCA case no. 83 of 1986.

7. Reference is answered accordingly.

Dated 28-9-1998

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2323-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार नियम बैंक आफ इंडिया के प्रबंधन के संबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/85/97-आई.आर. (बी.-II)]

सी. गंगाधरन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1998

S.O. 2323.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government



hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Union Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 20-10-98

[No. L-12012/85/97-IR (B-II)]  
C. GANGADHARAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 64 of 1998

In the matter of dispute :

BETWEEN :

The Vice President,  
Union Bank Staff Assn,  
3/192 Vivek Khand, Gomti Nagar,  
Lucknow-226001.

AND

The General Manager,  
Union Bank of India,  
Zonal Office, Shradha Towers,  
Kapoorthala Complex,  
Aanganj,  
Lucknow-226001.

#### AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-12012/85/97-IR (B-II) dated 3-4-1998 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of Union Bank of India, Lucknow in withdrawing the special allowance, paid to Shri K. K. Gupta, Asstt. Head Cashier vide their letter dated 7-11-96 is legal and justified ? Whether it will amount to change in service condition under section 9-A of I.D. Act, 1947 ? If so, the said workman is entitled to what relief ?

2. It is unnecessary to give the details of the case as after sufficient service the concerned Union has not filed the claim statement. Hence the reference is answered against the workman for want of prosecution and proof and he is not entitled for any relief.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1998

का.प्रा. 2324-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-12012/30/97-आई.प्रा. (बी.-II)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1998

S.O. 2324.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to

the management of Punjab National Bank and their workman, which was received by the Central Government on 20-10-98.

[No. L-12012/30/97-IR (B-II)]  
C. GANGADHARAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 37 of 1998

In the matter of dispute :

BETWEEN

Regional Manager,  
Punjab National Bank,  
Regional Office Mall Road,  
Kanpur.

AND

Sri V. S. Yadav,  
Secretary,  
PNB Employees Union,  
940/18 Radha Bihari,  
Rawatpur Kanpur.

APPEARANCE :

J. C. Dhavan—for the workman.  
None—for the Bank.

#### AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide notification No. L-12012/30/97-IR (B-II) dated 27th February, 1998, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of Punjab National Bank in not appointing Sri Munshi Singh in subordinate cadre on regular basis is legal and justified ? If not to what relief the said workman is entitled ?

2. The case of the workman is that he was selected for the post of peon in Hindustan Commercial Bank which was merged with the opposite party Punjab National Bank in 1986. The concerned workman had worked with the erstwhile bank. However, when the bank was merged the concerned workman made a request for his regularisation with Punjab National Bank. It is also alleged that several other reasons have already been regularised.

3. The opposite party did not put in appearance inspite of sufficient service. In support of his case the concerned workman has examined himself as W.W.1. In his evidence this witness has admitted that he has been removed from service on 26-5-86. In other words he is no longer in service. In my opinion as he is not in service he will not be entitled for regularisation. First he has to get validity of termination adjudicated and only then he will be entitled for regularisation according to rules.

4. In view of above facts, my award is that concerned workman is not entitled for regularisation and he will not be entitled for any relief.

Dated 13-10-98.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1998

का.प्रा. 2325-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूनियन बैंक आफ इंडिया के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-12012/13/97-आई.प्रा. (बी.-II)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी



New Delhi, the 24th October, 1998

S.O. 2325.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Union Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 20-10-98.

[No. L-12012/13/97/IR (B-II)]  
C. GANGADHARAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 76 of 1998

In the matter of dispute :

#### BETWEEN

Asstt. General Secretary,  
Union Bank Staff Association,  
Central Office, 3/192 Veeram Khand,  
Gomti Nagar,  
Lucknow.

#### AND

General Manager,  
Union Bank of India,  
Zonal Office,  
Kapoorthala Complex,  
Lucknow-226001.

#### AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi vide its notification No. L-12012/13/97-I.R. (B-II) dt. 21-4-98, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of Union Bank of India, Lucknow to impose punishment of reduction to lower scale of pay for a period of two years upon Sh. V. K. Khanna, Clerk/Cashier is legal and justified ? If not, to what relief the said workman is entitled ?

2. It is unnecessary to give the details of the case as after sufficient service the concerned Union has not filed the claim statement. Hence the reference is answered against the workman for want of prosecution and proof and he is not entitled for any relief.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1998

का.प्र. 2326.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधकों के संबंध में उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एस-12012/288/86-आई. (आर.बी.-II)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1998

S.O. 2326.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in

the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Union Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 20-10-98.

[No. L-12012/288/86/IR (B-II)]  
C. GANGADHARAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 206 of 1997

In the matter of dispute :

#### BETWEEN

The General Manager,  
Union Bank of India,  
Zonal Office Sharda Towers,  
Kapoorthala Complex Aliganj,  
Lucknow.

#### AND

The General Secretary,  
Union Bank of India Employees Union,  
628/M-33 Murari Nagar, Faizabad,  
Lucknow.

#### APPEARANCE :

M. L. Agarwal—for the Bank and S. D. Mishra—for the Union.

#### AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide Notification No. L-12012/288/86/IR (B-I) dated 11-9-97, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of Union Bank of India in debarring Sri Dayashanker Sonkar Head Cashier of their Khairabad branch in Mau District for higher assignment of special Assistant for the period 14-8-95 to 13-8-98 vide their order dated 16-8-95 is legal and justified ? If not to what relief the said workman is entitled ?

2. There is no dispute that the concerned workman Daya Shanker Sonkar was working as clerk-cum-cashier at Khairabad Branch of opposite party Union Bank of India. There is bank's circular No. DP : ZO : LKO : CIR : 280 : 95 dated 24-1-95 which lays down the procedure for grant of special allowance to head cashier and other allied staff as and when such exigency arises.

3. The case of the concerned workman is that in terms of above circular the concerned workman was called for interview by ZO Lucknow by order/letter dated 20-7-95. The date of interview was 11-8-95, he fell ill on 8-8-95, hence he could not attend the interview. Later on by the impugned order dated 16-8-95, the concerned workman has been illegally deprived of special allowance for period from 14-8-95 to 13-8-98 as this order is bad in law, he is entitled for special allowance for this period as well.

4. The opposite party has filed reply in which it is alleged that actually 14-8-95 was fixed for interview. According to his own showing the concerned workman had recovered from his illness from 13-8-95 even then if he did not appear in interview on 14-8-95, the management bank was perfectly within its right to debar the applicant from benefit of circular for a period of three years.

5. In the rejoinder nothing new has been proved.

6. Thus the only point which is crucial for determination in the case is as to whether the date of interview was 11-8-95 or 14-8-95 as alleged by the management. There is evidence of G. K. Mishra M.W.1 that date of interview

was 14-8-95. No doubt date was fixed for 11-8-95. On the other hand the concerned workman has stated that 11-8-95 was fixed for interview and on this pretext he had taken advance as well. In this case in my opinion oral evidence is of no consequence. The material document will be the letter of interview which was issued by the management which is in his possession. In such a case manipulation of date of interview would not arise. The concerned workman has filed interview letter. It shows that originally 11-8-95 was cyclostyled. Later on it has been altered as 14-8-95. It appears that the concerned workman is trying to take benefit of alteration of 11th by 14th. As said earlier this letter was in possession of the concerned workman. It is not the case of the workman that subsequently the figure 11 has been altered into 14. It will be deemed that this letter was delivered to the concerned workman in altered way and on the basis of this letter my finding is that actually 14-8-95 was fixed for interview as the workman himself had not appeared after recovery from the alleged illness on 13-8-95, hence the opposite party was perfectly justified in not considering his claim and further debarring him by passing the impugned order. Consequently my award is that impugned order passed by the bank was justified and consequently the workman is not entitled for any relief.

Dated 6-10-1998.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2327.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूनियन बैंक आफ इंडिया के प्रबंधकों के संबंध में निदेशों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/289/96-आई.आर. (बी.-II)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1998

S.O. 2327.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Union Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 20-10-98.

[No L-12012/289/96-IR (B-II)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 224 of 1997

In the matter of dispute :

#### BETWEEN

The General Secretary,  
Union Bank Employees Union  
628/M-33 Murari Nagar Faizabad Road  
Lucknow

#### AND

The General Manager,  
Union Bank of India  
Zonal Office Sharda Towers, Kapoorthada  
Complex Lucknow.

#### AWARD

1. Central Government Ministry of Labour vide notification No. L-12012/289/96/IR(B-II) dated 29/31-11-1997, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

"Whether the action of the management of Union Bank of India in debarring Sri Daya Shanker Sonkar Head Cashier of their Khoirabad Branch in Mau District for higher assignment of Special Assistant for the period 14-8-1995 to 15-8-1998 vide their order dated 16-8-95 is legal and justified ? If not to what relief the said workman is entitled ?"

2. The matter of this reference is identical to that of I.D. No. 206 of 1987, the details of pleadings and reasons for award has been given in industrial dispute No. 205 of 1997 dated 6-10-1998. I answer this reference against the concerned workman consequently he will not be entitled for any relief.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

Dated 6-10-1998.

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1998

का.आ. 2328.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूनियन बैंक आफ इंडिया के प्रबंधकों के संबंध में निदेशों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/160/96-आई.आर. (बी.-II)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1998

S.O. 2328.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Union Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 20-10-98:

[No. L-12012/160/96/IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CUM-LABOUR COURT PANDU NAGAR, KANPUR U.P.

Industrial Dispute No. 81 of 1997

In the matter of dispute :

#### BETWEEN

General Secretary  
Union Bank Employees Union,  
Central Office 628/M-33 Murari Nagar,  
Faizabad Road, Lucknow.

#### AND

The Dy. General Manager  
Union Bank of India  
Tekshal Theatre Building 2nd Floor,  
Nadesar, Varanasi.

#### APPEARANCES :

P. K. Tiwari—for the Union and  
M. I. Agrawal—for the Bank.

# AWARD

1. Central Government Ministry of Labour vide notification No. L-12012/160/96/IR(B-II) dated 14-5-97 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

“Whether the action of the management of Union Bank of India Varanasi Region in discontinuing the services of Sri Lalji a case of worker at Barki Branch after 12-8-1995 and not regularising his services as part time sweeper is justified? Also whether the action of the management in paying to Sri Lalji Rs. 5 per day during his engagement at Barki Branch is justified? If not to what relief the workman is entitled?”

2. The case of the concerned workman Lalji is that he was engaged as permanent part time sweeper of the opposite party Union Bank of India. He was entitled to get Rs. 400 per month whereas he was paid Rs 5 per day. He had worked from 26-6-92. He was illegally removed from service in March 1996 in breach of provisions of-Section 25-F of I D. Act.

3. The opposite party bank has filed reply in which it has been alleged that the concerned workman was not engaged on any permanent post. Instead he was engaged on daily rated worker to do the work in the temporary absence of permanent employee. He is not entitled for regularisation as he was not engaged in any capacity. Further he is not entitled for Rs. 400 as salary.

4. In the rejoinder nothing new has been alleged.

5. There is inherent conflict between reference and pleading regarding date of termination. According to reference he was removed from service on 12-8-95 whereas according to claim statement he was removed from service in March 1986. In view of this discrepancy the date of termination as given in reference is bad as according to own version the concerned workman was in service on 12-8-1995, hence question of termination being bad does not arise.

6. As the concerned workman is not in service, question of his regularisation cannot be considered.

7. As regards the claim for Rs. 400 per month instead of Rs. 5 per day there is evidence of Jaipal Reddi M.W. 1 that the concerned workman was used to be engaged for 15 to 20 minutes as and when necessity arose. This fact has not been denied by the concerned workman W.W.1 In my opinion when a part time sweeper works for 15 to 20 minutes he is not entitled for any regular pay. Hence according to the provision of Bipartite Settlement he is not entitled for Rs. 400 per month.

8. In view of above my award is that the termination of the workman is not bad in law and he is not entitled for any relief.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1998

का. प्र. 2329—प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार देना बैंक के प्रबन्धन के संबंध में निम्नलिखित प्रौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार प्रौद्योगिक अधिकरण के समक्ष को प्रस्तुत करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल. 12012/134/90-आई. प्र. —बी—II]

जी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1998

S.O. 2329.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to

the management of Dena Bank and their workman, which was received by the Central Government on 16-10-1998.

[No. L-12012/134/90-IR (B-II)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer

## ANNEXURE

## CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 24 of 1990

### PARTIES :

Employers in relation to the management of Dena Bank

### AND

Their workmen.

### PRESENT :

Mr. Justice A. K. Chakravarty, Presiding Officer.

### APPEARANCE :

On behalf of Management—Mr. N. K. Rakshit, Advocate.

On behalf of Workmen—Mr. A. Chatterjee, Advocate with Mr. N. Rakshit, Advocate.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Banking

### AWARD

By Order No. L-12012/134/90-IR (B-II) dated 1-10-1990 the Central Government in exercise of its powers under Section 10(1)(d) and (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of Dena Bank in appointing Shri S. C. J. Sheth as Head Cashier Category ‘E’ even though he was transferred to Calcutta in July 74 on his request and forgoing Cashiers allowance and ignoring the claims of S/Shri K. K. M. Dave and Panchu Gopal Mandal to that post is justified? If not, to what relief the workmen concerned entitled?”

2. Instant reference has arisen at the instance of Dena Bank Employees’ Congress (West Bengal) and Dena Bank Employees’ Association challenging the appointment of Shri S. C. J. Sheth as Head Cashier Category ‘E’ in Brabourne Road Branch, Calcutta of Dena Bank ignoring the claims of Shri K. K. M. Dave and Panchu Gopal Mandal to the said post.

3. Two written statements were filed one on behalf of K. K. M. Dave and another, on behalf of Panchu Gopal Mandal. In the written statement filed on behalf of K. K. M. Dave it is alleged that he joined the service in Dena Bank on 7th April 1971 as a Cashier-cum-Clerk and subsequently was confirmed in the service of the Bank as its permanent employee by October 1971. This workman from the date of joining has been working as a Cashier of Brabourne Road Branch and was drawing special allowance of Category ‘A’ Cashier in terms of the bipartite settlements/awards and the agreements arrived at between the Bank and its unions. The agreement dated 4-6-1988 is the latest settlement in respect of special allowance to be paid by the Bank to its staffs. In this settlement three types of cashiers, namely, ‘A’, ‘C’ and ‘E’ were agreed upon for appointment in medium large and very large branches of the Bank. It is alleged that in gross violation of the terms of the agreement the management did not issue notice inviting application for appointment to the post of Category ‘E’ Cashier. It is also alleged that such action on the part of the management was discriminatory against the concerned workman. Further case of this union is that though S. C. J.

Sheth refused voluntarily in 1974 the allowance of Category 'A', thereby losing his right to claim the Category 'E' allowance, still then, he was appointed as Category 'E' Cashier in Brabourne Road Branch, ignoring the claim of the concerned workman. Union accordingly prays that the concerned workman being the rightful claimant of Category 'E' allowance, the Bank has acted illegally in appointing S. C. J. Sheth to the said post.

4. In the written statement on behalf of Panchu Gopal Mandal it is alleged that he was working as Chief Cashier of Brabourne Road Branch from 1977 and he was confirmed in the said post on 14-7-1978. When the post of Chief Cashier at Baagalore Road Branch fell vacant on 28-12-1977 two cashiers, namely, Kirit Kumar Dave who was a Paying Cashier and drawing the same allowance as Shri Sheth having refused to accept the post of Chief Cashier for avoiding the responsibility of 7 cashiers and charge of the cash of the branch, the management posted Shri Mandal to the post of Chief Cashier at Brabourne Road Branch with effect from 28-12-1977 and since then he was getting higher cash allowance. Prior to the issuance of circular dated 10-6-1988 there was actually two Head Cashiers in Category 'A' with higher allowance in the Calcutta Centre, one Head Cashier in the Brabourne Road Branch having more than five cashiers under him and the second in the Burrabazar Branch having more than five cashiers under him. The union accordingly submits that Shri Sarat Sheth prior to his appointment as Head Cashier Category 'E' in Brabourne Road Branch was merely working as Paying Cashier at Park Circus Branch. The union accordingly submits that Shri Mandal having been holding independently the charge of each, maintaining scroll separately and keeping safe keys is eligible to be appointed as Head Cashier Category 'E'. It is further alleged that the Bank in violation of the bank-wise agreement dated 4-6-1988 appointed S. C. J. Sheth as Category 'E' Head Cashier. It is also alleged that Shri Sheth having voluntarily refused to receive the special allowance has lost his seniority and the Bank acted illegally in considering him as senior. Shri Mandal made representation to the management against such appointment. Such representation having not been heeded to, an industrial dispute was raised by the union which culminated in this reference. Shri Mandal accordingly prayed for appointing him as Head Cashier Category 'E'.

5. The management of Dena Bank similarly filed two separate written statements denying the principal allegations made by both the unions against appointment of S. C. J. Sheth as Head Cashier Category 'E'. In the written statement against that filed by the union representing K. K. V. Dave it is alleged that there was no discrimination on the part of the management in favour of anyone in appointing Shri Sheth and that there was no violation of the bank-wise agreement in such appointment. Management has further alleged that it decided to post Category 'E' Cashier at Brabourne Road Branch and Category 'C' Cashier at Park Circus Branch. As per settlement, Category 'C' Cashier post has to be filled up by the seniormost Category 'C' Cashier of the centre and if there is no Category 'C' Cashier, the post is to be filled by the seniormost Category 'A' Cashier of the centre where the vacancy in Category 'E' Cashier arises. Management accordingly offered the said post to S.C.J. Sheth, the senior most Category 'C' Cashier in the centre. The Bank further alleged that Shri Sheth had never relinquished his special allowance on transfer from Asansol to Calcutta in October 1974. In fact, on his transfer the management did not offer the allowance to him for some time. It is further alleged that Shri Dave was not holding cash safe key independently and accordingly was not entitled to the allowance as prayed for by him. Management has further alleged that ineligibility of an employee voluntarily relinquishing cashier allowance is not to be considered for payment of Category 'E' Head Cashier allowance because these provisions were introduced for the first time on 4-6-1988 by the agreement.

6. In reply to the written statement filed on behalf of the other workman Panchu Gopal Mandal the management has made similar allegations as made by it in its written statement against workman K. K. M. Dave. Management thus has denied that it had acted illegally. It has stated that the provisions of the bipartite agreement between the

parties were duly adhered to and Shri S. C. J. Sheth was duly appointed as Head Cashier Category 'E' as he was senior to Panchu Gopal Mandal.

7. Heard Mr. Chatterjee, learned Advocate appearing for Dena Bank Employees' Congress and Mr. Rakshit appearing for the management. None appeared on behalf of Dena Bank Employees Association.

8. It appears from record that Dena Bank Employees' Congress (W.B.) examined only one witness, namely, Shri K. K. M. Dave is one of the concerned workman. Management also examined one witness, namely, Bikash Saha. None of these witnesses were cross-examined. Both the management as well as the union representing Shri Dave have produced the copy of the bipartite settlement regarding payment of allowance to 'E' Category Head Cashier and the settlements and marked Ext. W-1 and Ext. M-1. The management has also produced one circular dated 21-12-1988 marked Ext. M-2 which declares the Bank's policy for payment of Head Cashier Category 'C' and Category 'E' allowance and also that where there is more than one cashier in any such branch such allowance should be payable to the seniormost of the cashiers.

9. From the facts admitted by the parties in their written statements as well as from the evidence of WW-1 and MW-1 it is clear that on the application of Shri S. C. J. Sheth, who was the cashier of Asansol Branch for his transfer to Calcutta he was transferred to Park Circus Branch of the Bank where he had been posted as Category 'A' Cashier. It further appears that he was transferred to Brabourne Road Branch of the Bank. It is also clear that at the time of the transfer of Shri Sheth from Park Circus Branch to Brabourne Road Branch Shri K. K. M. Dave and Panchu Gopal Mandal were working in the Brabourne Road Branch as Category 'A' cashiers. Both Shri Dave and Shri Mandal has challenged the appointment of Shri Sheth as Head Cashier Category 'E' on the ground that both of them having been working in the capacity of Head Cashier of Brabourne Road Branch, the management was not justified in ignoring their claim for appointment as 'E' Category Head Cashier and also that Shri Sheth having voluntarily relinquished his right to special allowance as a cashier on account of his transfer from Asansol to Calcutta that he must be deemed to be junior in service to Shri Dave and Shri Mandal and so his appointment as Category 'E' Head Cashier was not justified.

10. Before I proceed to discuss the rival contentions of the parties in the matter, it is to be noted that Shri Mandal is not contesting the case and as a matter of fact since the filing of the written statement, no effective step was taken by his union to contest the case on his behalf. It was submitted by the learned Advocates of both the parties that Shri Panchu Gopal Mandal has no present interest to contest the matter because he has already been promoted to the officer cadre.

11. In the aforesaid circumstances the present dispute being restricted to the refusal of the management to consider the case of Shri Dave before appointment of Shri Sheth to the post of Category 'E' Head Cashier in the Brabourne Road Branch on his transfer, it is necessary to consider the connected agreement/settlement in respect of his matter. I have already stated that both the parties have produced bipartite settlement dated 4-6-1988 and there is no dispute between the parties that they will be governed by the terms of the settlement insofar as it lays down the procedure for appointment to the post of Category 'E' Cashier. On an analysis of the provisions laid down therein it will appear that the Regional Manager shall have to call for applications from the Head Cashier/Paying Cashier Category 'C' from the centre or from the Category 'A' if the Category 'C' Cashier is not available and the seniormost of these applications shall be considered for this allowance. The other requisites for such appointment is that the applicant is not to go out of the Cash Department voluntarily and that he is not to relinquish cash allowance in any category voluntarily. A clarification was made by the Bank in circular dated 21-11-1988 wherein it was stated that Category 'C' and Category 'E' allowance shall be admissible to those branches which are large and very large respectively. It was further provided that amongst

the earlier interse in any particular branch, the seniormost shall get the preference.

12. It is accordingly necessary to consider whether the Bank has complied with the terms of the aforesaid settlement. The management has taken the plea that Shri Sheth being the seniormost amongst the three that the management directly posted him as Category 'E' Cashier in the Brabourne Road Branch after transferring his service from Park Circus Branch as Category 'A' Cashier. Seniority of service of Shri Sheth is not disputed in so far as it relates to the respective dates of appointment of each one of them. It was however alleged that such seniority for appointment in Category 'E' Head Cashier is lost due to the voluntary relinquishment of special allowance on his transfer to Calcutta. The management has vehemently denied that it was a case of voluntary relinquishment, but the Bank in its wisdom declined to grant him any special allowance as Category 'A' Cashier because of his prayer for transfer to Calcutta and that on his appointment as Category 'E' Cashier his special allowance to the said post is being paid.

13. As stated above, the point for consideration being whether due compliance was made to the provisions of the settlement for appointment of Category 'E' Cashier, I find no compliance was made in respect of the same. As stated earlier, for filling any vacancy of Head Cashier Category 'E' it was necessary for the Regional Manager to call for the applications from the centre or from Category 'A' Cashiers, if Category 'C' Head Cashier is not available. It was therefore the duty of the Regional Manager to call for the applications from Category 'C' Head Cashiers initially. There is nothing on record to show that Category 'C' Head Cashier was not available for appointment. Application from Cashier Category 'A' can be called for only if Category 'C' Head Cashier is not available. Appointment to Head Cashier Category 'E' in this case has admittedly been made on the basis of seniority at service of Shri Sheth. He was admittedly a Category 'A' Cashier like Shri Dave and Shri Mandal at the time of his appointment. In the instant case, it is admitted that no application was called for either from Category 'C' Head Cashier or from Category 'A' Cashiers for filling up the vacant post of Category 'E' Head Cashier. The appointment of Shri Sheth accordingly was illegal and void since he was not appointed upon compliance of the basic provisions for such appointment. Under Section 18 of the Industrial Disputes Act, 1947 the parties are bound to go by the terms of the settlement. It is an established principle of law that if any particular mode is prescribed for appointment to a particular post in a particular manner as prescribed under law, the act must be performed in the said manner or not at all. The management therefore cannot be allowed to justify such appointment of Shri Sheth on the basis of his seniority. There are also other things for consideration as stated earlier by me, before appointment to the said post. Admittedly, no such consideration was made by the management as it will appear from the evidence of MW-1 in the matter. Appointment of Shri S. C. J. Sheth to the said post must accordingly be held to be illegal. Since appointment of Shri Sheth is found to be illegal and void, there is no scope for finding whether by making such appointment the management ignored the claims of Shri Dave and Shri Mandal.

14. So, upon consideration of the facts and circumstances of the case as well as the position of law in the matter, I am to hold that the management of Dena Bank acted illegally in appointing Shri S. C. J. Sheth to the post of Category 'E' Head Cashier in the Brabourne Road Branch by flouting the relevant provisions of the settlement dated 4-6-1988. Since such illegal and void appointment cannot create any right in favour of any employee, no question of ignoring of the claim of any other employee by such void appointment can arise. The Bank is accordingly directed to fill up the said post of Category 'E' Head Cashier in the Brabourne Road Branch upon strict compliance of the settlement dated 4-6-1988 in the matter. 2866 GI/98—16

Save and except the aforesaid relief of giving a further chance to press their claim for the said post once again, the concerned workmen shall not be entitled to any other relief in this case.

This is my Award.

Dated, Calcutta,

The 6th October, 1998.

A. K. CHAKRAVARTY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1998

का. प्र. 2330.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का. 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया (यूको बैंक) के प्रबंधन के संबंध निचोड़कों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण गौहाटी के पचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[नं. एम.-12012/210/94-आई. प्रार. (बी.-II)]

सी. गंधारन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th October, 1998

S.O. 2330.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Guwahati, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of United Bank of India (UCO Bank) and their workman, which was received by the Central Government on 21-10-98.

[No. L-12012/210/94-IR(B-II)]

C. GANDHARAN, Desk Officer  
ANNEXURE

IN THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, GUWAHATI,  
ASSAM

Reference No. 4(C) of 1995

PRESENT:

Shri D. Hazarika, M.A., LL.B., Presiding Officer  
Industrial Tribunal, Guwahati

In the matter of an Industrial Dispute.

BETWEEN

The Management of  
United Bank of India, Silchar Cachar.

AND

Their workman, Smt. Meena Chakravarty.

APPEARANCE:

Shri A. N. Sharma, Advocate—For the Management.

Shri N. Choudhury Advocate.—For the Workman.

AWARD

1. The Govt. of India, Ministry of Labour Deptt. by its order No. L-12012/210/94-IR(B-II) dated the 8th December, 1994, referred to this Tribunal an Industrial Dispute, between the Management of United Bank of India and their workman, Smt. Meena Chakravarty, for adjudication of the following matter, of dispute/issue:—

"Whether the action of the management of (UCO Bank) United Bank of India, Silchar

vide corrigendum dt. 5-9-95, in terminating the services of Smt. Meena Chakravarty, clerk, by treating her as having voluntarily retired from services w.e.f. 26-4-93 is legal and justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"

2. The Management in their written statement inter alia averred that the workman has no valid ground for raising the dispute. The dispute was raised on frivolous ground only to harass the management for wrongful gain. The workman, Smt. Meena Chakravarty, a clerk of the management was posted at Tarapur (Silchar) branch of the Management's Bank on transfer from Imphal Branch. While Smt. Chakravarty was working in the management's bank, she was very irregular in attending to her duties. She was a habitual absentee in her duty. Total days of her absence in duty, in management's bank, from 1990 to 1993 upto 9-3-93, are given in detail in the para No. 4 of the written statement of the management bank. She (workman) applied for 30 days leave from 22-10-92. But her leave could be granted since he had no leave of any kind at all at her credit. She was duly intimated it accordingly by a letter on 22-10-92 i.e., on the same day. But she (workman) ignored it and left the station and remained absent unauthorisedly from 22-10-92 to 26-4-93 and did not reply to several letters served on her asking her explanation except her letter dated 16-11-92. Explanation given by the workman in the said letter dt. 16-11-92 was found not at all satisfactory. After her said letter, She (workman) did not care to reply to any of the several letters served on her and remained absent in her duty in bank. Although the management directed the workman to resume her duty, she did not care at all to attend (her duty) without any explanation from her side. Finding no other alternative, the management bank by its notice No. RO/PC/351/3/18849 dated 17-3-93 requested her (workman) to join her duties within 30 days from receipt of the said notice failing which it would be presumed that she was no longer interested in the service of the bank and her name would be struck off from the roll of the bank after expiry of the above period in terms of bank's rules. She (workman) did not pay heed to the said directive of the management at all and remained absent unauthorisedly. Thereafter the management bank according to the terms of its rule struck off her name from the roll of the bank from 26-4-93 after issuing a final reminder under the management bank's letter No. RO/PC/351/93/969 dated 19-4-93. Her (workman's) continued absence in bank adversely affected the customer's service and also business of the bank and the management of the bank for which could not afford to ignore such conduct on the part of an employee. In spite of it the management did not take any disciplinary action against the workman and taking into consideration of her difficulties, it (management) always took very lenient view and gave her enough opportunity to rectify her habit, but she failed. Ultimately the management has compelled to strike off her name from the roll of the bank due to her continued unauthorised absence. This was a case of voluntary cessation of employment. For the above reasons, Smt. Meena Chakravarty (workman) is not entitled to get any relief.

In their rejoinder/Addl. written statement, the management answered the case of the workman in para wise elaborately.

3. The case of the workman, Smt. Meena Chakravarty, in her complaint petition, inter alia in brief is that the management bank qualified and posted her as cash-clerk at Imphal on 9-4-83. While in service the workman (complainant) married an Army Officer in 1986 posted in Imphal having his residence there in side Army cantonment area. In the year 1989 her husband was transferred to Dharangdhara of Gujarat. But as there was no branch of the management bank, he got his transfer to Bareilly where management bank had its branch, requesting his authority. She (complaint/workman) had to apply for her transfer to Bareilly on spouse ground, seeking inter-state transfer, as her husband joined there (Bareilly). Although the Regional Manager, Central Region, UBI, Lucknow, wrote to the Chief Personal Manager of the management bank informing his view to accommodate the workman at Bareilly the management bank did not respond for which her inter state transfer could not be materialised. After preferring several representations of the workman, the Zonal Office of the management at Guwahati informed the workman about her representation/prayer for transfer and recorded for consideration giving its validity upto 17-2-93. After preferring her representations for transfer and submitting application showing cause of her inability to attend her duty, She (workman) left for the place of posting of her husband to look after her minor son and to reside with her husband at Bareilly where she became ill and was hospitalised. But the Imphal branch of management bank did not allow her leave of absence in duty. On the other hand it was very dangerous for her to stay at Imphal being wife of a army man/officer. Having no alternative, She (workman) had to apply for her transfer to Silchar. According Management bank transferred her to Silchar where she joined on 20-7-91 under compelling circumstances. But, she (workman) had to avail leave as her only minor son became ill and had to be hospitalised. However, she attended in her duties while it was possible and practicable. She never remained absent in duty without information and/or representation. The management bank knowing all the facts even receiving her representations/appeals, taking unkind attitude turned down the same in most arbitrary and illegal way violating all the laws and rules, bye-laws, cause of natural etc. The management bank/bankal bank, vide their letter No. PMP/Est/MO/159/08/91 dated 19-7-91, showed details of leave period of 602 days as leave without pay and also had condoned the absence. The complainant (workman) applied for casual leave from 9-10-91 to 12-10-91 vide her application dated 13-10-91 along with medical certificates. She applied for leave on medical ground for two months on 23-10-91 as she was advised for medical treatment. As there was no facility for her treatment at Silchar he had to go outside the state for her treatment. He joined in her services on 1-11-91 and again applied for leave for two months from 2-12-91. Meanwhile, the respondent No. 2 (Management) informed her by a letter that there was no leave on her credit-her leave will be treated 'leave without pay' she (workman)

had to under medical treatment for her own health under care of her husband as per advice of doctor/specialist of Delhi from 4-12-91. She resumed her duty being fit to resume duty on 1-1-92. She again became sick on 4-5-92 for which she again applied for one month leave according to advice of her attending doctor. As she was advised to take rest minimum 8 (eight) weeks by doctor, she sent an application on 1-6-92 for granting leave from 5-6-92 to 5-8-92. In the meantime on 11-7-92 her minor son sustained fracture on his arm for which she again sent an application for extension of her leave on 28-7-92 which the management received on 3-3-93. The management termed the leave as 'unauthorised' with their letter dated 6-8-92 and threatened to take disciplinary action against her. She rejoined in duty on 19-9-92. The workman became the victim of circumstances and adversity for which she again applied for leave by her letter dated 22-10-92. But the management vide letter No. RO/PC/351/92-II.140 dated 5-11-92 invoked the provisions of paragraph 19.7(a) of the Bipartite Settlement dated 19-10-66 and wanted a written explanation as to why disciplinary action should not be taken against her. Workman/complainant received the said letter on 13-11-92 and submitted reply prayed to transfer her to Bareilly and grant leave on compassionate/humanitarian ground. The management acknowledged the receipt of the said explanation (Letter), but contended that explanation given by her were not convincing and acceptable, and advised her to report her duty. The management did not state anything at all about her prayer of transfer to Bareilly. She (workman) had to prefer her transfer to Bareilly from Silchar as her minor son was reading in school there with his father alone. The workman by her application dated 30-12-92 prayed for granting leave pending her prayer to transfer to Bareilly on spouse ground. But the management directed her to resume her duty within 7 days of receipt of their letter, further informing her to the effect that her absention attracts "minor misconduct" as per para 19.7 (a) of the Bipartite Settlement of 1966 for which if she did not resume her duty disciplinary action would be taken against her. She requested her management to be kind and sympathetic for her and requested further 2 months leave. The management by their letter dated 17-3-93 asked her to resume her duty within 30 days of receipt of their letter. Otherwise her name would be struck off from the roll of the bank and her service will be deemed to have been voluntarily ceased after expiry of the notice period as per Clause 17 of the 5th Bipartite Settlement dated 10-4-89. On 30-3-93 she answered the letter of the management and on the same time workman/complainant sent two applications to the management for forwarding them to the authority of State Bank of India relating to her Bank transfer for posting her at Ferozpur Branch. But management bank authority did not respond. The management ignoring all the representations, applications and appeals of the workman/complainant on spouse, medical and other grounds i.e. ignoring applications for branch transfer to Bareilly, Ferozpur and for Bank transfer to State Bank of India, disregarding all common human approach consideration etc. most arbitrarily issued the letter No. RO/PC/351/93/969(3) dated 19-4-93 terminating the services of the complainant/work-

2866 GI/98-17

man with effect from 26-4-93. The complainant/workman just after receipt of this letter prayed and appealed not to invoke the provisions of Clause 17 Bipartite Settlement and prayed for further leave on special humanitarian and compassionate grounds which the management side received on 26-4-93. As soon as the workman became abt fit in health and situations, she came to Silchar and submitted her joining report on 11-6-93 which was turn down by the Management when the Deputy Regional Manager (Respondent No. 2) had turn down her joining report, she (workman) made representation to the Chief General Manager of management Bank. But he did not respond. Thereafter she (workman) served her advocate's notice on the management. But no response. Then the workman/complainant filed a complaint before Asstt. Labour Commissioner (Central). He failed to conciliate the matter. So, he referred the matter to Labour Department (Central Govt.) for starting a reference before this Tribunal. Hence, this reference.

Leave availed by the complainant/workman, while she was in Silchar branch, cannot be termed as unauthorised or illegal as she had to avail the same due to compelling circumstances only, that is, her ailments and ailments of her minor son as her husband to busy in his official duty in insurgency areas. Availing leave with information, representation etc. cannot be termed as desertion, or voluntary retired or no intention of joining duties as has been mentioned in Clause 17 of the 5th Bipartite Settlement dated 10-4-89 by invoking of which clause the management discharged the workman/complainant. Hence, the prayers in para No. 22 of the complaint petition.

4. The management's witness No. 1, the Branch Manager of United Bank of India, Tarapur Branch, Silchar, at the relevant time, Sri Subhash Ch. Debnath, inter alia deposed that from the year 1992 upto the month of December, 1993, he was Branch Manager of UBI, Tarapur Branch, Silchar. Then Smt. Meena Chakravarty, the workman of this case, was working as a clerk of that branch of UBI under him. In the month of October, 1992 she submitted a leave application by Ext. 2 which he rejected as she had no leave of any kind at her credit at that time. He served his letter by Ext. A, with the registered A/D by Ext. B, on the workman informing her to the effect that her leave could be granted as she had no leave at her credit for which she could not go on leave. In spite of it she went on leave without giving any reply to his letter (Ext. A) although she received it (his letter). In the month November she (workman) sent her letter by Ext. 'C'. After it she sent no letter at all to the management. But the management sent several letters to her, many times, asking her to join in her service giving her sufficient opportunities/chances. In spite of it she (workman) did not resume her duty. At last, thereafter, after serving 30 days and 7 days notices on her to resume her duty, she (workman) was discharged from service. There is no rule at all that an employee can remain absent from his/her duty in office indefinitely on the ground of his/her either ill health or spousal. If an employee remain absent in office without granting his/her leave, such absence is called 'unauthorised absence'. In his letter to the Regional Manager by Ext. 'D', 'unauthorised absence' of



Meena Chakravarty (workman) was mentioned. The workman was informed by Ext. 3 that she committed misconduct although no proceeding was drawn against her for her misconduct. According to Bi-partite agreement drawing up of a proceeding is not necessary. Deputy General Manager is not an appointing authority of the workman. Regional Manager is the appointing authority. He knew about a circular of transfer available in central unit on spouse ground which is applicable in UBI. He did not know if Regional Manager, Northern Zone recommended transfer of the workman to Bareilly. It was not a fact that discharge of Meena (workman) from services was malafide. Bank cannot remain silent for years together. Meena did not inform her intention to join in service again. Management witness No. 2 (Dabasish Borthakur) was/is a doctor then serving in medicine department of G.M.C. He inter alia deposed that doctor who issued the medical certificate (Ext. 2(A)) was a Gynaecologist only. If a person suffers from ulcerative colitis has to go to Medicine doctor or Gastrologist. This disease can be treated in the medicine department of Silchar Medical College. It is not necessary/no need to take long leave if a person suffers from ulcerative colitis. In cross-examination although M.W. 2 inter alia deposed that Gastrology was not his subject and although he had not done D.M. in this branch, a medicine doctor can issue certificate relating to ulcerative colitis. Management witness No. 3 Shri Bijoy Kr. Dey the then Deputy Regional Manager, UBI, Cachar Regional Office inter alia deposed that at the relevant time, Smt. Meena Chakravarty (workman) was working as a clerk at UBI Office, Tarapur Branch, Silchar. Then he (M.W. 3) was Deputy Regional Manager of UBI, Cachar Regional Office. United Bank of India, Tarapur Branch, was under Cachar Regional Officer for which Smt. Chakravarty (workman) was working under him. Before that Smt. Meena Chakravarty (workman) was working at Imphal. Records of UBI Office, Imphal had disclosed that Smt. Meena (workman) was very irregular in attending her Office. She took leave much. She was absent in Office for 353 days in 1990, 236 days in 1991, 223 days in 1992 and 68 days in 1993. In the month of October, 1992 she applied for leave. Her leave was not granted. But she left her office, and thereafter she was remained absence in office more than 90 days without giving any information to bank authority. According to bank rule if any employee remained absent in office more than 90 days without information he/she could/can be given voluntary retirement. Ext. 7 is his letter by which Meena (workman) was given 31 days time to resume her duty. As per Bi-partite Settlement he/she (workman) could/can be given voluntary retirement. By Ext. 9 they struck off the name of Meena Chakravarty (workman) from the Roll of Bank. No officer can strike off the name of employee unauthorisedly from bank Roll. If it is done the officer concerned would have to face punishment. He rightly struck off the name of the workman from roll of bank for which he was not punished. Bank had its own Rule/Guideline. Accordingly to Bank guideline he was given status/authority as Disciplinary authority and with that authority (guideline) he took action against the workman. In cross-examination he inter alia deposed that clerk-cum-cashier appointing authority was/is Gene-

ral Manager. Then says Zonal Manager. On 17-3-1993 or 19-4-1993, he was not Zonal Manager. Then he was Deputy Regional Manager. Disciplinary authority was/is superior than the appointing authority. In Clause 17 of the Bi-partite Settlement about self style voluntarily retirement was written. He did not send document as per provision of Clause/Section 17(3) alongwith his letter. They did not take any decision or give any explanation to the effect that the employee (workman) took decision not to join in her service. The letter dated 17-3-1993 was the notice.

5. The workman, Smt. Meena Chakravarty, inter alia deposed that she joined in the service of the management Bank at Imphal on 9-4-1983 as cash clerk. She married G. Chakravarty at Imphal in the year 1986. Her husband was transferred to Gujarat in the year 1989. But, at his request army authority subsequently transferred him to Bareilly, U.P. as there was/is a branch of the Management's Bank at Bareilly for her transfer also on spouse ground. In the same year (1989), she submitted a representation, for her transfer to Bareilly on spouse ground, before the Regional Manager of U.P. Central Region. He allowed her prayer to accommodate her in Bareilly by Ext. 1. But the management rejected her said prayer. In the absence of her husband she felt insecure to stay outside the army contentment. She was further sick as she had been suffering from ulcerative colitis. Again she submitted representation to transfer her to Silchar. Her said representation of transfer to Silchar was allowed by management. She joined on 20-7-1991 at Tarapur Branch of Silchar. The management by invoking the Clause 17 of the 5th Bi-partite Settlement struck off her name from the roll of the Bank with effect from 26-4-1993 by the letter dated 19-4-1993 with the allegations that she remained absent from duty more than 90 days without information or intimation to her authority. But she never remained absent from duty for 90 days 'without information' as she submitted applications stating grounds of her absence from duty. Her first application dated 22-10-1992, by Ext. 2, has got endorsement of the Branch Manager of the Bank. The management by their letter of caution dated 19-12-1992, by Ext. 3, termed her absence as minor Misconduct. She submitted her reply by her letter dated 30-12-1992 marked Ext. 4, Management by their letter dated 21-1-1993 marked Ext. 5, termed her absence as minor misconduct showing Clause No. 10.7 of Bi-partite Settlement. She gave her reply, by Ext. 6, requesting for medical leave since she was in army hospital on 17-3-1993 the management gave a notice by Ext. 7 to her showing Clause 17 of Bi-partite Settlement although there was no material as contemplated under said clause. She gave reply by Ext. 8 with postal receipts by Ext. 8(1) and 8(2). Management did not grant her leave. The management by their letter, by Ext. 9, dated 19-4-1993 informed her that her name will be struck off from the roll of the bank. Deputy Regional Manager is not the competent authority to terminate her from service as she was not appointed by him. Clause 17 reads about absenteeism for 90 days 'without intimation' to the authority. But her case is different as she always intimated to the authority about her absent in duty. Clause 10.7 gave about minor misconduct absence without leave etc. Management has to follow disciplinary procedure.



action against her. But the way she was terminated from service was manifestly illegal and violation of principle of natural justice. She is ever ready to get the service back serve in the services. She prays that she may be re-instated in the service allowing all the benefits and back wages from 26-4-1993 declaring action of the management as illegal. Her letter Exts. 4 and 6, were sent from Bareilly to the Deputy Regional Manager (Admn.), Silchar. There is no proof that he (Dy. R.M.) received those letters. It was not a fact that she did not send/post any letter to the management after 22-10-1992 requesting to extend/continue her leave. If there is no leave at the credit of an employee, his authority cannot grant leave to that employee. The bank is public utility industry for which if an employee remains absent frequently, the Bank will suffer. As she was a cashier-cum-clerk of management bank of Tarapur branch, Silchar, she held a responsible post of the bank. Every post of a bank is responsible. As she remained absent frequently the bank suffers. In 1990 she was absent for 353 days, in 1991 she was absent for 236 days, in 1992 she was absent for 223 days and in 1993 upto 9-3-1993 she was absent for 68 days total 880 days without pay. The bank appears to be lenient as no action was taken against her, when she filed application for leave, the bank informed her that she had no leave at her credit. She did never receive any letter from the bank granting her leave. It was not a fact that she remained absent for more than 90 days and she had no interest to serve in bank. She wrote letter to the Chief General Manager, SBI, Chandigarh seeking a transfer and posting in SBI from UBI. It was not a fact that she had no interest to serve in UBI as she sought transfer to SBI. It was not a 'voluntarily cessation of service'. It was not a fact that she was rightly terminated from service on the ground of misconduct and she was not entitled to get reinstatement with all amenities and back wages.

6. The letter of the Regional Manager Central Region, Lucknow, marked exhibit-1, addressed to the Chief Manager Personal Department, UBI, shows that the workman prayed for her inter-state transfer to Bareilly where said Regional Manager also favoured her transfer under compassionate (spouse) ground. Admittedly the workman (Meena Chakravarty) submitted application by Ext. 2 before the Branch Manager UBI, Tarapur Branch, Silchar for granting leave for 30 days with effect from 22-10-92 on medical ground, although the Branch Manager refused her leave as there was no leave at her credit. The workman sent 2 applications, by Exts. 4 and 6, to the Dy. Regional Manager (Admn.) Regional Office, United Bank of India, Cachar Region, Ullaskar Sarani, Silchar for extending her leave etc. In this connection although the workman failed to prove service of these above two applications on the said Dy. Regional Manager formally—thereby parse it cannot be a ground to disbelieve the fact of posting/sending of these applications by her (workman) to the addressee considering the contents of copies of the said applications. Further, the workman sent her letter (Ext. 8, Annexure 17) by postal receipts

Exts. 8(1) and 8(2) stating to the effect that circumstances compelled her to leave office/station in the month of October 1992. The workman by her letter (Application) dated 16-11-1992, marked Ext. 'C', very humbly and politely inter alia informed the Dy. Regional Manager (Admn.), Regional Office UBI, Cachar Region, that the unfortunate circumstances, her ill health etc. compelled her to leave her station.

7. It is gathered from the letter (Notice) of the management dated 17-3-1993, marked Ext. 7 and their (management's) letter, dated 19-4-93, marked Ext. 9, issued to/served on Mrs. Meena Chakravarty (workman) that her name was struck off from the roll of the management's bank i.e., terminated her services, as per provisions of Clause 17 of the 5th Bi-partite Settlement dated 10-4-89 with effect from 20-4-93 treating her as having 'voluntarily retired' from her services. But Note No. 3(i) Clause 17 of the 5th Bi-partite Settlement dated 10-4-89, reads—'The Clause 17 of the 5th Bi-partite Settlement, dated 10-4-89 will apply only in cases of 'desertion' i.e., where there is 'absence from duty without intimation'. If there is 'an intimation' from the employee but the absence is unauthorised otherwise, this clause will not be applicable in such cases. Such case will come under purview of disciplinary provisions. It is already mentioned/discussed in the para No. 5 above that Mrs. Meena Chakravarty (workman) remained absent in her duty by submitting several applications/letters (Intimations) from time to time addressing to the management showing causes of her absence, although the causes shown lay her may not be justified or upto satisfaction of the management. Hence, this case in hand is not of 'desertion' that is, not 'without intimation'. Considering the facts and circumstances of this case in hand, as gathered from the pleadings of the parties and evidence on record the absence of Mrs. Meena Chakravarty (workman), is clearly a case of 'unauthorised absence', from her duty. Consequently the clause 17 of the 5th Bi-partite Settlement, dated 10-4-89 is not applicable there, in this case in hand. In my opinion this case in hand falls under purview of disciplinary provision for which above-mentioned Note No. 3 is clearly attracted to the facts and circumstance of this instant case. To constitute abandonment of service, there must be 'total or complete' giving up of duties so as to indicate an 'intention' not to resume the same. Abandonment or relinquishment of service is always a question of 'intention' and normally such an intention cannot be attributed to an employee without adequate evidence in that behalf. It is a question of fact to be determined in the light of the surrounding circumstances of each case. Temporary absence is not ordinarily sufficient to constitute an abandonment of office, reported in (1979) 1 Supreme Court cases 590.—decided in G.T. LAD AND others—Appellants Chemical ADD Vs. FIBRES OF INDIA LTD.—Respondent. It appears from the pleadings of the

parties and evidence on record of this case that workman married with an army officer, who was transferred from one place to another frequently for which she wanted her transfer also to the service places of postings of her husband on spouse ground since she wanted to live with her husband enjoying family life and as he cannot live alone too on the plea of her own and her minor son's safety. Her further case is that as she was suffering from 'Ulcerative colitics', she had to stay outside her service place for her better treatment outside this state and with the above pleas the workman submitted several prayers to the management for her leave, extension of her leave and for her transfer outside state. But when she (workman) did not see possibility of her transfer to the posting place of her husband, then only she submitted her prayer to the authority of State Bank of India, through the Branch Manager of UBI, Tarapur Branch, Silchar, seeking bank transfer. Being a young woman with minor son, particularly wife of an army officer, there is also reason to believe to some extent, that she (workman) cannot stay alone for long period without her husband on the ground of her safety. The workman neither wanted to leave her service nor wanted to live alone without her husband, as gathered from record of the case, for which only she was absent from her duty 'unauthorisedly' for very long time. Under the above facts and circumstances, it cannot be held that the workman intended to abandon or relinquish her service. According to case and evidence of the workman, in other words, she had been pleading for her absence from duty for long time to be not intentional or wilful, but circumstances compelled her to do so. It was held that the termination was illegal particularly when the employee was persistently contending that his failure to join duty or absence was involuntary and due to circumstances only beyond his control—AIR 1976 Supreme Court 37.

8. In view of my above discussions and findings, considering the totality of the pleadings of the parties and evidence on record as a whole, it is decided that the action of the management of UCO Bank, that is; the United Bank of India, Silchar, in terminating the services of Smt. Meena Chakravarty (workman), clerk, by treating her as having 'voluntarily retired' from services w.e.f. 26-4-93, is neither legal nor justified. The first part of the issue is answered in negative against the management.

When the 'action' of the management itself is decided as not justified, any further discussion or decision as regards question of 'authority' of Dy. Regional Manager to terminate the workman is redundant.

9. It appears from the evidence on record and pleadings of the parties including that of the workman herself, that on 22-10-92 she (Mrs. Meena Chakravarty), after filing/submitting her application (Ext. 2) for leave, in the office of the Branch Manager, Tarapur Branch of UBI, Silchar, left her office and station of service even, without care although the said Branch Manager by his endorsement in her said application and with his letter, by Ext. A, on the same day, informed her categorically to the effect, that since there was no leave of any kind/any category at her credit, her leave and station leave cannot be granted and her absence from duties will be treated as unauthorised, and bank will take appropriate disciplinary action against her violating leave

rules in time and again, as caution and ultimatum were given to her (workman) earlier too. From the said letter of the said Branch Manager (Ext. A) and from other evidence on record it further discloses that earlier also the workman was very very irregular in her attendance violating Bank rules without caring her authority. It is gathered from the evidence on record that in spite of knowing the fact that there was no leave at all at her credit, she (workman) left her office and station of service even without caring management (her authority) and there after she applied for leave several times, although admittedly an authority of an employee cannot grant leave to its said employee if he/she had/has no leave at her/his credit at all. It reveals from the pleadings of the parties and evidence on that although the management of UBI directed the workman (Smt. Meena Chakravarty) several times/many times to resume her duty, She (workman) never cared to join her duty. Considering the facts and circumstances of the case, as gathered from the pleadings of the parties and evidence on record as a whole the pleas (Excuse) taken by the workman are considered not at all sufficient to remain absent from her duties for very very long time, totalling 880 days, since the year 1991 upto 9-3-93. Admittedly the management Bank appeared to be lenient on her part as it did not take any action against her (workman) earlier during long period of her 'unauthorised absence'. The workman knew well that bank authority did not grant her leave as she had no leave of any category at all at her credit. But knowing fully well that authority cannot grant leave to her as she had no leave at all at her credit, she remained absent in her duties for 880 days from 1990 to 9-3-93. The workman admitted that Bank is a public utility industry. She further admitted that she held a responsible post in Bank and post of every employee in a Bank is responsible. Over and above, she (workman) admitted that as she remained absent in her duties frequently for long time the management bank suffered much. The conduct of the workman, as gathered from the record of the case, was/is not at all satisfactory, but condemnable for which her 'unauthorised absent' for very very long time, is not at all acceptable and justified considering her pleas/excuse shown in her pleadings and evidence. Although the workman had no leave of any kind at all which was/is well known to her, although she knew well that authority cannot grant leave to her since she had no leave at all of any kind at her credit, she submitted applications for leave one after another, for never ending indefinite time and remained absent from duty for very very long time and never cared at all to resume her duty in spite of repeated several directions from her authority. Absence of the workman from her duties is not only found unauthorised, but also she neglected her own duties. Further, she disobeyed the directions of her authorities as gathered from the evidence on record. Her termination is found/held not justified due to because of the fact that she never intended to relinquish or abandon or desert her service for treating her as 'voluntarily retired' within the meaning of the Clause 17 of the 5th Bi-partite Settlement dated 10-4-89.

In the light of above reasons, it is decided that Mrs. Meena Chakravarty (workman) is 'not entitled' to her re-instatement in her service with her back wages, seniority, other benefits, amenities etc. with effect from 26-4-93 as prayed for as she is liable to face serious disciplinary actions considering her amount of misconduct, as gathered from the record of the case.

10. In the result, in view of my discussions and finding above as a whole, I find and hold that the workman, Mrs. Meena Chakravarty is entitled to relief of joining in her service only 'without any benefit' i.e. back wages, seniority, other amenities etc. The management is directed to allow the workman, Mrs. Meena Chakravarty, to join in her service at Tarapur Branch of UBI, Silchar. But she cannot claim any benefit other amenity whatsoever from the management as mentioned above. Her benefit of service wages etc. will be counted with effect from the date of her joining only at Tarapur Branch of UBI, Silchar.

11. I, therefore, give my award on this the 25th day of September, 1998 in above terms, and the reference is disposed of without cost.

D. HAZARIKA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1998

का. भा. 2331 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आन्ध्रा बैंक के प्रबन्धन के संयुक्त नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-12012/273/96-आई. आर. (बी.-II)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th October, 1998

S.O. 2331.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Andhra Bank and their workman, which was received by the Central Government on 21-10-98.

[No. L-12012/273/96-IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESIDING OFFICER : CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL: NEW DELHI

I.D. No. 139/97

In the matter of dispute between :  
Smt. Kashmiri Bai through  
Andhra Bank Shramik Union,  
The General Secretary,  
Andhra Bank Shramik Union,  
R-3, Green Park (Main),  
New Delhi-110016.

Versus

The Assistant General Manager  
Andhra Bank,  
Pusa Road,  
New Delhi.

## APPEARANCES :

Shri C. M. Ganga Ram for the workman.  
Shri B. S. Narang for the Management.

## AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/273/96/IR (B-II) dated 11-9-97 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of Andhra Bank in denying the promotion to Smt. Kashmiri Bai, she being the senior most in the 1/2 scale wage sweeper w.e.f. February, 1995 is legal and justified? If not, to what relief the said workman is entitled?”

2. The representative of the workman namely Shri C. M. Ganga Ram has made statement that the workman is not interested in continuing with the dispute and No Dispute award may be given in this case.

3. In view of this statement of the representation of the workman a No dispute award is given in this case leaving the parties to bear their own costs.

14th October, 1998.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1998

का. भा. 2332 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ बड़ोदा के प्रबन्धन के संयुक्त नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-12021/54/92-आई. आर. (बी.-II)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th October, 1998

S.O. 2332.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workman, which was received by the Central Government on 21-10-98.

[No. L-12012/54/92-IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer.

## ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESIDING OFFICER : CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL : NEW DELHI

I.D. No. 63/92

In the matter of dispute between :  
Shri Anand Singh Adhikari,  
House No. 26, Sector-9,  
Shiv Puri, New Vijay Nagar,  
Ghaziabad-201001.

Versus

Regional Manager,  
Bank of Baroda,  
Zonal Office,  
Super Bazar,  
Station Road,  
Muradabad-244001.

## APPEARANCES :

Shri D. N. Vohra for the workman:

None for the Management.

## AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/54/92-I.R.B-2 dated 15-7-92 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the claim of Shri Anand Singh Adhikari that he had worked in the Bank of Baroda, Gandhi Nagar, Ghaziabad Branch, for 7 months from 10-5-90 to 10-12-90 on daily wages and was forced to sign on payment vouchers in different names during the period is correct? Is he eligible for consideration for permanent appointment in terms of the Bank's advertisement. In Nav Bharat Times dated 24-8-1991? What relief, if any, is the workman entitled to?”

2. The workman in his statement of claim has alleged that he was engaged as peon on 10-5-90 by the Management on daily wages and he resumed his duties on 10-5-90. He was paid Rs. 20/- per day but was being paid not as wages/salary but was being paid on vouchers for different works done by him. The vouchers were got signed by him in different names on different occasions namely Anil, Ravi, Anand Singh, Ram Kishore, Shiv Kumar, Ram Lal, Ram Gopal, Ram and Hari, Hari Ram, Ram Kumar, Puran Chand and Ramesh Kumar, etc. The workman insisted that he be paid by his own name but on 10-12-90 he was told not to perform any duties. The termination of the workman was illegal, unjustified and amounted to unfair labour practice. The workman made complaints to the authorities but no action was taken. Hence this reference.

3. The Management in its written statement alleged that the workman was not appointed on regular basis and was given odd job for which he was being paid by the management on vouchers. The question of paying him in different names did not arise.

4. Management examined Shri Zafar Ahmed Khan MW1 while the workman himself appeared as WW1.

5. I have heard representatives for the parties and have gone through the record.

6. The workman according to his own statement worked from 29-5-90 to 7-12-90 though the management had denied this fact. The workman has admitted another fact that he was being paid on vouchers for the work done by him. He has also stated that the work was taken from him in other different names also and he was paid the wages against those names. Though there is no reason to believe that the management which is an Institution of the organised Sector would ask any person to sign in different names for the work done by him but even if it is believed then the total number of working days of the workman is much less than 240 days in all. There is no continuity of service and he was working on daily wage basis with regular breaks in the employment. The workman as such has no right to be regularised in his service without following the procedure meant for recruitment for regular employees in the nationalised banks like that of the management. The mere fact that he had worked for about 7 months with regular intervals and on particular dates, the total number of

days much less than 240 days he was not entitled to be regularised in service. He could be considered for employment only on advertisement by the bank if he fulfilled the qualifications and eligibility he was otherwise not entitled to any relief in this reference.

Parties shall bear their own cost.  
9th October, 1998.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1998

का. आ. 2333 :—कर्मचारी श्रमिण्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री शरद एस. पाटिल को केन्द्रीय न्यासी बोर्ड का सदस्य नियुक्त करती है और दिनांक 10 अप्रैल, 1997 को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग—II, खण्ड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित श्रम मंत्रालय के सं. का. आ. 321 (अ) दिनांक 9 अप्रैल, 1997 में भारत सरकार की अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

2. उक्त अधिसूचना में क्रमांक 25 और उसमें संबंधित प्रावधानों के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“श्री शरद एस. पाटिल,  
महासचिव, भारतीय नियुक्ता परिषद,  
ग्रामी एंड नेवी बिल्डिंग,  
148, महात्मा गांधी रोड,  
मुंबई—400001”।

[स. बी.—20012/1/97—एस. एस. —II]  
जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd October, 1998

S.O. 2333.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5A of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Sharad S. Patil as a member of the Central Board of Trustees and makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 321(E), dated the 9th April, 1997 published in Part-II, Section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India Extra Ordinary, dated the 10th April, 1997.

2. In the said Notification for the entries against serial No. 25, the following shall be substituted namely :—

“Shri Sharad S. Patil,  
Secretary General,  
The Employees' Federation of India,  
Army & Navy Building,  
148, Mahatma Gandhi Road,  
Mumbai-400001”.

[No. V-20012/1/97-SS.II]  
J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1998

का. आ. 2334 :—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 01 नवम्बर,

1998 को उम तारीख के रूप में नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय—4 ( धारा—44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है ) और अध्याय—5 और 6 ( धारा—76 की उप-धारा (1) और धारा—77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है ) के उपबन्ध आन्ध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

“निम्नलिखित की सीमाओं के भीतर आने वाले क्षेत्र ।

- (1) उन क्षेत्रों जहाँ स्कीम पहले ही लागू है के अलावा गुडुर म्युनिसिपलटी
- (2) गुडुर मण्डल के राजस्व गांव जिन्दुर, नेस्लादुर, चन्नुर—1, चन्नुर—II, पालीचेरला, पी. राजपुलेम, मंगलापुर, कोण्डागुन्टा
- (3) राजस्व गांव चिल्लापुर, मुथयालपाड़ु, ओडुरु, वीपानुर, चिल्लाकुर मण्डल में, और
- (4) नेल्लोर जिले के मानुबोल मण्डल के राजस्व गांव मनुबोल, वेनकाप्पालयम, बोडदेवोलु”

[संख्या एस—38013/24/98—एस. एस.—I]

जे. पी. शुकला, अवर सचिव

New Delhi, the 27th October, 1998

S.O. 2334.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st November, 1998 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas of the State of Andhra Pradesh namely :—

“The areas falling within the limits of :

- (i) Gudur Municipality in addition in the areas where the scheme is already in force;
- (ii) revenue villages of Vindur, Nellatur, Chennur-I, Chennur-II, Palicherla P. Rajupalem, Mangalapur, Kondagunta in Gudur Mandal;
- (iii) revenue villages of Chillakur. Muthyalapadu, Oduru, Thecpanur in Chillakur Mandal; and
- (iv) revenue villages of Manubolu, Venkanapalem, Boddevoelu in Manubolu Mandal of Nellore District.”

[No. S-38013/24/97-SS. I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1998

का. आ. 2335.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ई. सी. एल. के

प्रबन्धसंल के संवद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-10-98 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल.—22012/229/97—आई. आर. (सी—II)]

बी. के. राजन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd October, 1998

S.O. 2335.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of E.C. Ltd., and their workman, which was received by the Central Government on 16-10-98.

[No. L-22012/229/97-IR(C-II)]

V. K. RAJAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 34 of 1998

#### PRESENT :

Shri R. S. Mishra, Presiding Officer

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Manoharbhal Colliery of M/s. E. C. Ltd.

AND

Their workman

#### APPEARANCES :

For the Employer—None

For the Workman—None

INDUSTRY : Coal STATE : West Bengal

Dated, the 22nd September, 1998

#### AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-Section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry of Labour's Order No. L-22012/229/97/IR(CM-II), dated 23-7-98.

“Whether the action of the management of Manoharbhal Colliery of M/s. E. C. L. in dismissing Shri Suku Murari

U.G. Loader is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?”

2. The union withdraws the dispute vide his letter dated 29-8-98.

3. Hence 'No Dispute Award' is passed.

R. S. MISHRA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1998

का. प्र. 2336.—प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एक सी आई के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट प्रौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार प्रौद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-10-98 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन.-22012/501/95-आई. प्रार. (सी-II)]

सी. के. राजन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd October, 1998

S.O. 2336.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of F. C. I. and their workman, which was received by the Central Government on the 16-10-98.

[No. L-22012/501/95-IR (C-II)]

V. K. RAJAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR.

Industrial Dispute No. 109 of 1996

In the matter of dispute :

#### BETWEEN

State Secretary,  
Bhartiya Khadya Nigam Karamchhari Sangh  
5-6 Habibullah Estate Hazaratganj  
Lucknow.

#### AND

Senior Regional Manager,  
Bhartiya Khadya Nigam,  
5-6 Habibullah Estate Hazaratganj,  
Lucknow.

#### AWARD

1. Central Govt., Ministry of Labour, vide notification No. L-22012/501/95-I.R. (C. II) dated 13-10-96, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

Whether the action of the management of F. C. I. Lucknow, in stopping annual

increments of Sh. P. S. Dagar for the year 1991 and 1992 with cumulative effect and recovery of Rs. 21375/- is legal and justified ? Whether he is entitled to get selection grade w.e.f. 1-12-88 ? If not to what relief he is entitled to ?

2. The concerned workman Phool Singh Dagar AG. II(M) was functioning as cashier at FSD Haidarganj in the year 1985-86. During the course of his stay at this place he is alleged to have committed certain acts of misconducts in respect of which charge sheet dated 3-5-88 was issued to him, the copy of which is attached herewith. It consisted of three charges. One Smt. Shakuntala Chaudhary Joint Manager (Enquiry) was appointed enquiry officer. After completing enquiry she submitted her report on 2-7-90. After issuing show cause notice the concerned workman was awarded punishment by stopping his annual increments for the year 1991-92 with cumulative effect and further recovery of Rs. 21373/-. Feeling aggrieved by this punishment he has raised the instant industrial dispute.

3. In the claim statement, inter alia, it was alleged that the enquiry is vitiated in as much as proper opportunity to defend was not afforded by denying the documents which were asked for.

4. In the written it was reiterated that full opportunity was given to the concerned workman hence enquiry was fairly and properly held.

5. On the pleadings of the parties a preliminary issue regarding fairness of enquiry was framed. Vide finding dated 4-6-98, it was held that the enquiry was not fairly and properly held, inasmuch as, necessary documents were not provided to the concerned workman during the enquiry proceedings. Accordingly after setting aside the enquiry report the management was given opportunity to prove the misconduct. Repeated opportunities were given to the management to adduce evidence. Ultimately the management was debarred from giving evidence on 14-7-98. the concerned workman also did not adduce any evidence. From the above it will be evident that it is a case of no evidence. In the absence of any evidence I find that all the charges as contained in the chargesheet against the workman are not proved. Consequently my award that punishment awarded to the workman by way of stoppage of two annual increments for the year 1991-92 with cumulative effect and recovery of Rs. 21373/- is bad in law. Consequently he will be entitled for all arrears including refund of Rs. 21373/- if not realised. Further for want of proof the workman is entitled for selection grade from 1-12-88, consequently the concerned workman will not be entitled for any relief in this regard.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer